

# वाषिक प्रतिवेदन 2023-24



राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी)



# वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24



**राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी)**

(भारत की प्राचीनतम विज्ञान अकादमी)

स्थापित: 1930

5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज, उ.प्र.-211002 (भारत)

पत्राचार हेतु पता—  
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (रा.वि.अ.,भा.)  
5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज— 211002, भारत

फोन: +91-532-2640224, 2441243

ई-मेल : nasi.allahabad1@gmail.com

वेबसाइट: <http://www.nasi.org.in>

एनएसआई, प्रयागराज  
फेसबुक और टिवटर पर भी है

 FACEBOOK - Nasi Prayagraj

 TWITTER- nasi2022

 INSTAGRAM- nasiprayag

प्रकाशक

महासचिव, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज



## प्रो. मेघनाद साहा संस्थापक अध्यक्ष, रा.वि.अ.भा

विज्ञान अकादमी लोक-मत को शिक्षित बनाकर, विशिष्ट समस्याओं पर ध्यान देकर तथा विचार-विमर्श एवं सहयोगपूर्ण शोधकार्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं को शामिल करके बहुत कुछ कर सकती है। किन्तु अकादमी का प्रमुख कार्य मानव ज्ञान राशि में योगदान द्वारा सांस्कृतिक सुधार लाने का होना चाहिए।

— अकादमी के उद्घाटन सत्र में प्रो. मेघनाद साहा का वक्तव्य

**प्रा**चीन समय में विज्ञान के क्षेत्र में भारत के अद्वितीय योगदान के लिए गौरान्वित होना पुर्णतः न्यायोचित है। जबकि, निरंतर विदेशी आक्रमणों और सदियों के विदेशी शासन ने विज्ञान को पीछे धकेल दिया और देश को जिस दौर से गुजरना पड़ा उसे विज्ञान का अंधकार युग कहना गलत न होगा। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली और विश्वविद्यालयों की स्थापना के पश्चात् पश्चिमी विज्ञान ने भारतीय बुद्धिजीवी की आकर्षित किया तथा अनेकों व्यवधानों के बावजूद देश में सर जे.सी बोस और आर्चर्ड प्रफुल्ल चंद्र रे जैसे दिग्गज वैज्ञानिकों का आविर्भाव संभव हुआ।

प्रथम विश्व युद्ध और विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के कारण सारे विश्व में वैज्ञानिक अनुसंधान को गहरा झटका लगा — जिसका असर भारत पर इतना अधिक पड़ा कि वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्यों को प्रकाशित करना तक मुश्किल हो गया क्योंकि उन्हें लगभग पूरी तरह से विदेशी पत्रिकाओं पर ही आश्रित रहना पड़ता था। विश्व युद्ध के बाद भारत में स्वतंत्रता आंदोलन का उदय हुआ, जिसने भारतीय जनता की कई समस्याओं जैसे गरीबी, भुखमरी, बीमारियां, बार-बार आने वाली बाढ़, सूखा, अकाल आदि की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। देशभक्त वैज्ञानिकों ने इन समस्याओं से स्वयं को गहराई से जुड़ा हुआ महसूस किया।

इसी पृष्ठभूमि के मद्देनजर सन् 1929 में वैज्ञानिकों के एक ऐसे मंच को स्थापित करने का विचार, महान् देशभक्त वैज्ञानिक और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिकी के तत्कालीन प्रोफेसर मेघनाद साहा द्वारा प्रस्तुत किया गया, ताकि वैज्ञानिकों को शोधकार्यों को प्रकाशित किये जाने में उनकी सहायता की जा सके और देश की समस्याओं पर विचार-विमर्श करने और वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए उन्हें एकजुट किया जा सके। उनके विचारों को इलाहाबाद विश्वविद्यालय पत्रिका के दिसंबर 1929 अंक में ‘ए प्ली फॉर एन एकेडमी ऑफ साइंसेज’ नामक एक लेख के रूप में प्रकाशित किया गया था।

इस प्रकार सन् 1930 में देश की सर्वप्रथम विज्ञान अकादमी के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत की स्थापना हुई।

## अभिदृष्टि एवं लक्ष्य

नासी का लक्ष्य सभी शाखाओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का संवर्धन और प्रोत्साहन करना है, जिसके माध्यम से –

- i. समाज कल्याण की समस्याओं से जुड़े वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना
- ii. प्रोसीडिंग्स, पत्रिकाओं, संस्मरणों, लेन-देनों और अन्य वांछनीय कार्यों का प्रकाशन करना
- iii. वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं पर बैठकों व परिचर्चाओं का आयोजन करना
- iv. उचित रूप से गठित समितियों और निकायों के माध्यम से तकनीकी या सार्वजनिक महत्व के वैज्ञानिक कार्यों का उत्तरदायित्व लेना
- v. भारत और विदेशों में समान उद्देश्यों वाले अन्य संगठनों के साथ सहयोग करना और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों पर कार्य करने हेतु अकादमी के प्रतिनिधियों की नियुक्ति करना
- vi. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रोत्साहन हेतु धनराशी व निधि प्राप्त करना व उनका प्रबंधन करना
- vii. एक विज्ञान पुस्तकालय का रखरखाव करना
- viii. अकादमी के उपर्युक्त उद्देश्यों अथवा उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सहयोग व आवश्यक अन्य सभी कार्यक्रमों, मामलों और कार्यों को करना
- ix. देश के अन्य शहरों में जहां उचित संख्या में अध्येता व सदस्य उपलब्ध हैं, अकादमी की शाखाएं खोलकर पूरे देश में अकादमी का पर्याप्त प्रभाव उत्पन्न करना



## प्राक्कथन

**रा**ष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), जो वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक प्रमुख संस्था है, जो अपने फेलो और सदस्यों के माध्यम से अपने सभी शाखाओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करती है। विविध वैज्ञानिक गतिविधियों के आयोजन और प्रमुख सामाजिक-वैज्ञानिक मुद्दों को संबोधित करते हुए पत्रिकाओं और पुस्तकों के प्रकाशन के माध्यम से, अकादमी वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

इस अकादमी की स्थापना का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी का संवर्धन और प्रचार करना है, और यह वैज्ञानिक ज्ञान को समाज की प्रगति में व्यापक लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अकादमी की मार्गदर्शक विचारधारा 'विज्ञान और समाज' है। अकादमी का दृढ़ विश्वास है कि वैज्ञानिक शिक्षा और अनुसंधान न केवल वैज्ञानिक सोच को प्रेरित करने के लिए आवश्यक हैं बल्कि आम जनमानस के प्रतिरक्षण की गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

वर्षों से, नासी ने देशभर में अपने 22 स्थानीय चैप्टर्स की स्थापना द्वारा अपनी पहुँच का विस्तार कर यह सुनिश्चित किया है कि वैज्ञानिक प्रयासों का प्रभाव जमीनी स्तर तक पहुंचे। ये अध्याय वैज्ञानिक विचारों का आदान-प्रदान करने, जीवंत वैज्ञानिक चर्चाओं को प्रोत्साहित करने और विविध क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी पहल के साथ तालमेल रखते हुए, नासी ने कई गतिविधियाँ सम्पन्न की हैं, जिनमें स्वच्छ भारत मिशन, स्वस्थ भारत मिशन, महिला सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण जैसी पहल शामिल हैं। ये प्रयास विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय विकास के प्रति अकादमी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

इस वर्ष, हम भारत रत्न प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन की महान विरासत से प्रेरणा लेते हैं, जिनकी कृषि विज्ञान में क्रांतिकारी योगदान ने आधुनिक भारत का स्वरूप दिया। एकेडमी के पूर्व अध्यक्ष (1989–90) के रूप में, अकादमी अपनी 94वीं वार्षिक सत्र एवं संगोष्ठी उन्हें समर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) भोपाल द्वारा आयोजित इस बैठक में 'विकसित भारत की ओर त्वरित अनुसंधान एवं विकास' पर एक

संगोष्ठी होगी, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण और सामयिक विषय है। यह आयोजन विज्ञान प्रचार/प्रसार, संवाद को बढ़ावा देने और नवीन विचारों को लागू करने में एक मील का पथर साबित होगा, जो देश के वैज्ञानिक परिदृश्य पर स्थायी प्रभाव डालेगा।

अकादमी की उपलब्धियाँ अपने फेलो और सदस्यों की अटूट प्रतिबद्धता से संभव हुई हैं, जो अपने सभी वैज्ञानिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेते हैं एवं शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों तथा नीति निर्माताओं को एक साथ लाकर भारतीय परिदृश्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को वृहद आयाम देकर सफल सक्रिय सहभाग प्रदान करते हैं।

हम अपने प्रत्येक सोपान के प्राथमिक सफलताओं हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निरंतर सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हैं।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम उत्कर्ष के अपने मिशन में अडिग होकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भविष्य और समाज कल्याण के प्रति जागरूक एक सजग प्रहरी की तरह वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र के परिप्रेक्ष्य में सार्थक योगदान देते रहेंगे।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

(प्रो. बलराम भार्गव)

अध्यक्ष, नासी

# विषय-सूची

	पेज नं.
1. अधिशासकीय सार .....	1
2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियाँ .....	7
2.1. नासी-मुख्यालय के द्वारा आयोजित गतिविधियाँ .....	7
2.2 नासी लोकल चैप्टर की गतिविधियाँ .....	25
2.3 वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित गतिविधियाँ .....	124
3. अकादमी के प्रकाशन .....	133
4. फैलोशिप और सदस्यता .....	136
5. शोक सूचना .....	136
6. परिषद् (2023–2024) .....	137
7. बैठकें .....	141
8. संगठनात्मक संरचना .....	142
9. स्थायी समितियाँ .....	143
10. भवन एवं डॉ. सर पदमपत सिंघानिया पुस्तकालय .....	145
11. आभार .....	146
12. परिशिष्ट .....	147
I. वर्ष 2023 के लिए चुने गए फेलो एवं विदेशी फेलो .....	147
II. वर्ष 2023 के लिए चयनित सदस्य .....	153
III. मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखापरीक्षित लेखा विवरण .....	156



# 1. अधिशासकीय सार

## महत्वपूर्ण उपलब्धियां

**रा**ष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत देश की पहली विज्ञान अकादमी है, जिसका उद्देश्य 'विज्ञान और समाज' को बढ़ावा देना है, जैसा कि इसके संस्थापक प्रो. मेघनाद साहा, जो एक महान वैज्ञानिक, दूरदर्शी, समाज सुधारक और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिकी के तत्कालीन प्रोफेसर थे, द्वारा दिया गया था। अपनी स्थापना से ही, अकादमी ने पूरे देश में समाज के लोगों के लिए विज्ञान शिक्षा/संचार, प्रचार, लोकप्रियता, जागरूकता, प्रशिक्षण, कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर कई कार्यक्रम लागू किए हैं। पूर्व अध्यक्षों, जैसे कि दिवंगत प्रो. एम.जी.के. मेनन, दिवंगत प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, दिवंगत प्रो. वी.पी. शर्मा, दिवंगत प्रो. वी.पी. कांबोज ने सामान्य रूप से विज्ञान के प्रसार और विशेष रूप से अकादमी के विकास में गहरी रुचि ली थी। अन्य पूर्व अध्यक्षों, जैसे कि प्रो. (श्रीमती) मंजू शर्मा, प्रो. अशोक मिश्रा, प्रो. असीस दत्ता, प्रो. जे.पी. मित्तल, डॉ. के. कस्तूरीरंगन, प्रो. अखिलेश के. त्यागी, प्रो. अनिल ककोडकर, प्रो. जी.पी. पदमनाबन, प्रो. अजय घटक, प्रो. बलराम भार्गव ने भी विज्ञान जागरूकता के प्रसार और विशेष रूप से अकादमी के विकास की दिशा में समर्पित प्रयास किए हैं। हर साल, नासी अपने अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों, फैलो, सदस्यों और डीएसटी, नई दिल्ली के मुख्य (वित्तीय) समर्थन के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट के दौरान नासी की प्रमुख पहलें और मुख्य कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

## ग्रामीण समाज के विकास के लिए कार्यक्रम

भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण समाज का प्रतिनिधित्व करती है। नासी हर साल ग्रामीण लोगों और महिलाओं के लिए जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है। वर्ष 2023–24 में, नासी ने प्रयागराज के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए कुछ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। ग्रामीण लोगों ने विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की, जिन्होंने उनकी स्थानीय समस्याओं का समाधान किया।

## नासी-स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता कार्यक्रम

इस कार्यक्रम की शुरुआत नासी द्वारा चार राज्यों – उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और कर्नाटक में कोविड-19 महामारी के दौरान की गई थी। यह जागरूकता कार्यक्रम समाज की जरूरतों, लोगों की जीवनशैली, रीति-रिवाजों और स्थानीय मुद्दों को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया था। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान समग्र स्वच्छता, पोषण से संबंधित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य की रोकथाम और सुरक्षा के उपायों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। यह विशेष रूप से ग्रामीण, अर्ध-शहरी, शहरी-झुग्गी और शहरी आबादी के लिए महत्वपूर्ण था। नासी ने 27 सितंबर, 2023 को एसएस खन्ना महिला महाविद्यालय, प्रयागराज के साथ संयुक्त सहयोग में पोषण माह को मनाने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विशेषज्ञों/पोषण विशेषज्ञों ने मुख्य रूप से कुपोषण से संबंधित समस्याओं/रोगों पर चर्चा की और इन स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उपायों/समाधानों का सुझाव दिया। नासी के स्थानीय अध्यायों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया। पोषण पर कार्यक्रमों का आयोजन करके, नासी ने इन मुद्दों पर संदेश/जागरूकता फैलाने में सक्षम रहा, ताकि अधिक से अधिक लोग पोषण के

महत्व को समझ सकें और अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए एक सहयोगी, समन्वित और सहभागी दृष्टिकोण अपनाकर इन बड़ी समस्याओं को कम करने की दिशा में काम कर सकें, जिनका सामाजिक-वैज्ञानिक प्रासंगिकता है।

## नासी आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम

नासी ने 2020 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन को सफल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन को लागू किया। इस वर्ष भी, नासी ने 'उद्यमिता विकास' पर जागरूकता कार्यक्रम और पैनल चर्चाओं का आयोजन किया, विशेष रूप से युवाओं के लिए ताकि उनमें उद्यमशीलता कौशल विकसित किया जा सके और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

## विज्ञान संचार कार्यक्रम के तहत गतिविधियाँ

विज्ञान संचार नासी के विज्ञान और समाज के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। इस कार्यक्रम में बच्चों की विज्ञान बैठक, शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशालाएं, विज्ञान और स्वास्थ्य चौपाल, और वैज्ञानिक जागरूकता, कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर केंद्रित सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय महत्व के कुछ अन्य कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, राष्ट्रीय संविधान दिवस, राष्ट्रीय गणित दिवस आदि भी मनाए जाते हैं। नासी मुख्यालय और इसके देशभर में फैले 22 स्थानीय चैप्टर्स ने विज्ञान संचार कार्यक्रम/गतिविधियों का आयोजन किया और राष्ट्रीय घटनाओं को मनाने के लिए वैज्ञानिक जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, लेखन/चित्रकला प्रतियोगिताएं, और अन्य प्रतियोगिताएं शामिल थीं। विज्ञान के प्रसार के लिए नासी ने 'जैव विविधता' पर विशेष रूप से एक कार्यक्रम नासी मुख्यालय, एनईआर स्थानीय अध्याय और सिक्किम राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, सिक्किम सरकार के सहयोग से 2 मई 2023 को गंगटोक, सिक्किम में आयोजित किया। नासी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की, जो प्रो. मेघनाद साहा द्वारा स्थापित विभाग के शताब्दी समारोह को समर्पित था।

## ग्रीष्म कालीन अनुसंधान फेलोशिप

नासी ने अन्य दो विज्ञान अकादमियों – भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली और भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलुरु के साथ मिलकर 'संयुक्त विज्ञान शिक्षा पैनल' के तहत गर्मियों की अनुसंधान छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

## तीनों राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के संयुक्त महिला पैनल के तहत गतिविधियाँ

नासी का 'प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण' कार्यक्रम प्रो. मंजू शर्मा की अध्यक्षता में एक प्रमुख पहल है। उन्होंने नासी के नए उपक्रमों की अध्यक्षता की है और नासी की पूर्व अध्यक्ष और भारत सरकार की पूर्व सचिव रही हैं। नासी ने ग्रामीण और शहरी महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं और देशभर के 21 राज्यों को कवर किया है। इस वर्ष भी आईएपी (IAP) पर विस्टेमके तहत कई बैठकें आयोजित की गईं। विस्टेम ने 11 फरवरी 2024 को इन्सा, नई दिल्ली में 'स्वाती पोर्टल लॉन्च' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें भारत सरकार के प्रमुख

वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने उद्घाटन किया और इस अवसर पर कई प्रमुख महिला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स ने हिस्सा लिया।

## वार्षिक सत्र/संगोष्ठियाँ/वैज्ञानिक चर्चाएँ

हर साल, नासी एक वार्षिक सत्र और राष्ट्रीय महत्व के किसी विषय पर संगोष्ठी आयोजित करता है, जिसका उद्देश्य छात्रों (पीजी स्तर), शोधकर्ताओं और युवा वैज्ञानिकों के बीच वैज्ञानिक जागरूकता फैलाना होता है। नासी का 93वां वार्षिक सत्र और 'सुरक्षित भारत @75' विषय पर संगोष्ठी 3–5 दिसंबर 2023 को भाभा अनुसंधान संस्थान, मुंबई में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. आर. चिदंबरम ने किया। इस सत्र में कृषि और खाद्य सुरक्षा, ड्रग-फार्मसी और जैव अनुप्रयोगों से संबंधित वैज्ञानिक चर्चाएं की गई, जिसमें 300 से अधिक गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने भाग लिया। कई वैज्ञानिक/अनुसंधान पत्र भी प्रस्तुत किए गए।

## फेलोशिप / सदस्यता

हर साल, अकादमी देश और विदेश के कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए अपनी प्रतिष्ठित फेलोशिप/सदस्यता प्रदान करती है। वर्ष 2023 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे 143 वैज्ञानिकों (83 फेलो और 60 सदस्य) का चयन किया गया। पांच विदेशी फेलोशिप भी उन वैज्ञानिकों को प्रदान की गई जो विभिन्न देशों में काम कर रहे हैं और भारतीय वैज्ञानिकों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

## नासी-सिंघानिया पुस्तकालय

नासी की पुस्तकालय को पहले ही डिजिटाइज कर दिया गया है और हर साल अधिक किताबें जोड़कर इसकी सेवाओं को बढ़ाया जा रहा है। यह पुस्तकालय एक अनुकूल वातावरण प्रदान करती है और नेशनल नॉलेज नेटवर्क से जुड़ी हुई है। शहर के आसपास के विभिन्न शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों के छात्र और शोधकर्ता नियमित रूप से पुस्तकालय में आते हैं, जिन्हें निःशुल्क इंटरनेट सुविधा प्रदान की जाती है। इस वर्ष भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय, पीजी कॉलेज, अन्य शैक्षणिक संस्थान और आसपास के क्षेत्रों के वैज्ञानिक/इंजीनियरिंग संस्थानों से कई शोधकर्ता नासी में आए, जहां उन्हें विभिन्न विषयों और अध्ययन आवश्यकताओं के लिए पढ़ने की सामग्री और एक अच्छा अध्ययन वातावरण प्रदान किया गया। इससे उन्हें न केवल अपने शोध कार्य में मदद मिली, बल्कि उन्हें बड़ी मात्रा में जानकारी प्राप्त करने और अपनी आत्म-शिक्षण क्षमताओं को सुधारने में भी सहायता मिली।

## नदी गैलरी

नदियाँ प्रमुख प्राकृतिक संसाधन हैं, जो धार्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक पहलुओं से गहराई से जुड़ी होती हैं और पारिस्थितिक तंत्र के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नासी ने अपने उद्देश्यों की पूर्ति के तहत 2011 में प्रयागराज स्थित नासी मुख्यालय में गंगा गैलरी की स्थापना की। 2015 में असम के गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक अन्य नदी गैलरी स्थापित की गई, जिसे असम सरकार को सौंप दिया गया है (हालांकि, यह नासी और असम सरकार

की संयुक्त संपत्ति बनी रहेगी)। तीसरी गैलरी कावेरी नदी पर मैसूरु, कर्नाटक में उद्घाटित की गई है। हर साल नासी की गंगा गैलरी में 5,000 से अधिक लोग आते हैं। इस साल भी, लगभग 5200 आगंतुकों, जिनमें शोधकर्ता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी गर्ल्स पीजी कॉलेज, प्रयागराज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और आसपास के संस्थानों के संकाय सदस्य और छात्र (कौशांबी, प्रयागराज और अन्य स्थानों से) शामिल होकर नासी की गंगा गैलरी का दौरा किया और गंगा नदी से संबंधित विभिन्न कलाकृतियों की सराहना की।

## प्रकाशन

नासी ने स्प्रिंगर नेचर के साथ मिलकर निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन किया:

1. 'नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स' – VI भागों में (आई एफ-1.2)
2. 'प्रोसीडिंग्स ऑफ नासी, सेक्शन ए' – IV भागों में (आई एफ -0.8)
3. 'प्रोसीडिंग्स ऑफ नासी, सेक्शन बी' – IV भागों में (स्कोर-2.4):

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियाँ





## 2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियाँ

### 2.1. नासी-मुख्यालाय द्वारा आयोजित गतिविधियाँ (2023-24)

#### गणित पर लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान

**ना** सी के विज्ञान संचार कार्यक्रम के तहत 21 अप्रैल, 2023 को प्रयागराज के महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर में एक लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान आयोजित किया गया। यह ज्ञानवर्धक व्याख्यान सुश्री पी शारदा देवी, विज्ञान संचारक, भारतीय गणित के इतिहास की शोधकर्ता और पूर्व गणित शिक्षिका, सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई द्वारा दिया गया। व्याख्यान का विषय था 'हमारी गणितीय धरोहर का अवलोकन – हमारी विरासत'। सुश्री शारदा ने भारतीय गणित के स्वर्ण युग और इसके खजाने, जैसे कि 14वीं से 19वीं शताब्दी के बीच केरल स्कूल के कार्यों, मलाबार क्षेत्र की गणित, और नदी 'नीला' के किनारे गुरु परंपरा के बारे में चर्चा की। उन्होंने 'केरल स्कूल ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड मैथेमेटिक्स' के बारे में बताया, जहां विद्वानों ने 'अनंत श्रेणी और कलन' के बारे में जानकारी हासिल की वास्तव में, भारत में न्यूटन से कई शताब्दियों पहले ही कलन के कुछ बुनियादी विचार ज्ञात थे। कई सूत्र, समीकरण और रोचक तथ्य जैसे 'गर्लैंड प्रोडक्ट', ब्रह्मगुप्त का अद्वितीय कार्य (वृत्तीय चतुर्भुज का क्षेत्रफल), 'भावना' (अपरिमेय समीकरण को हल करने की विधि), पिंगला-सूत्र आदि पर चर्चा की गई और छात्रों को समझाया गया। छात्रों को चर्चा किए गए विषयों पर प्रश्नावली दी गई, और उन्होंने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिशचंद्र अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज की प्रोफेसर और वैज्ञानिक 'एच', प्रो. पुनीता बत्रा ने की। प्रो. बत्रा ने सैद्धांतिक भौतिकी और गणित में करियर के अवसरों के बारे में बताया। नासी के सहायक अधिशासी सचिव डॉ. संतोष शुक्ला ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। विद्यालय की प्राचार्या, सुश्री अलपोना डे ने नासी के प्रयासों की सराहना की और छात्रों और शिक्षकों के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

#### जैव विविधता पर विशेष संदर्भ के साथ विज्ञान के लोकप्रियकरण पर कार्यशाला

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत ने 2 मई, 2023 को गंगटोक, सिक्किम में 'जैव विविधता' पर विशेष संदर्भ के साथ विज्ञान के लोकप्रियकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला विज्ञान और समाज के मिशन का हिस्सा थी। इस आयोजन में सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ-साथ सिक्किम के अन्य कॉलेजों के छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और नासी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, फेलो, सदस्यों और अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री बी.पी. प्रधान, आईएफएस, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सिक्किम सरकार के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम में जैव विविधता के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कई सूचनात्मक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन नासी-नई पहल की अध्यक्ष प्रो. मंजू शर्मा द्वारा किया गया था। नासी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. एस.के. बारिक ने नासी मुख्यालय का प्रतिनिधित्व किया; और सुश्री अर्चना पंत, वाईडब्लूएस, नासी ने नासी मुख्यालय प्रयागराज से कार्यक्रम का समन्वयन किया।

## **राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस**

हर साल, नासी 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाता है, जो वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, इंजीनियरों और अन्य लोगों की उपलब्धियों को सम्मानित करने और भारत की परमाणु बम परीक्षणों की सफलतापूर्वक परीक्षण की उपलब्धियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भारत के विकास चुनौतियों का लागत-प्रभावी समाधान प्रदान करने वाली उद्यमशील भावना की आवश्यकता को दर्शाता है। इस वर्ष भी, 11 मई, 2023 को प्रयागराज में नासी मुख्यालय और इसके स्थानीय अध्यायों द्वारा यह दिन मनाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 प्रतिभागियों, युवा शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, नासी फेलो और सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक नासी के पूर्व अध्यक्ष एवं आईआईटी बॉम्बे के पूर्व निदेशक प्रो. अशोक मिश्रा और नासी के महासचिव प्रो. जयेश आर बेलारे थे।

## **स्थानीय चैप्टर सम्मेलन**

अकादमी ने 12 मई, 2023 को अपना 12वां स्थानीय चैप्टर सम्मेलन आयोजित किया जिसमें 18 स्थानीय चैप्टर्स ने प्रतिभागिता की। संबंधित अध्यायों के अध्यक्षों/सचिवों ने पूरे वर्ष आयोजित गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जो बहुत उत्साहवर्धक थीं, क्योंकि इन अध्यायों द्वारा एक वर्ष में 250 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो अकादमी के 'विज्ञान और समाज' के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए थे।

## **नासी के संपादकीय बोर्ड की वार्षिक बैठक**

नासी के संपादकीय बोर्ड की वार्षिक बैठक भी 12 मई, 2023 को आयोजित की गई, जिसमें नासी की पत्रिकाओं की गुणवत्ता और मात्रा को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। इस बैठक में देशभर से 25 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें स्प्रिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रतिनिधि भी शामिल थे। कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## **विश्व जैव विविधता दिवस**

नासी द्वारा पहले स्थापित किए गए कुछ डीएनए क्लबों द्वारा विश्व जैव विविधता दिवस मनाया गया।



## **विश्व पर्यावरण दिवस**

नासी ने 5 जून, 2023 को अपने मुख्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में 'प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान' विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्र/शिक्षक और अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कई सूचनात्मक, ज्ञानवर्धक और उत्साहवर्धक व्याख्यान सुने।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग का आविष्कार और अभ्यास भारत का ही है, और इसके उल्लेख हमारे वेद/वेदांत में स्पष्ट हैं। नासी मुख्यालय ने 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया ताकि शारीरिक/मानसिक स्वास्थ्य, एकता और शांति के संदेश को फैलाया जा सके। नासी के कर्मचारियों और कुछ छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ योग और श्वास व्यायाम किए। इस वर्ष का विषय 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' था, जो 'एक धरती, एक परिवार' के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों और आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से समेटता है। इस अवसर पर यह भी चर्चा हुई कि भारत को योग को एक वैज्ञानिक अभ्यास के रूप में मान्यता दिलाने और पश्चिमी दुनिया को योग की वैज्ञानिकता से अवगत कराने में सैकड़ों वर्ष लगे। उन्होंने चर्चा की कि अब योग पर आधारित अनुसंधान के संदर्भ सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय स्तर की पुस्तकों, पत्रिकाओं और शोधपत्रों में उपलब्ध हैं।



## 'अंगदान महोत्सव' का अवलोकन

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के निर्देशानुसार, नासी मुख्यालय ने 'अंगदान महोत्सव' पर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस अभियान में प्रयागराज के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। 3 अगस्त, 2023 को समापन दिवस पर प्रसिद्ध राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ प्रो. आशीष टंडन सहित स्थानीय चिकित्सा विशेषज्ञों ने लोकप्रिय चिकित्सा व्याख्यान दिए। वक्ताओं ने छात्रों के साथ बातचीत की और स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का उत्तर भी दिया।



## आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन

नासी, प्रयागराज ने 11 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली में एनआईपीजीआर में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर वैज्ञानिक व्याख्यान आयोजित किए, जो नासी के पूर्व अध्यक्ष और भारत में न्यूरोसर्जरी के जनक प्रो. पी. एन. टंडन के 95वें जन्मदिन को मनाने और उन्हें इस अवसर पर सम्मानित करने के लिए था। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री माननीय प्रोफेसर मुरली मनोहर जोशी, द्वारा किया गया। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, छात्र और शिक्षक भी उपस्थित थे।



## स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज ने 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम की थीम थी, 'नेशन फर्स्ट, ऑलवेज फर्स्ट'। यह थीम 'आजादी का अमृत महोत्सव' का हिस्सा थी, जो भारत सरकार की पहल है, जिसमें देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया। इस महोत्सव की शुरुआत 2021 में हुई और इसका समापन 15 अगस्त 2023 को हुआ।

## स्टूडेंट्स साइंस मीट

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज ने 25 अगस्त 2023 को नासी ऑडिटोरियम, प्रयागराज में स्टूडेंट्स साइंस मीट का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम नासी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यू. एस. श्रीवास्तव को समर्पित था, और उनके वैज्ञानिक योगदानों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण व्याख्यान शामिल थे। नासी की पूर्व अध्यक्ष प्रो. मंजू शर्मा ने प्रो. यू. एस. श्रीवास्तव को उनकी विज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक श्रद्धांजलि दी और उनके वैज्ञानिक उपलब्धियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। नासी के

अध्यक्ष प्रो. बलराम भार्गव ने अध्यक्षीय संबोधन में युवा वैज्ञानिक मस्तिष्कों को पोषित करने और नासी द्वारा एक जीवंत वैज्ञानिक समुदाय को बढ़ावा देने की भूमिका पर जोर दिया। यह आयोजन छात्रों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच वैज्ञानिक जांच और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

## सीएसआईआर–आईएचबीटी द्वारा आयोजित कार्यशाला

नासी और सीएसआईआर–आईएचबीटी ने 18 और 19 सितंबर 2023 को आईएचबीटी, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) में 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका' पर दो दिवसीय कार्यशाला का संयुक्त आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 शोधकर्ता, फैकल्टी सदस्य, आईएचबीटी के वैज्ञानिक, एच.पी.के.वि. और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों के सदस्य (ऑफलाइन) शामिल हुए। इसमें हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, नासी के फेलो, नासी के सदस्यों और अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के



प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा उद्यमिता से संबंधित विविध क्षेत्रों पर व्याख्यान दिए गए। इस कार्यक्रम ने विशेष रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता में महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसमें 'इंटरनेशनल डे ऑफ वीमेन एंड गर्ल्स इन साइंस' को मनाने की आवश्यकता और महत्व को भी रेखांकित किया गया, साथ ही कुछ अग्रणी महिला वैज्ञानिकों जैसे कि डॉ. मंजू शर्मा (पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित), डॉ. एन. कैलैसेली (पहली महिला महानिदेशक, सी एसआईआर), डॉ. रेनू स्वरूप (पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार), डॉ. सौम्या स्वामीनाथन (पूर्व उपमहानिदेशक, डब्लूएचओ) और बायोकॉन लिमिटेड की संस्थापक किरण मजूमदार शॉ का भी उल्लेख किया गया।

## पोषण माह का उत्सव

भारत के माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुसार, नासी ने 'पोषण', अर्थात् पोषण पर एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम लागू किया, और हर साल सितंबर के महीने को 'पोषण माह' के रूप में मनाया जाता है। नासी ने स्थानीय स्कूलों और

कॉलेजों के छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के साथ—साथ सामान्य जनता के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, नासी ने अपने कर्मचारियों के लिए चर्चा/बहस भी आयोजित की। ‘पोषण और स्वास्थ्य: पोषण माह का उत्सव’ विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान कार्यशाला 27 सितंबर 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम नासी, प्रयागराज और एस.एस. खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस पहल को नासी के विज्ञान संचार कार्यक्रम के तहत और एसएसकेजीडीसी के संयुक्त सहयोग में समर्थन मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. लालिमा सिंह, प्राचार्या और अतिथि वक्ता, ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया, जो पोषण जागरूकता को बढ़ावा देती हैं, और छात्रों के बीच स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। प्रो. यू.सी. श्रीवास्तव, नासी में विज्ञान संचार कार्यक्रम के राष्ट्रीय समन्वयक, इस कार्यक्रम के मुख्य



अतिथि थे, जिन्होंने एक विचारशील मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कुपोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और संतुलित पोषण के महत्व पर चर्चा की। प्रो. श्रीवास्तव ने विज्ञान संचार में नासी की पहलों और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर जनता को शिक्षित करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इसने पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सूचित आहार विकल्प बनाने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य पोषण और स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, जो पोषण माह की राष्ट्रव्यापी निगरानी के साथ संरेखित था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संतुलित पोषण के महत्व, इसके समग्र स्वास्थ्य पर प्रभाव और छात्रों और समुदाय में स्वस्थ आहार प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ज्ञान का प्रसार करना था।

### **प्रो. मेघनाद साहा की 130वीं जयंती का उत्सव**

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, ने अपने संस्थापक अध्यक्ष, प्रो. मेघनाद साहा की 130वीं जयंती 6 अक्टूबर 2023 को नासी, प्रयागराज में मनाई। यह कार्यक्रम प्रो. साहा के विज्ञान में उनके विशाल योगदान और नासी की स्थापना में उनके

महत्वपूर्ण योगदान को श्रद्धांजलि था। इस समारोह की शुरुआत प्रो. साहा को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि से हुई, जिसमें उनके खगोल भौतिकी में अग्रणी कार्य, विशेष रूप से साहा आयनीकरण समीकरण पर प्रकाश डाला गया, जिसने इस क्षेत्र में क्रांति ला दी। प्रमुख वक्ताओं में वरिष्ठ शिक्षाविद, पूर्व अध्यक्ष और नासी के विशिष्ट सदस्य शामिल थे, जिन्होंने प्रो. साहा को केवल एक महान वैज्ञानिक के रूप में ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी के रूप में याद किया, जिन्होंने भारत में वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें 1930 में नासी की स्थापना भी शामिल थी। इस कार्यक्रम में प्रो. साहा के विज्ञान में बहुआयामी योगदान और भारत में वैज्ञानिक शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के लिए उनके अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने राष्ट्रीय योजना और नीति में विज्ञान को एकीकृत करने के प्रति उनकी गहन सोच को प्रतिबिंबित करते हुए, प्रो. साहा के वैज्ञानिक योगदान और उनके विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण पर चर्चा की। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि नासी के मिशन को आगे बढ़ाने और पूरे देश में वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा का समर्थन करके उनकी विरासत और प्रयासों का सम्मान करना आवश्यक है। इस उत्सव ने नासी की वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया, जो इसके प्रतिष्ठित संस्थापक अध्यक्ष की दृष्टि और मूल्यों से प्रेरित थी। प्रो. मेघनाद साहा की 130वीं जयंती केवल उनकी जयंती का उत्सव नहीं था, बल्कि 'विज्ञान और समाज' पर उनके स्थायी प्रभाव का भी जश्न था।

### **हड्पा से हरिशचंद्र तक: हमारी गणितीय धरोहर और विरासत विषय पर कार्यशाला**

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, ने प्रो. बी.एल. शर्मा हायर मैथेमेटिक्स ट्रस्ट और प्रयागराज के अन्य संस्थानों के सहयोग से विख्यात गणितज्ञ प्रो. हरिश-चंद्र की जन्म शताब्दी मनाई। 10 अक्टूबर, 2023 को एक दिवसीय कार्यशाला 'हड्पा से हरिश चंद्र तक: हमारी गणितीय धरोहर और विरासत' का आयोजन नासी द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम



महान गणितज्ञ प्रो. हरिश-चंद्र के गहन योगदान का सम्मान करने और प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक की भारतीय गणित की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। प्रो. आर.पी. शुक्ला, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और बी.एल. शर्मा हायर मैथेमेटिक्स ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने इस थीम का संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक काल तक भारतीय गणितज्ञों के गहरे प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। प्रमुख अतिथि, प्रो. पुनिता बत्रा, हरिश चंद्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, प्रयागराज से थीं, जिन्होंने मुख्य व्याख्यान दिया और प्रो. हरिश-चंद्र के अग्रणी कार्यों और गणित के क्षेत्र में उनके स्थायी प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया। प्रो. बत्रा ने प्रो. हरिश-चंद्र के जीवन यात्रा और उनके योगदान का विस्तृत वर्णन किया, जिसमें प्रतिनिधित्व सिद्धांत और लाइ समूहों में उनके उल्लेखनीय योगदान पर चर्चा की। प्रो. एस.एस. खरे, पूर्व प्रो-वाइस चांसलर, नेहू, शिलांग, और बी.एल. शर्मा हायर मैथेमेटिक्स ट्रस्ट के अध्यक्ष, ने भारतीय गणितज्ञों के योगदान को याद रखने और सम्मानित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से इन महान विद्वानों के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। प्रो. खरे ने भारत में गणित के विकास (विषय: सिंधु घाटी से ब्रह्मगुप्त तक की भारतीय गणित) पर चर्चा की, जिसमें प्राचीन ग्रंथों से लेकर मध्यकालीन विद्वानों जैसे ब्रह्मगुप्त तक के महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया, और भारतीय गणित की स्थायी धरोहर को प्रदर्शित किया। प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने 'महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान' पर व्याख्यान दिया और समकालीन गणितीय विचार पर उनके योगदान के प्रभाव को दर्शाते हुए प्रमुख भारतीय गणितज्ञों के कार्यों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र ने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने, प्रश्न पूछने और चर्चा किए गए विषयों में गहराई से उत्तरने का अवसर प्रदान किया। यह समारोह सफलतापूर्वक प्रो. हरिश-चंद्र की जन्म शताब्दी का सम्मान करता है और भारतीय गणित के व्यापक योगदान को उजागर करता है। इसने गणितीय अध्ययन के ऐतिहासिक और समकालीन महत्व के लिए प्रशंसा को बढ़ावा दिया और प्रतिभागियों को इस महान विरासत में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम प्रो. हरिश-चंद्र के स्थायी प्रभाव और भारतीय गणित की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि देने का एक उपयुक्त अवसर था।

## महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से 13–14 अक्टूबर, 2023 को रायपुर में 'महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका का पता लगाना था। उद्घाटन सत्र की शुरुआत आयोजन समिति द्वारा गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और अतिथियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। इस सत्र की





प्रदर्शनी भी लगाई गई। "विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में चुनौतियां और अवसर" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, उद्योग और गैर-सरकारी संगठनों के विशेषज्ञ शामिल थे। पैनलिस्टों ने बाधाओं को दूर करने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करके प्रभाव को बढ़ाने के लिए अंतर्दृष्टि साझा की। इस सम्मेलन का अंतिम सत्र समापन समारोह था। इस समारोह में नासी के सभी गणमान्य व्यक्ति ऑनलाइन मोड में शामिल हुए। इस सत्र की अध्यक्षता पद्म भूषण डॉ. मंजू शर्मा ने की। अपने समापन भाषण में उन्होंने विभिन्न तकनीकी सत्रों के बारे में बात की, विश्वविद्यालय को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य के सहयोग पर भी चर्चा की। सम्मेलन के संयोजक प्रो. केशव कांत साहू ने सम्मेलन के बारे में संक्षिप्त टिप्पणियां दीं, सभी आमंत्रित वक्ताओं और नासी की टीम को उनके बहुमूल्य समय और सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। कुछ प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सम्मेलन की प्रतिक्रिया दी। अंत में 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार' विजेता को दिया गया। नासी की ओर से सुश्री अर्चना पंत ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जबकि प्रो. केशव कांत साहू ने उन सभी लोगों का धन्यवाद किया जिन्होंने इस सम्मेलन के आयोजन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया। सम्मेलन का समापन सफलतापूर्वक हुआ और सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

## प्रो. मेघनाद साहा द्वारा स्थापित भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना के 100 वर्ष का उत्सव

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। यह सम्मेलन प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. मेघनाद साहा द्वारा विभाग की स्थापना के शताब्दी वर्ष को मनाने के लिए प्रयागराज में आयोजित किया गया था। नासी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अजय के घटक ने एक प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने प्रो. मेघनाद साहा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रो. साहा के विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण योगदान, उनके खगोल भौतिकी में अग्रणी कार्य, और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के विकास में उनके गहन प्रभाव को उजागर किया। अपने संबोधन में, प्रो. घटक ने विज्ञान में प्रो. साहा के बहुआयामी योगदान और नासी की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रो. साहा की दूरदृष्टि और वैज्ञानिक कठोरता ने अकादमी के लिए एक मजबूत नींव रखी और कई पीढ़ियों के वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। प्रो. साहा का थर्मल आयनीकरण पर काम, जिसने साहा आयनीकरण समीकरण का नेतृत्व किया, तारकीय वातावरण की समझ में क्रांति लाया और आज भी खगोल भौतिकी में एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। यह सम्मेलन भौतिकी विभाग की 100 साल की यात्रा का उत्सव था, जो वैज्ञानिक नवाचार और उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। प्रो. घटक ने विभाग की वैज्ञानिक प्रतिभा को पोषित करने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका और भारत में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाने में इसके योगदान को स्वीकार किया। सम्मेलन ने न केवल उपलब्धियों के एक सदी का जश्न मनाया, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा में भविष्य के प्रयासों के लिए मंच भी तैयार किया, प्रो. साहा की भावना और दृष्टि का सम्मान किया गया।

### अकादमी का 93वां वार्षिक सत्र

नासी ने 3–5 दिसंबर, 2023 के दौरान 'सुरक्षित भारत @75' पर एक संगोष्ठी और अपना 93वां वार्षिक सत्र भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान, मुंबई के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 'आत्मनिर्भर भारत' को मनाना और समर्थन करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष व भारत सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. आर. चिंबंबरम, द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री सोमनाथ, चेयरमैन, इसरो श्री विवेक भसीन, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान, मुंबई डॉ. अजीत कुमार मोहंती, सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग और अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग, भारत सरकार शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नासी के अध्यक्ष और भारत सरकार के पूर्व सचिव प्रो. बलराम भार्गव ने की। कार्यक्रम के संयोजक के बाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान, मुंबई के भौतिकी समूह के निदेशक डॉ. एस. एम. यूसुफ थे।



गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया



प्रतिभागियों का एक दृश्य



'जंगली खाद्य साग' पर पुस्तक का कवर पेज'



उद्घाटन सत्र के दौरान पुस्तक का विमोचन करते गणमान्य अतिथि

प्रो. बलराम भार्गव, प्रो. अरुण के. पांडे और प्रो. लता रंगन द्वारा संपादित और नासी द्वारा प्रकाशित एक कॉफी टेबल बुक 'वाइल्ड एडिबल ग्रीन्स', जो कई जंगली प्रजातियों के पौधों का रिकॉर्ड है जिन्हें खाद्य साग के रूप में उपयोग किया जाता है, का भी इस अवसर पर विमोचन किया गया। इस पुस्तक में भारत की देशी जड़ी-बूटियों और सब्जियों की जानकारी दी गई है और साथ ही इनमें से कुछ को सामग्री के रूप में उपयोग करते हुए व्यंजनों का भी उल्लेख किया गया है। ये देशी सब्जियां शक्तिशाली पोषक तत्वों से भरी होती हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे भारत में पोषण सुरक्षा के मुद्दों को हल करने में मदद करती हैं, साथ ही दुनिया भर में जैव विविधता को बढ़ाती हैं।

कई प्रमुख वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों जैसे कृषि और खाद्य सुरक्षा, दवा—फार्मेसी और जैव—आवेदन, वन, जलवायु और पर्यावरण, ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर अपने व्याख्यान दिए। उन्होंने पिछले 75 वर्षों में भारत की उपलब्धियों और आगे की चुनौतियों पर चर्चा की। 4 दिसंबर, 2023 को नासी का स्थापना दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नासी के अध्यक्ष प्रो. बलराम भार्गव ने की और सह—अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष प्रो. अशोक मिश्रा ने की। वार्षिक सत्र के दौरान युवा शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों ने अपने—अपने शोध क्षेत्रों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।



डॉ. सोमनाथ श्रोताओं को संबोधित करते हुए



डॉ. चिदंबरम का अभिनंदन करते हुए

नासी के स्थानीय अध्यायों की वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रदर्शनों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. आर. चिदंबरम ने किया। इसके अलावा, शोधकर्ताओं द्वारा भौतिक और जैविक विज्ञान में वैज्ञानिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए 20 युवा शोधकर्ताओं को प्रमाण पत्र देने के लिए चयनित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाने के लिए छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो भारत की वैज्ञानिक विरासत और भविष्य की संभावनाओं का जश्न मनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी।



डॉ. चंद्रमबरम वैज्ञानिक मॉडलों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रदर्शनी क्षेत्र का दौरा करते गणमान्य व्यक्ति



इस संगोष्ठी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों के एकीकरण के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के प्रति नासी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो अंततः 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण में योगदान करेगा।

## अनुशंसा एवं सुझाव

इस आयोजन ने कृषि और खाद्य सुरक्षा, औषधि-फार्मसी और जैव-प्रयोग, वन, जलवायु और पर्यावरण, ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और चिकित्सा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया, उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया; और भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए उपयोगी सिफारिशें दीं:

### कृषि और खाद्य सुरक्षा @ 75:

'फसल फेनोमिक्स' के क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियों को पोषित करना, जिसमें कृषि विज्ञान, सूचना विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उच्च स्तरीय अनुसंधान और विकास शामिल हैं, ताकि उच्च उपज प्राप्त की जा सके। इसका उद्देश्य खाद्य और चारे की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करना है, जो केवल जीनोटाइपिंग के उपयोग से प्राप्त नहीं हो सकता।

- किसानों के बीच उर्वरक उपयोग में क्षेत्रीय असंतुलन के बारे में जागरूकता पैदा करने के प्रयास करना और किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड द्वारा सुझाए गए उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु उच्च तकनीकी संचार का उपयोग करना।
- फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहित करना, ताकि धान अवशेष जलाने से उत्पन्न समस्याओं को कम किया जा सके।
- समावेशी कृषि प्रणाली अनुसंधान और कार्यान्वयन का समर्थन करना, जिसमें आजीविका सुधार और स्थिरता के लिए फसल उत्पादन के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन और कृषि वानिकी शामिल हों।
- पौधों में बहु-तनाव सहिष्णुता वाले जीन की पहचान के लिए अनुसंधान गतिविधियों की शुरुआत करना और पौधों में तनाव तंत्र को समझने के लिए स्मार्ट बायोरेगुलेटर का विकास करना।

### औषधि-फार्मसी और सुरक्षा के लिए जैव-प्रयोग @75

- सरकारी क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिशत बढ़ाने की आवश्यकता है। बेहतर वित्तीय समर्थन के साथ, अनुसंधान एवं विकास इकाइयाँ उद्योग को मौलिक और अभिनव विचार प्रदान कर सकती हैं, जिससे सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को समाज के लाभ के लिए सुदृढ़ किया जा सके।
- निजी अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र को बढ़ावा देना और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना, जैसे सब्सिडी, अनुसंधान अनुदान, कर अवकाश, पुरस्कार और संचालन की आसानी के माध्यम से, जिससे सरकार को भी लाभ हो सकता है।
- औषधि उद्योग को नवाचार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना; और कार्यबल को उन्नत करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना।

## **वन, जलवायु और पर्यावरण सुरक्षा @75**

- छात्र समुदाय को कार्बन कैचर उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) पहल में शामिल करना ताकि उनके मन में जागरूकता और जिम्मेदारी पैदा हो सके।
- जलवायु नायकों (एनजीओ और व्यक्तियों) को प्रोत्साहित करना और जैव विविधता से छेड़छाड़ को रोकने के लिए निवारक उपायों को लागू करना, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ प्राकृतिक रक्षा के रूप में कार्य करता है।
- शक्ति उत्पादन, परिवहन, उद्योग, निर्माण गतिविधियों, कृषि और भूमि उपयोग के क्षेत्रों में डीकार्बोनाइजेशन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- क्षेत्रीय जलवायु मॉडल के निर्माण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का उपयोग करना और उपयुक्त एरोसोल रेडिएटिव फोर्सिंग तंत्र पर ध्यान केंद्रित करना।

## **ऊर्जा सुरक्षा @75**

- शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए तेल और गैस क्षेत्रों में गहन डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियों को अपनाना।
- भारतीय रिफाइनरियों द्वारा कच्चे तेल से रसायनों के पूरे चक्र का उपयोग।
- बायो-रिफाइनरियों का परंपरागत तेल और गैस प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल।
- एथनॉल रिफाइनरियों का पुनर्गठन ताकि 2 तक और 3 तक जनरेशन उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य किया जा सके।
- सीओ2 उत्सर्जन को कम करने के लिए रिफाइनरियों में सौर हस्तक्षेप की खोज।
- ऊर्जा पुनर्चक्रण के लिए वैकल्पिक बैटरी रसायन का अनुकूलन।
- परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर बेड़े द्वारा और पीएसयू और ऊर्जा पीएसयू (एनटीपीसी, आईओसी, ओएनजीसी, एनएएलसीओ) के साथ संयुक्त उद्यमों द्वारा कई वाहनों को लागू करना।
- प्रयोगात्मक 220 मेगावाट कैप्टिव पावर, एच2 संयंत्रों की स्थापना।
- थोरियम-एचएलईयू ईंधन युक्त पीएचडब्ल्यूआर निर्माण।
- फ्यूजन रिएक्टरों का निर्माण हरित ऊर्जा समाधान के रूप में।

## **इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर सुरक्षा @75**

- भविष्य के डेटा ट्रैफिक की सुरक्षा के लिए व्यक्तियों और सरकार की जिम्मेदारियों को परिभाषित करने हेतु नीतियों और तंत्रों का निर्माण।
- खुफिया एजेंसियों की सतर्क और समर्पित इकाइयों की स्थापना, जो सरकारी अधिकारियों और आम जनता पर लक्षित धोखाधड़ी साइबर खतरों की पहचान कर सकें और समय पर जागरूकता संबंधी जानकारी प्रसारित कर सकें।
- साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए रोकथाम, पहचान, जांच और प्रतिक्रिया के फ्लो चार्ट के उपयोग में सुधार।
- डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के उपयोग को प्रोत्साहित करना।

## अंतरिक्ष सुरक्षा @75

- सिस-लूनर अंतरिक्ष विकास, क्षुद्रग्रह खनन, अंतरिक्ष पर्यटन और हाइपरसोनिक उड़ायन के लिए लक्ष्य निर्धारण।
- नई क्षमताओं का विकास, जैसे उच्च थ्रस्ट प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष डॉकिंग, परमाणु प्रणोदन, वायु श्वसन इंजन और इन-सिचू संसाधन उपयोग।

## चिकित्सा और स्वास्थ्य सुरक्षा @75

- राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड का कार्यान्वयन।
- कैंसर उपचार के लिए किफायती दवाओं की उपलब्धता।
- डिजिटल आयुष्मान भारत मिशन का कार्यान्वयन।
- जीनोमिक्स और महामारी विज्ञान के लिए बिग डेटा अधिग्रहण और विश्लेषण का कार्यान्वयन।
- स्वदेशी और पुनः उपयोगी दवाओं का विकास।
- पैलिएटिव केयर सुविधाओं की स्थापना।

## ‘स्वाति’ पोर्टल का शुभारंभ

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज ने विज्ञान में महिलाओं के लिए अंतर-अकादमी पैनल की बैठकें सक्रिय रूप से आयोजित कीं। तीन विज्ञान अकादमियों, अर्थात् इन्सा, नासी और आईएएससी ने मिलकर ‘स्वाति’ पोर्टल के शुभारंभ को मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो एक संपूर्ण इंटरएक्टिव डेटाबेस है और भारत में अपनी तरह का पहला पोर्टल है – जिसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा विकसित, होस्ट और



बनाए रखा गया है। यह आयोजन 11 फरवरी 2024 को इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला और बालिका विज्ञान दिवस को मनाने के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य विज्ञान में महिलाओं की भूमिका और उभरते अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना था। कार्यक्रम में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय के सूद, मुख्य अतिथि थे।

300 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें देश भर के विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, पीजी कॉलेजों और उद्योगों के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, शोध विद्वान शामिल थे, ने इस दिन—भर चलने वाले कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालयों और विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रतिभागी, साथ ही तीन अकादमियों के फैलो/सदस्य और कर्मचारी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों में TWAS की अध्यक्ष प्रो. क्वारैशा अब्दूल करीमय तीन विज्ञान अकादमियों के अध्यक्ष; भारत सरकार के पूर्व सचिव, डीबीटी, डॉ. मंजू शर्मा, इन्सा की पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रिमा शाह, साथ ही अन्य प्रसिद्ध महिला वैज्ञानिक जैसे भारत सरकार की पूर्व सचिव, डीबीटी, डॉ. रेनू स्वरूप; आईएससी, बैंगलोर की उपाध्यक्ष प्रो. रोहिणी गोडबोले; तिक्र मुंबई की पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर और इन्सा 'वूमेन इन साइंस' पैनल की अध्यक्ष प्रो. शोभना शर्मा; आईसीएमआर की पूर्व महानिदेशक और डब्ल्यूएचओ की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन; और दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस की प्रोफेसर परमजीत खुराना शामिल थीं।





## नासी-लोकल चैप्टर्स की गतिविधियाँ



## 2.2 नासी-स्थानीय चैप्टर्स की गतिविधियाँ

**भा**रतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी अपनी स्थापना के समय से ही 'विज्ञान और समाज' के अपने उद्देश्य को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही है। नासी विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों/गतिविधियों के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार और संचार देश के विभिन्न क्षेत्रों/भागों में कर रही है, जिसमें पूरे देश के कई वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शिक्षकों और उद्योगपतियों को स्थानीय चैप्टर्स के समर्थन से शामिल किया गया है।

प्रत्येक क्षेत्र में उपस्थित नासी फेलो/सदस्यों के द्वारा स्थानीय चैप्टर्स का गठन नासी परिषद की स्वीकृति से किया जाता है। देश भर में कुल 22 स्थानीय चैप्टर्स हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

1. अहमदाबाद
2. बैंगलोर
3. भोपाल
4. चंडीगढ़
5. चेन्नई
6. दिल्ली
7. हैदराबाद
8. जम्मू और कश्मीर
9. झारखण्ड
10. केरल
11. खड़गपुर
12. कोलकाता
13. लखनऊ
14. मुंबई
15. नागपुर
16. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र
17. ओडिशा
18. पटना
19. पुणे
20. राजस्थान
21. उत्तराखण्ड
22. वाराणसी

# वर्ष 2023–2024 के दौरान चैप्टर्स द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

## बैंगलोर चैप्टर



राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी एवं डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज़ इन बायोकेमिस्ट्री, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर द्वारा आयोजित 'जीवन रूपी वृक्ष के पार जीवविज्ञान' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं वाद-विवाद



### कार्यक्रम

क्रम संख्या	समय	वक्ता	शीर्षक
	9:45 प्रातः से 10:15 प्रातः	उद्घाटन सत्र एवं अध्यक्षता प्रो. मुजफ्फर एच असदी, माननीय कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर	
1	10:30 प्रातः से 11:15 प्रातः	प्रो. अंजना बद्रीनारायणन सेलुलर संगठन और सिग्नलिंग विभाग एनसीबीएस, बैंगलोर	'जीवाणु जीनोम का संरक्षण: विविध तंत्र, एकीकृत कार्य'
	11:15 प्रातः से 11:45 प्रातः	- जलपान -	
2	11:45 प्रातः से 12:30 अपराह्न	प्रो. कौस्तुव सान्याल आण्विक जीव विज्ञान एवं आनुवंशिकी इकाई	'जीवन': मूल रूप, प्रकार एवं कवक बाहुल्य पर विशेष बल
3		प्रो. उत्पल नाथ माइक्रो बायोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग आईआईएससी बैंगलोर	अंग आकार में जटिलता का आनुवंशिक विनियमन
	1:20 अपराह्न से 2:20 अपराह्न	- दोपहर का भोजन -	
4	2:25 अपराह्न से 3:10 अपराह्न	प्रो. के. एस. गिरीश डी.ओ.एस.आर, जैव रसायन विज्ञान, तुमकुर विश्वविद्यालय तुमकुरु	रक्त कोशिकाएं और रेडॉक्स प्रणाली: मानव रोगों को विनियमित करने में प्रमुख घटक
5	3:15 अपराह्न से 4:00 अपराह्न	प्रो. एन गणेश जैव रसायन विभाग आईआईएससी बैंगलोर	'जीनोम रखरखाव एवं ट्यूमर दमन: डीएनए क्षति प्रतिक्रिया प्रोटीन'
6	4:10 अपराह्न से 4:45 अपराह्न	छात्रों के साथ पैनल चर्चा धन्यवाद ज्ञापन	

स्थान: सभागार, विज्ञान भवन, मानस गंगोत्री, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

दिनांक: 17 मार्च, 2023

नासी-बैंगलोर चैप्टर ने बायोकैमिस्ट्री विभाग, माइसोर विश्वविद्यालय के सहयोग से 17 मार्च 2023 को माइसोर विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन में 'परिचर्चा- जीवन के वृक्ष के माध्यम से जीव विज्ञान की व्याख्या' शीर्षक से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस बैठक में जीवन विज्ञान की विभिन्न धाराओं के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें स्नातक और परास्नातक के छात्र और युवा शोधकर्ता शामिल थे। इसके अलावा, मनसगंगोत्री से आए छात्रों के साथ-साथ महारानी महाजन और जेएसएस कॉलेज, माइसोर के कई छात्रों ने भी इस संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी के दर्शकों का स्वागत बायोकैमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. केम्पराजु ने किया; और कार्यक्रम का उद्घाटन माइसोर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा किया गया। बाद में, नासी-बैंगलोर चैप्टर के सचिव, प्रो. कौस्तव सन्याल ने सभा को संबोधित करते हुए नासी की 'विज्ञान और समाज' गतिविधियों पर जोर दिया, जो भारत में विज्ञान को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं।



संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का दृश्य

संगोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंस और तुमकुर विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने बैकटीरिया, यीस्ट, पौधों और पशु प्रणालियों से जुड़े विषयों को कवर किया। प्रत्येक वक्ता ने प्रस्तुति के दौरान और बाद में छात्रों के साथ लंबे और सार्थक संवाद किए। संगोष्ठी का समापन एक पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस एक दिवसीय संगोष्ठी में, वक्ताओं ने छात्रों के साथ अनौपचारिक चर्चा की, जिसमें विज्ञान को बेहतरीन संस्थानों में आगे बढ़ाने और विभिन्न संस्थानों में पीएचडी कार्यक्रमों में नामांकन की महत्ता पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक का समापन

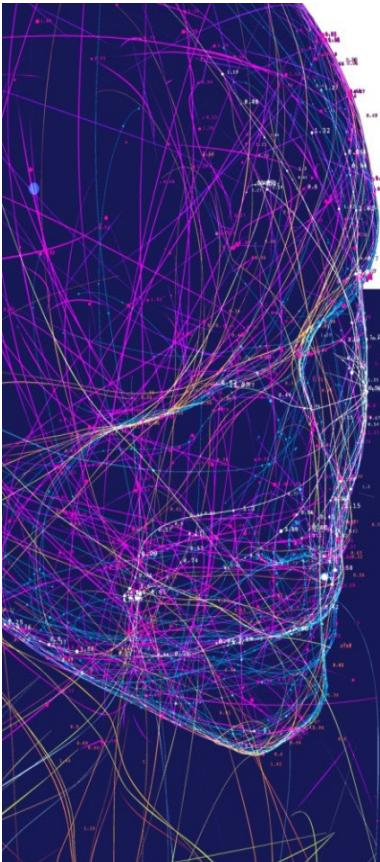
प्रो. केम्पराजु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। समग्र रूप से, यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और छात्रों तथा प्रारंभिक करियर शोधकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के साथ इसे खूब सराहा गया।



संगोष्ठी जारी

- सभी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर संगोष्ठी





and



PRESENT

# LET'S GET AIed

A Seminar on Artificial Intelligence for Everyone

SEPTEMBER 30, 2023 | BENGALURU



## UP NEXT: SESSION 1



CHAIR:  
Prof. Jayesh Bellare

9.15 AM TO 9.45 AM :  
AI AND DRONES FOR  
PRECISION AGRICULTURE



Padma Shri Dr. Kota Harinarayana,  
Chairman, Board of governors, IIT(BHU) and  
Chairman, Design division of Aeronautical Society of India

9.45 AM TO 10.15 AM :  
AI IN AEROSPACE  
RESEARCH



Prof. Suresh Sundaram,  
IISc Bangalore

10.15 AM TO 10.45 AM :  
AI AND HEALTHCARE



Mr. Girish Krishnamurthy,  
Tata Medical & Diagnostics Ltd.



## UP NEXT: SESSION 2



**CHAIR:**  
Prof. K. S. Narayan

**11.00 AM TO 11.30 AM :**  
**ML FOR CHALLENGING DATASETS  
FROM CHEMICAL SPACE**



Prof. R. B. Sunoj,  
IIT Bombay

**11.30 AM TO 12.00 PM :**  
**ML ADVANCES FOR  
NEUROIMAGING**



Dr. Neelam Sinha, IISc,  
Bangalore

**12.00 PM TO 12.30 PM :**  
**AI IN BIOMEDICAL RESEARCH**



Prof. N. R. Jagannathan,  
Chettinad Academy of  
Research and Education,  
Chettinad University

**12.30 PM TO 1.00 PM :**  
**AI FOR PUBLIC GOOD**



Dr. Vivek Raghavan,  
Co-Founder,  
Stealth Startup



## UP NEXT: SESSION 3



**CHAIR:**  
Prof. Kaustuv Sanyal

**2.00 PM TO 2.30 PM :**  
**AI IN ART AND HUMANITY**



Harshit Agrawal,  
IIT Guwahati Alumnus

**2.30 PM TO 3.00 PM :**  
**AI IN MANUFACTURING**



Mr. Sivaramakrishnan  
Narayanan,  
Bristlecone

**3.00 PM TO 3.30 PM :**  
**AI IN SUPPLY CHAIN**



Sudipta Ghosh,  
PWC



## UP NEXT: SESSION 4



CHAIR:  
Shri. Ashok Kamath

### 3.45 PM TO 4.15 PM : AI IN DIAGNOSTICS



Dr. Dhanajay Dendukuri,  
Achira Labs

### 4.15 PM TO 4.45 PM : AI IN MATERIALS DEVELOPMENT



Prof. Abhishek Singh,  
IISc Bangalore

#### THE FOLLOWING TOPICS ARE ENVISAGED TO BE COVERED:

**TRANSFORMING  
INDIA'S HEALTHCARE –  
DIGITAL TODAY & AI TOMORROW**  
- Mr. Girish Krishnamurthy,  
Tata Medical & Diagnostics Ltd.

**AI & DRONES FOR  
PRECISION AGRICULTURE**  
- Dr. Kota Harinarayan, Ex ADA

**AI FOR PUBLIC GOOD**  
- Dr. Vivek Raghavan, Ex UID

**AI IN AEROSPACE RESEARCH**  
- Prof. Suresh Sundaram, IISc Bangalore

**AI IN MANUFACTURING**  
- Mr. Sivaramakrishnan Narayanan,  
Bristlecone

**AI IN SUPPLY CHAIN**  
- Sudipta Ghosh, PWC

[CLICK TO REGISTER](#)

#### THE FOLLOWING TOPICS ARE ENVISAGED TO BE COVERED:

**AI IN DIAGNOSTICS**  
- Dr. Dhanajay Dendukuri, Achira Labs

**ML ADVANCES FOR  
NEUROIMAGING**  
- Dr. Neelam Sinha, IISc, Bangalore

**AI IN MATERIALS DEVELOPMENT**  
- Prof. Abhishek Singh, IISc Bangalore

**ML FOR CHALLENGING DATASETS  
FROM CHEMICAL SPACE**  
- Prof. RB Sunoj, IIT Bombay

**AI IN BIOMEDICAL RESEARCH**  
- Prof. N R Jagannathan, Ex AIIMS

**AI IN ART & HUMANITY**  
- Harshit Agrawal, IIT Guwahati alumnus

[CLICK TO REGISTER](#)

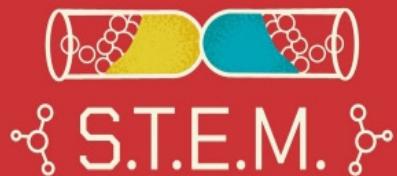
'एसटीईएम पावर्ड बाय वीमेन' पर कार्यक्रम



and



present



## S.T.E.M. POWERED BY WOMEN

Celebrating  
Women in  
Science and  
Technology

March 9, 2024 | Bangalore



and  
present



## S.T.E.M. POWERED BY WOMEN

Celebrating  
Women in  
Science and  
Technology

March 9, 2024 | Bangalore

### UP NEXT:

#### OPPORTUNITIES AND CHALLENGES FOR WOMEN'S LEADERSHIP IN HEALTH



Prof. Prabhdeep Kaur, Professor  
Isaac Centre for Public Health,  
Indian Institute of Science, Bengaluru



and  
present



### UP NEXT:

#### GENERATIVE AI: PIONEERING THE NEW ERA OF INTELLIGENCE



Dr Saigeetha A. J.,  
Chief Data Scientist and AI-ML Leader,  
AI & Analytics, IBM Consulting





and



present

**S.T.E.M.**  
POWERED BY WOMEN

Celebrating Women in Science and Technology

March 9, 2024 | Bangalore

UP NEXT:

**ASTRONOMY:  
AN ANCIENT SCIENCE  
DRIVEN BY TECHNOLOGY**



Prof. Annapurni Subramaniam  
Director & Senior Professor,  
Indian Institute of Astrophysics



and



present

**S.T.E.M.**  
POWERED BY WOMEN

Celebrating Women in Science and Technology

March 9, 2024 | Bangalore

UP NEXT:

**DUSTY FLOWS  
IN NATURE**



Prof. Rama Govindarajan  
International Centre for  
Theoretical Sciences  
Tata Institute of Fundamental Research



and  
present



# S.T.E.M. POWERED BY WOMEN



Celebrating  
Women in  
Science and  
Technology

March 9, 2024 | Bangalore

## UP NEXT:

### MOLECULAR BASIS OF ENZYME FUNCTION



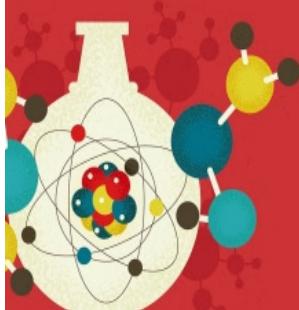
Prof. Hemalatha Balaram  
Professor, JNCASR Bengaluru



and  
present



# S.T.E.M. POWERED BY WOMEN



Celebrating  
Women in  
Science and  
Technology

March 9, 2024 | Bangalore

## UP NEXT:

### SCIENTIFIC AND REGULATORY CONSIDERATIONS OF BIOSIMILAR DEVELOPMENT



Dr Anita Krishnan  
Associate Vice President,  
Biocon Biologics



and



present

# S.T.E.M. POWERED BY WOMEN

Celebrating  
Women in  
Science and  
Technology

March 9, 2024 | Bangalore



## UP NEXT:

### PHOTONIC QUANTUM SCIENCE AND TECHNOLOGIES



Prof. Urbasi Sinha,  
Raman Research Institute,  
Bengaluru

#### SESSIONS AND SPEAKERS



##### ASTRONOMY: AN ANCIENT SCIENCE DRIVEN BY TECHNOLOGY

Prof. Annapurni Subramaniam  
Director & Senior Professor,  
Indian Institute of Astrophysics



##### PHOTONIC QUANTUM SCIENCE AND TECHNOLOGIES

Prof. Urbasi Sinha,  
Raman Research Institute,  
Bengaluru



##### OPPORTUNITIES AND CHALLENGES FOR WOMEN'S LEADERSHIP IN HEALTH

Prof. Prabdeep Kaur, Professor  
Isaac Centre for Public Health,  
Indian Institute of Science,  
Bengaluru



##### MOLECULAR BASIS OF ENZYME FUNCTION

Prof. Hernalatha Balaram  
Professor, JNCASR Bengaluru

#### SESSIONS AND SPEAKERS



##### DUSTY FLOWS IN NATURE

Prof. Rama Govindarajan  
International Centre for  
Theoretical Sciences  
Tata Institute of Fundamental  
Research



##### SCIENTIFIC AND REGULATORY CONSIDERATIONS OF BIOSIMILAR DEVELOPMENT

Dr Anita Krishnan  
Associate Vice President @  
Biocon Biologics



##### GENERATIVE AI: PIONEERING THE NEW ERA OF INTELLIGENCE

Dr Saigeetha A. J.,  
Chief Data Scientist and AI-ML Leader,  
AI & Analytics, IBM Consulting

A  
PANEL  
DISCUSSION



## भोपाल चैप्टर

**चैप्टर ने वर्ष 2023–24 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया**

क्रम संख्या	एनएएसआई–भोपाल चैप्टर गतिविधि	संबद्ध संस्था	गतिविधि दिनांक
01	जेडएसआई राष्ट्रीय वेबिनार 'जैव विविधता और उसका संरक्षण'	शासकीय स्वायत्तशासी पी.जी.कॉलेज सतना (म.प्र.)	21 अगस्त 2023.
02	अंतर्रजिला स्तरीय विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताएं और पुरस्कार वितरण	सरस्वती विद्यापीठ, सतना (म.प्र.)	27 अक्टूबर 2023.
03	'स्थायी जैव संसाधन और जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	जीवन विज्ञान संकाय, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना (म.प्र.)	22–25, नवम्बर 2023
04	'कैरियर विकास में हाल के रुझानों और उभरते अवसरों पर बहु–विषयक दृष्टिकोण' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (हाइब्रिड मोड)	माता गुजरी महिला महाविद्यालय (स्वायत्त), जबलपुर (म.प्र.)	24–31, जनवरी 2024
05	'पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु परिवर्तन पर मानवीय गतिविधियों का प्रभाव' पर राष्ट्रीय शोध सम्मेलन	गोदावरी स्वरोजगार केंद्र, नहडोरा, जिला। छतरपुर, (मप्र)।	28 – 29 जनवरी 2024
06	'भारत में बागवानी: उभरते रुझान, चुनौतियाँ और अवसर' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी भोपाल (म.प्र.)	09–10 फरवरी 2024
07	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2024	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट सतना (म.प्र.)	27–28 फरवरी 2024
08	'जैव विविधता और इसके संरक्षण' पर जेडएसआई राष्ट्रीय कार्यशाला	सेंट्रल रीजनल ऑफिस जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जबलपुर (म.प्र.)	27–28 फरवरी 2024
09	'सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	फैकल्टी ऑफ बेसिक साइंस, एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना (म. प्र)	11–12 मार्च 2024
10	'केंचुआ खाद, मशरूम उत्पादन और कड़कनाथ मुर्गी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला	डीआरआई आरोग्य धाम चित्रकूट, सतना (म. प्र.)	22, मार्च 2024
11	'वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन बिरादरी को संवेदनशील बनाने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट सतना (म.प्र.)	22–23, मार्च 2024

- शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना (म.प्र.) द्वारा भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) तथा राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत (नासी) भोपाल चौप्टर के सहयोग से 'जैव विविधता एवं इसके संरक्षण' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार 21 अगस्त, 2023 को आयोजित किया गया। ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में पूरे भारत से लगभग 1800 प्रतिभागी शामिल हुए।



इस राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य अतिथि डॉ. धृति बनर्जी, निदेशक जेडएसआई कोलकाता (डब्ल्यूबी), विशेष अतिथि डॉ. नीरज कुमार, सचिव नासी, प्रयागराज (यूपी) और प्रख्यात वक्ता डॉ. बासुदेव त्रिपाठी, वैज्ञानिक ई, जेडएसआई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र पुणे; डॉ. नवनीत सिंह, वैज्ञानिक ई, जेडएसआई कोलकाता (पश्चिम बंगाल); डॉ. अनिल कुमार, वैज्ञानिक ई, जेडएसआईएन क्षेत्रीय केंद्र देहरादून (यूके) और डॉ. देवांशु गुप्ता, वैज्ञानिकडी, जेडएसआई कोलकाता।



- अंतर जिला स्तरीय विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार वितरण 27 अक्टूबर, 2023 को सरस्वती विद्यापीठ, सतना (म.प्र.) में आयोजित

## सरस्वती विद्यापीठ में विज्ञान वार्ता व विज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित



### सरस्वती विद्यापीठ में विज्ञान वार्ता एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी



सतना @ पत्रिका सरस्वती विद्यापीठ उत्तैली सतना में 27 अक्टूबर को शक्तिकर सभागार में वैज्ञानिक वार्ता एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाठक, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर, द्वार्म्बे, मुंबई, कार्यर म के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. गुप्ता, विभागाध्यक्ष भीवितक शास्त्र इन्स्टीट्यूटोफर महाविद्यालय, सतना एवं विज्ञान अधिकारी डॉ. शिवेश प्रताप सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान सतना @ पत्रिका सरस्वती विद्यापीठ उत्तैली सतना में 27 अक्टूबर को शक्तिकर सभागार में वैज्ञानिक वार्ता एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाठक, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर, द्वार्म्बे, मुंबई, कार्यर म के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. गुप्ता, विभागाध्यक्ष भीवितक शास्त्र इन्स्टीट्यूटोफर महाविद्यालय, सतना एवं विज्ञान अधिकारी डॉ. शिवेश प्रताप सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान नागरिक की उपस्थिति रही।



### विज्ञान वार्ता में व्यंकटवन ने मारी बाजी, रहा विजेता



- सतत जैव संसाधन और जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः यह सम्मेलन 22–25 नवंबर, 2023 को एकेएस विश्वविद्यालय, सतना (म.प्र) में आयोजित किया गया था। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 120 संस्थानों के 600 प्रतिभागियों के साथ-साथ 16 देशों के 100 से अधिक आमंत्रित वक्ताओं ने शानदार उद्घाटन देखा।



- प्रो. अखिलेश कुमार पांडे, माननीय कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.) मुख्य अतिथि थे, प्रो. विशाल मिश्रा, बीएचयू (आईआईटी), वाराणसी, यू.पी. मुख्य वक्ता थे। यह कार्यक्रम सात दिनों तक चला और इसमें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से 1200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसके बाद उन्होंने अपने शोध कार्यों की मौखिक प्रस्तुतियाँ दीं।



### सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समाप्ति

**जबलपुर।** माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 24 जनवरी से 31 जनवरी 2024 तक सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोग्रन इकायेवाल मंदर युवाओं व वज्रपुरुषों द्वारा आयोजित हुआ। विस्तार सिविल निवासन एवं निवास रक्खनी पर युवाओंकी प्रक्रियाएँ और कार्यक्रमों की विवरण दिया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के काम में स्टार्टअप इकायेवाल मंदर, भैनेक स्टार्ट सिटी इकायेवाल मंदर वज्रपुरुषों में देखा गया अवसर एवं डिप्लोमा प्रोग्रामों की विवरण प्रदान किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के काम में स्टार्टअप इकायेवाल मंदर युवाओं द्वारा दिया गया अवसर एवं डिप्लोमा प्रोग्रामों की विवरण प्रदान किया।



### सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समाप्ति

नामदेव पाण्डे।

मुख्य अतिथि के काम में डिप्लोमा प्रोग्रामों की विवरण दिया। इस अवसर की विवरण दिया।

नामदेव पाण्डे।

नामदेव पाण्डे।

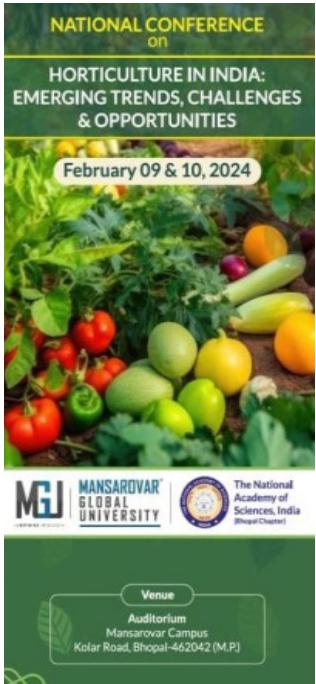


- कार्यशाला में यूजी और पीजी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सत्र (ऑनलाइन मोड) और पोस्टर प्रस्तुति सत्र सहित कार्यशाला के विभिन्न विषयों के 14 तकनीकी सत्र थे।
- गोदावरी स्वरोजगार केंद्र, नहदौरा, जिला छतरपुर, मध्य प्रदेश में 28–29 जनवरी, 2024 को 'मानव गतिविधियों का पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय शोध सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. वीरेन्द्र नाथ ने पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. कन्हैया त्रिपाठी, डॉ. बी.डी. अहिरवार और श्री हरिश्चंद्र पटेल ने विषय के विभिन्न संबंधित पहलुओं पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के कार्यकारी निदेशक और आयोजन सचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने समाज की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।



- 9 और 10 फरवरी, 2024 को मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल (म.प्र.) द्वारा 'भारत में बागवानी: उभरते रुझान, चुनौतियां और अवसर' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।





## मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में हॉटिकल्चर पर राष्ट्रीय समिनार आयोजित

का प्रसिद्धि। शोभा

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में हॉटिकल्चर पर राष्ट्रीय समिनार आयोजित हुआ है। यह एक बड़ा घटना है जो विदेशी और भारतीय हॉटिकल्चर के विकास के लिए बहुत अहम है।

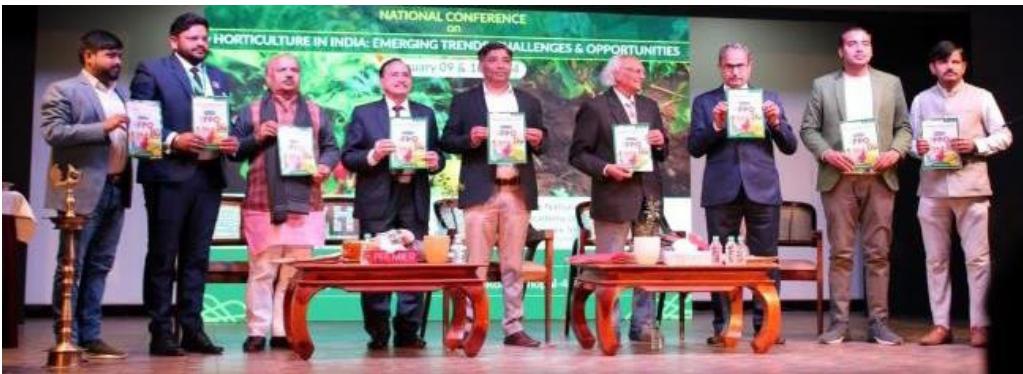
इस बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका विवरण देखें।



मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में हॉटिकल्चर पर राष्ट्रीय समिनार आयोजित हुआ है।

एक ऐसी घटना के दौरान लोगों और दूसरों के बीच विदेशी और भारतीय हॉटिकल्चर के विकास के बारे में बहुत अचूक बातें बातें होती हैं।

इस बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका विवरण देखें।



## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (27–28 फरवरी 2024)

- 1. बायो-रंगोली प्रतियोगिता 2. मॉडल प्रतियोगिता 3. वाद-विवाद प्रतियोगिता 4. निबंध प्रतियोगिता 5 ऑनलाइन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (27–02–2024)।
- आमंत्रित वक्ताओं द्वारा लोकप्रिय बातचीत (28–02–2024)



- 11–12 मार्च, 2024 को एकेएस विश्वविद्यालय, सतना (म.प्र.) के बेसिक साइंस संकाय में ‘सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति’ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें अमेरिका, सऊदी अरब, फिजी, तंजानिया और नेपाल जैसे देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में विविध प्रकार के शोध विषयों को प्रदर्शित किया गया और विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया गया। यह कार्यक्रम नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने और अंतःविषय अनुसंधान पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान अवसर के रूप में कार्य करता है।



- 22 मार्च, 2024 को डीआरआई, अयोगधाम चिट्रियाकूट, सतना में 'वर्मीकंपोस्टिंग, मशरूम, उत्पादन और कड़कनाथ मुर्गीपालन के माध्यम से उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला: विषय विशेषज्ञों द्वारा वर्मीकंपोस्टिंग, मशरूम उत्पादन और कड़कनाथ मुर्गीपालन प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास पर जागरूकता फैलाने के लिए कॉलेज के छात्रों के लिए विशेष रूप से कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन बिरादरी को संवेदनशील बनाने के लिए 'शबौद्धिक संपदा अधिकार' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एमजीसी जी विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना द्वारा 22–23 मार्च 2024 को किया गया।

**ग्रामोदय विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन**

# चंडीगढ़ चैप्टर

नासी—चंडीगढ़ चैप्टर की गतिविधियों को वर्ष 2023—24 के दौरान चार प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

1. नोबेल प्राइज सीरीज
2. प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान शृंखला
3. पैनल चर्चाएं
4. 2047 तक संस्थागत दृष्टिकोण

## प्राइज सीरीज

पहली श्रेणी नोबेल प्राइज सीरीज (04 ऑनलाइन व्याख्यान), दूसरी श्रेणी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान शृंखला (02 ऑनलाइन और 07 भौतिक मोड व्याख्यान), तीसरी श्रेणी पैनल चर्चाएं (02 ऑनलाइन), और चौथी श्रेणी 2047 तक के संस्थागत दृष्टिकोण (07 ऑनलाइन व्याख्यान) रही। पहले नोबेल प्राइज व्याख्यान का आयोजन 6 नवंबर 2023 को फिजियोलॉजी या मेडिसिन पर किया गया। इस वार्ता का शीर्षक था 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन—2023: एमआरएनए वैक्सीन: एक आशाजनक विचार'। प्रो. जावेद एन. अग्रेवाला, सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी रोपड़, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्तकर्ता (2005) मुख्य वक्ता थे, जबकि प्रो. हर्ष नैयर, निदेशक, अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, सम्मानित अतिथि थे।



Prof. Javed N. Agrewala  
FNASc, FNA, FASc  
Centre for Biomedical  
Engineering, IIT Ropar  
Shanti Swarup Bhatnagar  
Prize Awardee (2005)



Drew Weissman      Katalin Karikó



Prof. Harsh Nayyar  
Director Research &  
Development Cell  
Panjab University,  
Chandigarh

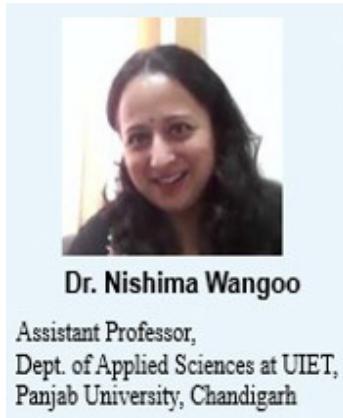


Prof. Pushpinder Syal  
Professor (Retd.),  
Dept of English & Cultural Studies  
Panjab University, Chandigarh.

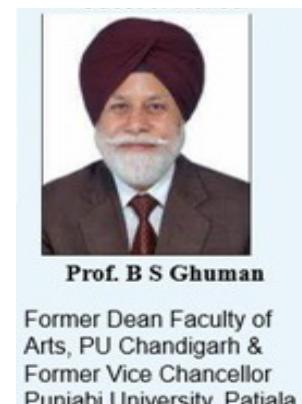
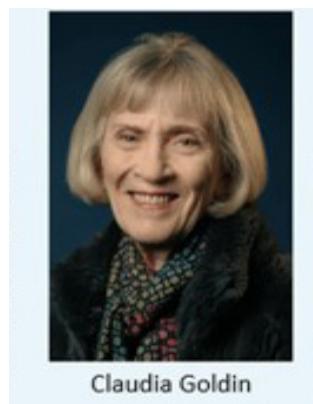
नोबेल प्राइज सीरीज के तहत दूसरा व्याख्यान साहित्य पर 20 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया। प्रो. पुष्पिंदर स्याल, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे। साहित्य में 2023 का नोबेल पुरस्कार नॉर्वेजियन लेखक जॉन फॉसे को उनके अभिनव नाटकों और गद्य के लिए प्रदान किया गया है, जो अनकहे को आवाज देते हैं। उनका विशाल साहित्यिक कार्य, जो नॉर्वेजियन न्यूनॉर्स्क भाषा में लिखा गया है और विभिन्न शैलियों में फैला हुआ है, इसमें नाटकों, उपन्यासों, कविता संग्रहों, निबंधों, बच्चों की किताबों और अनुवादों का एक समृद्ध संग्रह शामिल है।

तीसरा नोबेल प्राइज 2023 व्याख्यान रसायन विज्ञान पर 18 दिसंबर 2023 को आयोजित किया गया। रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार डॉ. निशिमा वांगू सहायक प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, यूआईईटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, मुख्य वक्ता थीं और प्रो. नवदीप गोयल, भौतिकी विभाग, और डीन, विज्ञान संकाय, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, सम्मानित अतिथि थे।

रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार मौंगी जी. बावेंडी, लुईस ई. ब्रस और अलेक्सी येकीमोव को क्वांटम डॉट्स की खोज और विकास के लिए प्रदान किया गया। ये छोटे कण अद्वितीय गुण रखते हैं और अब टेलीविजन स्क्रीन और एलईडी लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं। वे रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करते हैं और उनकी स्पष्ट रोशनी सर्जन के लिए ट्यूमर के ऊतकों को प्रकाशमान कर सकती है।

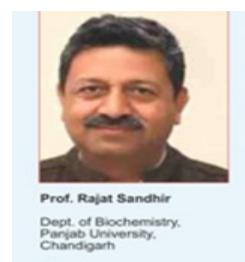


चौथा नोबेल पुरस्कार व्याख्यान अर्थशास्त्र 2023 पर 30 जनवरी 2024 को आयोजित किया गया। डॉ. उपिंदर साहनी, प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ इस व्याख्यान की मुख्य वक्ता थीं, जबकि प्रो. बी.एस. धुमान, पूर्व डीन, कला संकाय, पी.यू. चंडीगढ़ और पूर्व कुलपति, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, सम्मानित अतिथि थे।



## प्रख्यात वैज्ञानिकों की लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला

एक लोकप्रिय और अत्याधुनिक व्याख्यान 5 सितंबर 2023 को "शिक्षण और अनुसंधान में चौटजीपीटी" पर आयोजित किया गया। प्रो. रजत संधीर, जैव रसायन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, मुख्य वक्ता थे, जबकि प्रो. जय रूप सिंह, संस्थापक कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा और पूर्व कुलपति, जीएनडीयू, अमृतसर, और पूर्व अध्यक्ष, भारतीय मानव अनुवांशिकी सोसायटी, सम्मानित अतिथि थे।





**Prof. Jai Rup Singh,  
FIMSA, FAMS, FPAS**  
Founder Vice-Chancellor Central University  
of Punjab, India  
Former Vice Chancellor, GNDU, Amritsar,  
Honorary Professor, Panjab University,  
Chandigarh, Former President,  
Indian Society of Human Genetics

चौटजीपीटी एक शक्तिशाली भाषा मॉडल है जिसे ओपनएआई द्वारा विकसित किया गया है। यह शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए कई तरीकों से एक मूल्यवान उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। शिक्षक इसे नई तकनीकों के निर्माण, व्याख्यान योजना बनाने, एलोरिदम और डेटा संरचना तैयार करने, डेटा पुनः प्राप्त करने, व्यक्तिगत शिक्षण समर्थन, और त्वरित मूल्यांकन के लिए लाभ उठा सकते हैं। शोधकर्ताओं के लिए, यह शोध लेखन प्रक्रिया का समर्थन करने, त्रुटियों को सुधारने, व्याकरण संबंधी असंगतियों को सुधारने और सुधार रणनीतियों की सिफारिश करने में सहायक हो सकता है। यह प्रकाशित कार्यों और शोध विचारों को संक्षेप में प्रस्तुत करने में भी मदद कर सकता है।।



**Prof. Ajit Kembhavi**  
FNASC, FASc  
Former Director  
(IUCAA), Pune

एक और लोकप्रिय व्याख्यान 15 सितंबर 2023 को 'गैलीलियो से जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप तक' विषय पर आयोजित किया गया। प्रो. अजीत केम्बावी, पूर्व निदेशक, पुणे, मुख्य वक्ता थे। इस व्याख्यान में उन्होंने अंतरिक्ष में टेलीस्कोप बनाने की समस्याओं और समाधानों पर चर्चा की। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार सेगमेंटेड मिरर टेलीस्कोप कई दर्पणों के उपयोग से बेहतर उपकरण बना सकता है। उन्होंने भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बैंगलुरु में विकसित किए जा रहे टेलीस्कोप पर भी चर्चा की और आकाशगंगा केंद्र के वाइड-फील्ड रेडियो इमेजिंग और हबल स्पेस टेलीस्कोप के बारे में भी बताया।



**Prof. B. S. Dhillon**  
FNASC, FNA, FNAAS, FPAS  
Padma Shri Awardee (2019)  
Former VC PAU, Ludhiana  
Former Director, ICAR, NBPGR

28 अक्टूबर 2023 को एक विशेष व्याख्यान प्रसिद्ध डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पर आयोजित किया गया। प्रो. बी.एस. ढिल्लों, पदम श्री पुरस्कार विजेता (2019), पूर्व कुलपति, पीएयू, लुधियाना और पूर्व निदेशक, आईसीएआर, मुख्य वक्ता थे। मॉकोंबू संवासिवन स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को कुंभकोणम, तमिलनाडु में हुआ था। वे आलू, गेहूं और चावल से संबंधित अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध हैं। गेहूं पर उनके कार्य ने उन्हें वैशिक ख्याति दिलाई, और उन्हें "हरित क्रांति" के जनक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कई वैज्ञानिक निकायों की अध्यक्षता की और उन्हें टाइम्स द्वारा 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली एशियाई व्यक्तियों में से एक के रूप में

मान्यता दी गई।



**Prof. Ashok K. Singhvi**  
FNA, FASc, FNASC, FTWAS  
Former Vice-President, INSA  
SERB- Year of Science Chair Prof.  
Honorary Scientist  
Physicist turned Geoscientist

प्रो. अशोक के. सिंहवी, पूर्व उपाध्यक्ष, इन्सा और भौतिक विज्ञानी से भूवैज्ञानिक बने, ने विशेष व्याख्यानों की एक श्रृंखला दी। डॉ. ए.के. सिंहवी ने अपने व्याख्यान में हाइपरफाइन इंटरैक्शन, मॉसबॉयर स्पेक्ट्रोस्कोपी और न्यूक्लियर रिएक्शन पर चर्चा की। उन्होंने पीआरएल अहमदाबाद में थर्मोल्यूमिनेसेंस डेटिंग का उपयोग करके रेगिस्तान की रेत में तलछटी जमा का अध्ययन किया और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में फोर्ड फाउंडेशन फेलो के रूप में कार्य किया।

चौथा नोबेल पुरस्कार व्याख्यान अर्थशास्त्र 2023 पर 30 जनवरी 2024 को आयोजित किया गया। डॉ. उपिंदर साहनी, प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ मुख्य वक्ता थीं, जबकि प्रो. बी.एस. घुमान, पूर्व डीन, कला संकाय, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और पूर्व कुलपति, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, सम्मानित अतिथि थे।

## व्याख्यान 1: प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफल करियर नेविगेशन के सुझाव

इस व्याख्यान का उद्देश्य करियर पर केंद्रित छात्रों को उनकी क्षमता और रुचियों तक पहुंचने के लिए मार्गदर्शन करना था। उन्होंने छात्रों को अपने अंकों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ—साथ अपने जुनून पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। “हर क्षेत्र अच्छा है, बशर्ते आप उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करें”, यह उनका स्पष्ट संदेश था।

## व्याख्यान 2: भौविज्ञान के सामाजिक आयाम

वक्ता ने बायोटा के सामूहिक विलुप्त होने के कारणों और छठे सामूहिक विलुप्ति की संभावना पर चर्चा की। उन्होंने आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और स्थितियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सम्भावनाओं के क्रमिक पतन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों पर चर्चा की और उन्हें सरल चित्रणों के माध्यम से समझाया।

## व्याख्यान 3: वैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता और इसका अभ्यास

वक्ता ने नैतिकता पर अपनी पुस्तक ‘अनुसंधान में शिष्टाचार’ के प्रकाशन के संदर्भ में इस विषय पर एक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान विशेष रूप से युवा शिक्षकों के लिए आवश्यक महसूस किया गया, जो स्वतंत्र शोध करने और मार्गदर्शन करने के शुरुआती चरणों में होते हैं।

22 दिसंबर 2023 को प्रो. अपूर्व खरे, आईआईएससी बैंगलोर द्वारा “डिविसिबिलिटी टेस्ट” पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. खरे ने भारतीय गणित के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है और उन्हें 2022 का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

5 जनवरी 2024 को “सतत और लचीले भविष्य के लिए जलवायु-स्मार्ट कृषि” पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. शिबु जोस, एसोसिएट डीन, यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी, यूएसए, मुख्य वक्ता थे।

कृषि उद्यम को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें बदलती जलवायु और संबंधित चरम मौसम की घटनाएं शामिल हैं। जलवायु-स्मार्ट कृषि, तीन मुख्य लक्ष्यों जैसे कि स्थायी गहनता, बढ़ी हुई लचीलापन और कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन द्वारा संचालित, को बदलती जलवायु के प्रभावों को दूर करने के तरीकों में से एक के रूप में देखा जाता है। वर्तमान में अमेरिका में किसानों को जलवायु-स्मार्ट प्रथाओं को अपनाने के लिए आवश्यक संसाधन और उपकरण प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं जैसे कि संरक्षण जुताई, कवर फसल, पोषक तत्व प्रबंधन, धूर्णी चराई, कृषि वानिकी, डिजिटल और सटीक खेती, और जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए अन्य प्रथाएं।

यह प्रयास अमेरिका की जलवायु-स्मार्ट वस्तुओं के लिए बाजारों का विस्तार करेगा, जलवायु-स्मार्ट कमोडिटी उत्पादन के ग्रीनहाउस गैस लाभों का लाभ उठाएगा, और छोटे और अयोग्य उत्पादकों सहित उत्पादन कृषि को प्रत्यक्ष, सार्थक लाभ प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम से 60,000 से अधिक खेतों तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें 60 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक कार्बन को अनुक्रमित करने की क्षमता के साथ 25 मिलियन एकड़ से अधिक कामकाजी भूमि शामिल है। लगभग 100 विश्वविद्यालय इस प्रयास में शामिल हैं, जिनमें मिसौरी विश्वविद्यालय भी शामिल है।



## पैनल चर्चाएँ

'अधिक सद्भाव और समावेशिता की ओर' शीर्षक से पहली पैनल चर्चा 27 मई, 2023 को एचईआई परिसरों में आयोजित की गई थी। पैनलिस्टों ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के संबंध में उच्च शिक्षा संस्थानों के अपने संबंधित परिसरों के अपने अनुभव साझा किए। युवा छात्रों की समस्याएं और उनकी आकंक्षाएं कहीं भी समान हैं। उन्होंने छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से सद्भाव को कैसे संभाला और लाया, इसे साझा किया गया। दूसरी पैनल चर्चा 24 जनवरी, 2024 को ग्लोबल वार्मिंग पर आयोजित की गई थी। ग्लोबल वार्मिंग, भारत के लिए आगे की चुनौतियां और संभावित व्यावहारिक समाधान: एक पैनल चर्चा। पैनलिस्टों ने जलवायु परिवर्तन के कारणों, इसके पीछे के विज्ञान और मौसम में बदलाव की भविष्यवाणी, अपेक्षित आपदाओं की भविष्यवाणी करने और क्षति नियंत्रण संभावनाओं का अनुमान लगाने में भारत की ताकत के अलावा चुनौतियों पर चर्चा की। इसमें इस मुद्दे को कम करने की दिशा में सरकारी स्तर पर उठाए गए कदमों पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने आम आदमी को भी सलाह दी कि वे अपनी ओर से ग्रीनहाउस गैसों के उत्पादन को कम करके और आपदाओं से आत्म-सुरक्षा के तरीकों को विकसित करके सरकार के प्रयासों में सहयोग करें।

7 फरवरी 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के रसायन विभाग में डॉ. नित्य आनंद को श्रद्धांजलि देने के लिए एक स्मारक बैठक आयोजित की गई। डॉ. नित्य आनंद, एफएनए, पद्म श्री (2012) और विज्ञान रत्न पुरस्कार (2014) से सम्मानित, सीडीआरआई, लखनऊ के निदेशक (1974–84) और भारतीय फार्माकोपिया आयोग की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष (2005) थे। उनकी स्मृति में, 7 फरवरी 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय के परिसर में एक स्मारक बैठक आयोजित



श्री अशोक ठाकुर  
पूर्व सचिव उच्च शिक्षा  
एमएचआरडी, भारत  
सरकार

डॉ. गिरीश साहनी  
एफएनएससी, एफएनए  
पूर्व महानिदेशक  
सीएसआईआर  
(2015–18), पूर्व निदेशक,  
सीएसआईआर –  
आईएमटेक (2005–15)

प्रो. फुरकान गमार  
सेंटर फॉर मैनेजमेंट  
स्टडीज, जामिया  
मिलिया इस्लामिया  
विश्वविद्यालय, पूर्व वीसी।  
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय  
विश्वविद्यालय, धर्मशाला

डॉ.एस एस मंथा  
एआईसीटीई के पूर्व  
अध्यक्ष (2009–15)  
माना पेट स्टार्ट अप  
नॉलेज सेंटर, महाराष्ट्र  
सरकार के सीईओ

डॉ. मीना सिंह,  
निदेशक एम्स,  
ऋषिकेश

प्रोफेसर सुगुना  
सत्यमूर्ति, पूर्व छात्र  
सलाहकार, एसईआर  
मोहाली

की गई, जिसका वे एक पूर्व छात्र थे। 3 अप्रैल 2023 को एक और रोचक व्याख्यान "सीएसआईआर–सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (स्थापना 1959) की दृष्टि" पर आयोजित किया गया था, जिसे डॉ. एस. अनंथा रामकृष्ण,



निदेशक, सीएसआईआर—सीएसआईओ, चंडीगढ़ और एस.एस. भटनागर पुरस्कार विजेता (2016) ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. गिरीश साहनी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएसी, पूर्व महानिदेशक सीएसआईआर, पूर्व निदेशक इम्टेक, और भटनागर फेलो सम्मानित अतिथि थे।

7 फरवरी 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के रसायन विभाग में डॉ. नित्य आनंद को श्रद्धांजलि देने के लिए एक स्मारक बैठक आयोजित की गई। डॉ. नित्य आनंद, एफएनए, पद्म श्री (2012) और विज्ञान रत्न पुरस्कार (2014) से सम्मानित, सीडीआरआई, लखनऊ के निदेशक (1974–84) और भारतीय फार्माकोपिया आयोग की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष (2005) थे। उनकी स्मृति में, 7 फरवरी 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय के परिसर में एक स्मारक बैठक आयोजित की गई, जिसका वे एक पूर्व छात्र थे। 3 अप्रैल 2023 को एक और रोचक व्याख्यान “सीएसआईआर—सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (स्थापना 1959) की दृष्टि” पर आयोजित किया गया था, जिसे डॉ. एस. अनंथा रामकृष्ण, निदेशक, सीएसआईआर—सीएसआईओ, चंडीगढ़ और एस.एस. भटनागर पुरस्कार विजेता (2016) ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. गिरीश साहनी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएसी, पूर्व महानिदेशक सीएसआईआर, पूर्व निदेशक इम्टेक, और भटनागर फेलो सम्मानित अतिथि थे।

प्रतिनिधियों ने डॉ. नित्य आनंद की दृष्टि की सराहना की और बात की, जिन्होंने मापन विज्ञान और नवोन्मेषी उपकरण प्रौद्योगिकी के विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो रणनीतिक और सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी है; उन्नत उपकरणों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और मानव संसाधन विकास प्रदान करना और उपकरण विज्ञान के क्षेत्र में वैशिक खिलाड़ी के रूप में उभरना।



Prof. Ashok K. Ganguli  
FNASC, FASc, FRSC  
Former Deputy Director,  
IIT Delhi Founding Director  
INST Mohali

“आईएनएसटी मोहाली (स्थापना 2013) की दृष्टि” पर एक अत्याधुनिक व्याख्यान 29 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया था। डॉ. अमिताभ पाटरा, एफएनएएस, एफआरएससी, निदेशक, आईएनएसटी मोहाली मुख्य वक्ता थे, जबकि प्रो. अशोक के. गांगुली, एफएनएएस, एफएएस, एफआरएससी, पूर्व उप निदेशक, आईआईटी दिल्ली और संस्थापक निदेशक, आईएनएसटी मोहाली सम्मानित अतिथि थे।

“शिवक प्रतिस्पर्धा में भारत का अग्रणी शोध संस्थान बनने और कृषि, चिकित्सा, ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के माध्यम से समाज में योगदान देने की दिशा में अग्रसर होना।

“आईआईटीरोपड़ (स्थापना 2008) की दृष्टि” पर एक विशेष व्याख्यान 11 मई 2023 को आयोजित किया गया। प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ मुख्य वक्ता थे, जबकि प्रो. रेणु विंग, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और सीआरआईकेसी की अध्यक्ष सम्मानित अतिथि थीं।

इस सहस्राब्दी में जन्मे प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में एक नया मानदंड स्थापित करने के उद्देश्य से। यह एक परिवर्तनकारी शिक्षण वातावरण और उत्कृष्टता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के मिशन के साथ है, जो ज्ञान के सृजन और सामाजिक रूप से जिम्मेदार, उद्यमशील नेताओं के विकास को सक्षम बनाता है, जो राष्ट्रीय प्रगति और मानवता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

इस शृंखला में एक और व्याख्यान “संस्थागत दृष्टि 2047 तक” विषय पर 1 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया, जिसमें “एमिटी यूनिवर्सिटी पंजाब, मोहाली (स्थापना 2021) की दृष्टि” पर चर्चा की गई। प्रो. आर. के. कोहली,



Dr. Amitava Patra  
FNASC, FRSC  
Director, INST Mohali

एफएनएएस, एफआरएस—बी, एफआरएस—सी, एफएनए, एफएएस, एफएनएएस, एफपीएएस, कुलपति, एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली मुख्य वक्ता थे, जबकि प्रो. जय रूप सिंह, फिसा, एफएएमएस, एफपीएएस, संस्थापक कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा और पूर्व कुलपति, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब विश्वविद्यालय के मानद प्रोफेसर और भारतीय मानव अनुवांशिकी सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष सम्मानित अतिथि थे।



नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान

### ● एमिटी यूनिवर्सिटी पंजाब, मोहाली (स्थापना 2021) का दृष्टिकोण



**Prof. RK Kohli**  
FNASc, FRS-B, FRS-C,  
FNA, FASc, FNAAS, FPASc,  
Chairman

मोहाली में स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी पंजाब एक बहु-विषयक विश्वविद्यालय है, जो यूजी, पीजी और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है। यह उत्कृष्ट उच्च शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति समर्पित एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बनने का लक्ष्य रखता है और सर्वोत्तम वैज्ञानिक सोच वाले मानव संसाधन विकसित करना चाहता है, जो अनंत ज्ञान की खोज में संलग्न हों। इसका उद्देश्य रचनात्मक प्रवृत्तियों को सक्रिय करना, स्वतंत्र सोच को प्रेरित करना, जिज्ञासु दिमागों का विकास करना और ईमानदारी, नैतिकता, मानवाधिकारों का सम्मान और समाज के वंचित वर्गों के प्रति गहरी चिंता की भावना को पोषित करना है। यह सर्वोच्च बौद्धिक पूँजी का निर्माण करने का और एमिटी यूनिवर्सिटी पंजाब को एक विश्वसनीय और सुलभ समाधान केंद्र बनाने का इरादा रखता है, जो मानव जाति की समस्याओं को हल करने के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को शामिल करके उन्नत अनुसंधान आयोजित करेगा।



**Prof. Jai Rup Singh**  
FIMSA, FAMS, FPAS  
Founder Vice Chancellor Central University  
of Punjab, Bathinda,  
Former Vice Chancellor, GNDU, Amritsar,  
Honorary Professor, Panjab University,  
Chandigarh, Former President,  
Indian Society of Human Genetics

एक अन्य रोचक व्याख्यान प्रोफेसर धीरेज संघी, कुलपति, जे. के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 22 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया था। यह व्याख्यान "जे. के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय (स्थापना 2011) की दृष्टि" विषय



पर आधारित था। इस व्याख्यान में सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. संजीव सोफट, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (मानित विश्वविद्यालय) चंडीगढ़ से थे। जेकेएलयू भारत के सबसे नवाचारपूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक बनने का लक्ष्य रखता है, क्योंकि शिक्षा एक निरंतर प्रक्रिया है और शैक्षणिक उत्कृष्टता जीवन

का एक तरीका है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, हम महसूस करते हैं कि छात्रों को न केवल नौकरी के लिए तैयार करना, बल्कि भविष्य के लिए तैयार करना भी जरूरी है, उन्हें नई युग की जीवन कौशल से सशक्त बनाकर।

एक अन्य रोचक व्याख्यान “एनएबीआई और सीआईएबी (स्थापना 2010) की दृष्टि” पर 29 जुलाई 2023 को प्रस्तुत किया गया था। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अश्विनी पारीक, एफएनए, एफएनए, एफएनएस, कार्यकारी निदेशक,



Prof. Sanjeev Sofat

Dept. of Computer Science & Engineering  
Punjab Engineering College  
(Deemed to be University) Chandigarh

### लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय जेकेएलयू ज्ञानम् अमृतम्

नेशनल एग्री-फूड बायोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, मोहाली थे, जबकि सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. राकेश तुली, एफएनए, एफएनए, एफएनएएस, पूर्व वरिष्ठ अनुसंधान सलाहकार एवं जे. सी. बोस फेलो, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और कार्यकारी निदेशक, नाबीथे। नाबी का लक्ष्य खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से उत्कृष्टता का केंद्र बनना और नेतृत्व प्रदान करना है।

## चेन्नई चैप्टर

चेन्नई—चैप्टर ने “विज्ञान और समाज” के तहत विज्ञान और समाज गतिविधियों का आयोजन किया। कई मामलों में, चेन्नई गणित संस्थान और गणितीय विज्ञान संस्थान ने इन कार्यक्रमों का सह-प्रायोजन किया।

### गणित में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण

“गणित में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण” कार्यक्रम वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम मूल रूप से यूजी-III वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जैसे प्रो. सुरजीत कुमार (आईआईटी—एम), प्रो. जी. पी. युवराज (रिटायर्ड) और प्रो. के. एन. राघवन, जिन्होंने अनुक्रम और श्रृंखला, संमिलन और असंमिलन, रैखिक समीकरणों के प्रणालियों के समाधान जैसे विषयों पर पंद्रह सत्रों का संचालन किया। इस सत्र में विभिन्न कॉलेजों के 50 छात्रों ने भाग लिया।

### व्याख्यान कार्यक्रम

चेन्नई गणित संस्थान, चेन्नई में 14 और 15 जुलाई 2023 को एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सीएमआई में कक्षा XI और XII के छात्रों के लिए कुल छह व्याख्यान आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के पहले दिन (14 जुलाई 2023), प्रो. शैलेन्द्र स्वामीनाथन, क्रिया विश्वविद्यालय ने “आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक गतिशीलता के दृष्टिकोण से मानव मस्तिष्क और मन को समझना” पर बात की, प्रो. सिताभ्र सिन्हा, आईएमएसने “शून्य से एक जानवर कैसे बनाएं” विषय पर व्याख्यान दिया, और प्रो. अमित कुमार सिन्हाबाबू, सीएमआईने “गणनाओं के सुख और दर्द” पर चर्चा की। दूसरे दिन (15 जुलाई 2023), प्रो. माधवन मुकुंद, सीएमआई ने “क्या स्टोकेस्टिक तोते दुनिया पर कब्जा कर लेंगे?” पर व्याख्यान दियाय प्रो. तरुण सौरदीप, आरआरआईने “लीगो—इंडिया: घरेलू विज्ञान में सीमांत मेगा—विज्ञान” पर चर्चा की, जबकि प्रो. विश्वनाथन के. एस., क्रिया विश्वविद्यालय ने “रसायन विज्ञान का अध्ययन कैसे करें” पर अपने विचार साझा किए। चेन्नई और उसके आसपास के विभिन्न स्कूलों के लगभग 50 छात्रों ने व्याख्यान सत्रों में भाग लिया।

### वैज्ञानिक सत्र

अध्याय ने 14 अक्टूबर 2023 को सांकरा विद्यालय मैट्रिकुलेशन स्कूल, तांबरम में एक वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया। सत्र का संचालन प्रो. एच. एस. मणि ने किया। खगोल विज्ञान पर सरल और बुनियादी सवालों पर चर्चा की गई। सत्र लगभग 2 घंटे चला। इस कार्यक्रम में विभिन्न सांकरा स्कूलों के कुल 60 छात्रों ने भाग लिया।

### गणित में तीसरा शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

अध्याय ने 07–20 दिसंबर 2023 को मद्रास विश्वविद्यालय के आरआईएसएम में शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (तीसरा) आयोजित किया। विभिन्न संस्थानों के कुल 13 संसाधन व्यक्तियों ने संख्या सिद्धांत, बीजगणित, अवकल समीकरण, जटिल विश्लेषण, रेखीय बीजगणित और वास्तविक विश्लेषण जैसे विषयों पर दस सत्र आयोजित किए। चेन्नई और उसके आसपास के विभिन्न कॉलेजों और वैज्ञानिक/अनुसंधान संस्थानों के कुल 35 छात्रों ने व्याख्यान

सत्रों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रो. राजीव करंडिकर, प्रो. आर. बालसुब्रमण्यम, प्रो. जी. अरुण कुमार, प्रो. अनिर्बन मुखोपाध्याय, प्रो. कृष्ण हनुमथु, प्रो. सत्यजीत रॉय, प्रो. आर. सहादेवन, प्रो. के. पार्थसारथी, प्रो. अमृतांशु प्रसाद, प्रो. सौमेन सरकार, प्रो. जी. पी. युवराज, प्रो. एस. सुंदर, और प्रो. जया अच्युरजैसे प्रमुख वैज्ञानिक उपस्थित थे, जो कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे।

## स्नातक गणित पर कार्यशाला

अध्याय ने 14–16 दिसंबर 2023 को वीआईटी, वेल्लोर में बेसिक स्नातक गणित पर कार्यशाला आयोजित की। विभिन्न संस्थानों के प्रमुख वैज्ञानिकोंधसंसाधन व्यक्तियों ने जटिल विश्लेषण, बीजगणित, साधारण अवकल समीकरण जैसे विषयों पर पंद्रह सत्र आयोजित किए। वेल्लोर और उसके आसपास के कॉलेजों के कुल 56 स्नातक (तीसरे वर्ष) छात्रों ने व्याख्यान सत्रों में भाग लिया। प्रो. सी. जी. वेंकटसुब्रमण्यम, प्रो. जी. पी. युवराज, प्रो. के. एन. राघवनऔर प्रो. थिरुपति गुडी प्रमुख संसाधन व्यक्ति थे।

## बीजगणित, विश्लेषण और संख्या सिद्धांत (वांट-2024)

अध्याय ने 25–27 जनवरी 2024 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान में एक कार्यक्रम वांट-2024 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बीजगणित, विश्लेषण और संख्या सिद्धांत में प्रयुक्त अवधारणाओं पर केंद्रित था। विभिन्न संस्थानों के चार संसाधन व्यक्तियों ने जटिल विश्लेषण, बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण और संख्या सिद्धांत जैसे विषयों पर बारह सत्र आयोजित किए। विभिन्न कॉलेजों के कुल 50 छात्रों ने व्याख्यान सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संसाधन व्यक्तियों में प्रो. आर. बालसुब्रमण्यम, प्रो. जी. पी. युवराज, प्रो. के. एन. राघवनऔर प्रो. पी. वीरमणि शामिल थे।

## भौतिकी दिवस

अध्याय ने चेन्नई गणितीय संस्थान में भौतिकी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में चेन्नई और उसके आसपास के विभिन्न स्कूलों के 6वीं से 8वीं कक्षा के कुल 50 छात्रों ने भाग लिया। बाहरी विशेषज्ञ श्रीमती लिशा ने छात्रों को दूरबीन निर्माण गतिविधि में संलग्न किया। डॉ. डिंपलने 'भारत की दूरबीनें' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

## विज्ञान दिवस

अध्याय ने चेन्नई गणितीय संस्थान में विज्ञान दिवस मनाया। कक्षा XI और XII के स्कूल छात्रों के लिए सीएमआई में विज्ञान पर तीन व्याख्यान और 'करियर मार्गदर्शन' पर एक वार्ता आयोजित की गई। प्रो. सिद्धि पाठक, सीएमआईने '8डी में सबसे घनी गोला पैकिंग' पर बात की, प्रो. एस. पी. सुरेश, सीएमआईने 'प्रोग्रामिंग और 'लोक' पर चर्चा की, डॉ. डिंपल, सीएमआईने 'खगोल विज्ञान में इमेजिंग और फोटोमेट्रिक उपकरण' पर बात की, जबकि प्रो. उषा महादेवन, सीएमआईऔर श्री वी. रघु, बाहरी विशेषज्ञों ने 'करियर मार्गदर्शन' पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में चेन्नई और उसके आसपास के विभिन्न स्कूलों के 6वीं से 8वीं कक्षा के कुल 100 छात्रों ने भाग लिया।

## **डिंडीवनम थाई तमिल स्कूल विज्ञान और गणित कार्यशाला**

अध्याय ने 17 फरवरी 2024 को डिंडीवनम थाई तमिल स्कूल में 'विज्ञान और गणित कार्यशाला' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विज्ञान और गणित पर चार सत्र शामिल थे। डॉ. सुबैया पांडी, मद्रास विश्वविद्यालय (रिटायर्ड) ने 'प्रदर्शन के माध्यम से विज्ञान सीखना' पर बात की और दो सत्र आयोजित किए। डॉ. आर. सिवरामन, डी. जी. वैष्णव कॉलेज, ने 'कलिप्पूटुम गणितम' विषय पर दो सत्र आयोजित किए। डिंडीवनम और उसके आसपास के 12 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के 7वीं, 8वीं और 9वीं कक्षा के कुल 70 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

## **'स्कूल के बच्चों में वैज्ञानिक मिथकों को दूर करना' पर कार्यक्रम**

अध्याय ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के साथ मिलकर फरवरी और मार्च 2024 के महीनों में 'स्कूल के बच्चों में वैज्ञानिक मिथकों को दूर करना' पर छह कार्यक्रम आयोजित किए। इन गतिविधियों को सीएमआई, चेन्नई द्वारा प्रायोजित किया गया। जागरूकता शिविर सात सरकारी स्कूलों में आयोजित किए गए। प्रो. वी. मधुरीमा, प्रो. काव्या बक्का, प्रो. के. बिजु, श्रीमती वरुषा वेणुगोपालन, श्रीमती स्वाति पी. वी., श्रीमती रुग्मिनी आर. और श्री ए. सुल्तान इब्राहिम कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे।

# जम्मू चैप्टर

जम्मू चैप्टर द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईः

## विश्व पर्यावरण दिवस

अध्याय ने 05 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम जम्मू विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया। इसके अलावा, मुख्य विषय पर एक इंटरैक्टिव व्याख्यान और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी इस अवसर पर आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और अन्य कॉलेजों के कर्मचारियों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। पांच विभागों के पीजी छात्रों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।



## चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग (25 अगस्त 2023)

चंद्रयान-3 मिशन की असाधारण सफलता का जश्न मनाने के लिए स्थानीय अध्याय द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पूरी तरह से पीजी छात्रों और शोधकर्ताओं द्वारा तैयार और संगठित किया गया था। इस कार्यक्रम



में इसरो के बारे में सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गई। एक वृत्तचित्र फ़िल्म प्रदर्शित की गई और इसे दिखाया गया। छात्रों ने अंतरिक्ष अन्वेषण में हमारे देश की वैज्ञानिक क्षमताओं के बारे में अपने विचार साझा किए और भविष्य की अपेक्षाओं के बारे में सुझाव भी दिए। इस कार्यक्रम को जम्मू विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. वीणु कौल ने भी संबोधित किया।



## কোলকাতা চেপ্টর

- নাসী ও ইন্সা—কোলকাতা চেপ্টর এবং পীপল্স এসোসিএশন ফাঁর সাইন্স এন্ড এনবায়রনমেন্ট নে সংযুক্ত রূপ সে তীন ব্যাখ্যান ও কর্দ ছাত্র গতিবিধি কার্যক্রমে কা আয়োজন কিয়া।
- ডঁ. চিত্রা মণ্ডল, ডঁ. অমিত ঘোষ, ডঁ. হেমতা কে. মজুমদার ও ডঁ. অশোক কাংতি সান্ধ্যাল নে মুখ্য বিষয় ‘এক সতত ভবিষ্য কে লিএ বিজ্ঞান ও প্রৌদ্যোগিকী’ পর চৰ্চা কীয় উন্হেনে ‘প্ৰো. সী বী রমন কে জীৱন কা এক রেখাচিত্ৰ’ বিষয় পৰ ভী অপনে বিচাৰ সাজ্জা কিএ।
- ইস কার্যক্ৰম মেং ইস কোলেজ ও আসপাস কে বাংগালী মাধ্যম সৱকাৰী স্কুলোঁ কে 150 সে অধিক ছাত্র ও শিক্ষক ভাগীদাৰ বনে।

### নাসী দ্বাৰা 2022 মেং স্বীকৃত বিজ্ঞান-সংবৰ্ধন কার্যক্ৰম পৰ রিপোর্ট

কার্যক্ৰম বিবৰণ	পী.আই./সহ পীআই/সমন্বযক	রাশি (₹)	স্থিতি
নৰম খিলৌনে কী তৈয়াৰী, জংক আইটম সে গহনে, অপশিষ্ট প্লাস্টিক বৈগ কা উপযোগ কৰ সজাবটী সামগ্ৰী	পীআই— শ্ৰীমতী মৈত্ৰী ডে সমন্বযক— ডঁ. এচ কে. মজুমদার ও ডঁ. চিত্রা মণ্ডলয সলাহকাৰ: ডঁ. অমিত ঘোষ	1.75 লাখ	পূৰা কিয়া
কচ্চে ফলোঁ/সবজিয়োঁ কা কটাৰ্ড পশ্চাত প্ৰবণ্ধন, প্ৰসংস্কৰণ ওৰ ভণ্ডারণ	পীআই— ডঁ. অনিমেষ নৰকৰ, প্ৰফেসৱ সৌৱ বকসী (স্থানীয় সাইট পৰ পীআই) সমন্বযক— ডঁ. এচ. কে. মজুমদার ও ডঁ. চিত্রা মণ্ডলয সলাহকাৰ: ডঁ. অমিত ঘোষ	1.75 লাখ	পূৰা কিয়া
2 সৰ্বাঙ্গিক কেঁসৱ কা শীঘ্ৰ পতা লগানে কে লিএ গ্ৰামীণ সুবিধা প্ৰাপ্ত মহিলাওঁ কী গৰ্ভাশয় গ্ৰীবা কী জাংচ ওৰ উনকা অনুৰ্বৰ্তী অধ্যয়ন	পীআই— ডঁ. রামদাস চৰ্টজি ও ডঁ আৱ কে মণ্ডল, চিতৰংজন নেশনল কেঁসৱ ইঞ্টীটচুট, কোলকাতা সমন্বযক: ডঁ. এচ কে. মজুমদার ও ডঁ চিত্রা মণ্ডল, সলাহকাৰ: ডঁ. অমিত ঘোষ	3.85 লাখ	1.75 লাখ
সুন্দৰবন ক্ষেত্ৰ মেং প্ৰাকৃতিক আপদাওঁ সে তবাহ হুए বংচিত লোগোঁ কী আজীবিকা বিকাস কার্যক্ৰম	পীআই— ডঁ. টী কে. গিৰি সমন্বযক— ডঁ. এচ. কে. মজুমদার ও ডঁ. চিত্রা মণ্ডলয সলাহকাৰ: ডঁ. অমিত ঘোষ	3.85 লাখ	1.75 লাখ

ইন চাৰ কাৰ্যশালাওঁ কে সহী কাৰ্যান্বয়ন ওৰ তীন নে প্ৰজেক্টস কী তৈয়াৰী ওৰ প্ৰস্তুতিকৰণ কে লিএ কৰ্দ কাৰ্যকাৰী সমিতি কী বৈঠকেঁ আয়োজিত কী গई। সভী বৈঠকোঁ/কাৰ্যক্ৰমে নাসী—কোলকাতা চেপ্টর কে সলাহকাৰ ডঁ. অমিত ঘোষ নে শিৱকত কী ওৰ কাৰ্যক্ৰমে কো লাগু কৰনে কে লিএ অপনে মূল্যবান সুজ্ঞাব দিএ।

## भविष्य की कुछ गतिविधियों की योजना (2024–2025)

- कम से कम 4 जिलों और स्थानीय स्कूलों में आउटरीच कार्यक्रम
- कैंसर जागरूकता कार्यक्रम
- महिला शिक्षा कार्यक्रम
- विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव
- विश्व जल दिवस का पालन
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस



# लखनऊ चौप्टर

चौप्टर

प्टर ने नासी के मिशन को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक जागरूकता को समाज में प्रगति का उत्प्रेरक बनाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। आउटरीच पहल, शैक्षिक कार्यक्रमों, अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रमों, और विविध हितधारकों के साथ जुड़ाव के माध्यम से हमारा प्रयास एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना है जो वैज्ञानिक जांच और साक्ष्य-आधारित सोच को महत्व देती है, जिससे एक अधिक सूचित, लचीला, और न्यायसंगत समाज का निर्माण हो सके।

## विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज – लखनऊ चौप्टर ने वनस्पति विज्ञान विभाग, फिरोज गांधी कॉलेज, रायबरेली के सहयोग से 5 जून 2023 को ‘बिट प्लास्टिक पॉलीउशन’ थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राणीशास्त्र विभाग की डॉ. दुनीरा भदौरिया द्वारा स्वागत भाषण से हुआ, इसके बाद वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. अनिल कुमार द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर एक परिचयात्मक व्याख्यान दिया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. प्रमोद टंडन ने नासी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और विज्ञान जागरूकता की दिशा में समाज के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने मानवता के लिए टिकाऊ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि मानव स्वास्थ्य और कल्याण एक स्वस्थ और स्थायी पर्यावरण पर निर्भर करता है। मुख्य वक्ता, डॉ. सुचित्रा बनर्जी, नासी लखनऊ चौप्टर की सचिव ने ‘प्लास्टिक की यात्रा: आविष्कार से प्रदूषण तक – वर्तमान सहमति और भविष्य की प्रवृत्तियों’ पर एक व्यापक व्याख्यान दिया। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए प्लास्टिक



फिरोज गांधी कॉलेज, रायबरेली में विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव

कचरे को कम करने, पुनर्चक्रण और नियंत्रित करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, नासी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी. पी. काम्बोज ने अपने समापन संबोधन में जल संरक्षण और इसके विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया, ताकि जल संकट से पर्यावरण को बचाया जा सके। डॉ. काम्बोज ने आने वाली पीढ़ियों के सामने जल संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित किया। विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान एक मॉडल/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें पीजी और यूजी छात्रों द्वारा कुल 31 प्रस्तुतियाँ दी गईं। जजिंग पैनल में प्रो. वीना टंडन और डॉ. सुचित्रा बनर्जी ने शामिल होकर आयुष्मानी के एमएससी-IV-सेमेस्टर समूह के मॉडल को 'बिट प्लास्टिक पॉलीउशान' थीम पर प्रथम पुरस्कार से नवाजा। दूसरे और तीसरे पुरस्कार क्रमशः एमएससी II की छात्रा उम्मे आइमेन और बीएससी प्ट के छात्र अभय मिश्रा को पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए दिए गए। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक कॉलेज के शिक्षक और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

## सी.बी. गुप्ता कृषि पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में 'विज्ञान और समाज' पर आयोजित कार्यक्रम

यह कार्यक्रम नासी लखनऊ चैप्टर और सी.बी. गुप्ता कृषि पी.जी. कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से 5 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई, इसके बाद सरस्वती माता और कॉलेज संस्थापक के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कॉलेज अध्यक्ष डॉ. फिदा हुसैन अंसारी ने मुख्य वक्ता और अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी ने नासी के छात्रों और शिक्षकों के बीच विज्ञान को बढ़ावा देने के प्रयासों पर चर्चा की। प्रो. प्रमोद टंडन ने 'बायोइकोनॉमी, बायोरिसोर्सेस और उद्यमिता' पर एक व्यापक व्याख्यान दिया,



सी.बी. गुप्ता कृषि पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में विज्ञान और समाज कार्यक्रम

जिसमें नवाचार, स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच अंतर्संबंधों पर चर्चा की गई। उन्होंने जैव संसाधनों का उपयोग करके मूल्य निर्माण, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरणीय स्थिरता जैसी वैशिक चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया। व्याख्यान के बाद एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ। डॉ. ऋषि शंकर ने 'उद्यमिता में चुनौतियाँ' विषय पर बात की, जिसमें अनिश्चितता से निपटने, धन जुटाने, बाजार प्रतिस्पर्धा, विकास प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन पर चर्चा की गई। इन व्याख्यानों ने छात्रों में उद्यमिता के प्रति रुचि और उत्साह जगाया और उन्हें नवाचार के अवसरों का पता लगाने और आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन श्री एस.पी. सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में 165 छात्र प्रतिभागी और 35 शिक्षक और अतिथि शामिल थे।

### जीन संवर्धित फसलों: कृषि का भविष्य' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ में 18 अगस्त, 2023 को 'एक सप्ताह-एक लैब कार्यक्रम' के हिस्से के रूप में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे लखनऊ विश्वविद्यालय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय और बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुल 35 छात्रों ने इसमें भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन राउंड थे: दो प्रारंभिक राउंड 12 और 16 अगस्त, 2023 को आयोजित हुए, जिसमें 21 प्रतिभागी फाइनल के लिए चयनित हुए। प्रारंभिक राउंड के जूरी में डॉ. अरविंद जैन, डॉ. मेहर एच. आसिफ, और डॉ. देबासिस चक्रवर्ती, जो सीएसआईआर-एनबीआरआईके वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक हैं, शामिल थे। अंतिम राउंड 18 अगस्त, 2023 को



सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ में नासी वाद-विवाद प्रतियोगिता

सीएसआईआर—एनबीआरआईसभागार में हुआ, जहां ‘जीन संवर्धित फसलों: कृषि का भविष्य’ पर वाद-विवाद हुआ और प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष में तर्क प्रस्तुत किए। पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रो. प्रमोद टंडन के नेतृत्व वाली जूरी, जिसमें डॉ. हुमा मुस्तफा और डॉ. सुमित घोष जैसे विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शामिल थे, द्वारा किया गया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र मिले और पुरस्कार वितरण समारोह 19 अगस्त को आयोजित हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि थे। वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता थे:

- विदुषी तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालयः प्रथम स्थान
- शताक्षी शुक्ला, महिला विद्यालय और सोनाली सेठ, लखनऊ विश्वविद्यालयः द्वितीय स्थान (संयुक्त)
- नीथू सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालयः तृतीय स्थान

प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले विजेताओं को क्रमशः ₹4500, ₹2000 और ₹1500 के नकद पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम का समन्वयन सीएसआईआर—एनबीआरआईके मुख्य वैज्ञानिक डॉ. विदु साने द्वारा किया गया।

## विज्ञान प्रसार एवं प्रचार कार्यक्रम

नासी लखनऊ चौप्टर द्वारा विज्ञान प्रसार एवं प्रचार कार्यक्रम 5 सितंबर, 2023 को ग्राम और पोस्ट—बाओली, जिला जालौन स्थित श्री बद्री प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ‘अभिलाषा’ संगठन द्वारा अक्षय जीवन अस्पताल के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती और मां सरस्वती की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई। श्री बद्री प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती कल्पना महेश्वरी ने पद्मश्री से सम्मानित प्रो. प्रमोद टंडन, नासी लखनऊ चौप्टर के अध्यक्ष, डॉ. आर. डी. त्रिपाठी, नासी लखनऊ चौप्टर के सलाहकार और वरिष्ठ एंटोमोलॉजिस्ट डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी का परिचय दिया। प्राचार्या ने ग्रामीण क्षेत्रों में कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के संगठन के समर्पण पर भी जोर दिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर, प्रो. टंडन ने भारत रत्न से सम्मानित सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया, जो एक प्रसिद्ध भारतीय राजनेता, दार्शनिक और शिक्षाविद थे। राधाकृष्णन ने 1962 से 1967 तक भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया और 1952 से 1962 तक पहले उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वे तुलनात्मक धर्म और दर्शनशास्त्र के एक प्रतिष्ठित विद्वान् थे और उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित शैक्षणिक पदों पर कार्य किया। 1962 से, उनके जन्मदिन को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रो. टंडन ने ‘आत्मनिर्भरता और उद्यमिता: युवाओं की भूमिका’ पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बायोरिसोर्स का उपयोग करने पर चर्चा की, जो सतत कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, और स्वास्थ्य देखभाल में नवाचारों को बढ़ावा देते हुए उद्यमिता के अवसर प्रदान करते हैं और आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। डॉ. आर. डी. त्रिपाठी ने विज्ञान की भूमिका पर चर्चा की, जिसमें उन्होंने आर्सेनिक के कैंसर और दवा में दोहरे उपयोग का उल्लेख किया और आर्सेनिक से दूषित भूमि को डिटॉक्सीफाई करने वाले चावल की एक किस्म का उदाहरण दिया। डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी ने मच्छर जनित रोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपचार से अधिक रोकथाम की वकालत की और इन रोगों के उन्मूलन में विज्ञान की सीमाओं को स्वीकार किया। डॉ. जितेंद्र महेश्वरी, ‘अभिलाषा’ के महासचिव ने सभी विशेषज्ञों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक बालिकाओं ने भाग लिया।

## विज्ञान जागरूकता और संचार कार्यक्रम

विज्ञान जागरूकता और संचार पर एक कार्यक्रम 7 दिसंबर, 2023 को कलिचरन पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में आयोजित किया गया। कॉलेज के विज्ञान विभागों के समन्वयक ने नासी लखनऊ चौप्टर के अतिथियों का स्वागत किया। कॉलेज के प्रबंधक इं. वी. के. मिश्रा ने कहा कि कलिचरन पी.जी. कॉलेज छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक अनुभव और समर्थन सेवाएं प्रदान करता है, जिससे सफल डिग्री प्राप्ति और कौशल दक्षता सुनिश्चित होती है। प्रबंधन और संकाय छात्रों की अकादमिक और करियर सफलता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सोच, प्रभावी संचार, रचनात्मकता, और सांस्कृतिक जागरूकता को पोषित करते हैं। प्रो. प्रमोद टंडन, नासी लखनऊ चौप्टर के अध्यक्ष ने श्रोताओं को नासी के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी, जिसमें वैज्ञानिक परियोजनाओं को बढ़ावा देना, महत्वपूर्ण वैज्ञानिक परियोजनाओं को लेना, वैज्ञानिक पुस्तकालयों का प्रबंधन और नदी दीर्घाओं की स्थापना शामिल है। प्रो. वीना टंडन, नासी की मानद वैज्ञानिक ने वक्ताओं का परिचय दिया, जिनमें प्रो. रमेश शर्मा और डॉ. मानवेन्द्र त्रिपाठी शामिल थे। प्रो. शर्मा ने 'पोषण और दीर्घायु में इसकी भूमिका' विषय पर बात की और बुढ़ापे में स्वयं का स्वरूप बनाए रखने में पोषण की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि अधिक खाने के परिणामस्वरूप मोटापा और अन्य जीवनशैली से



कलिचरन पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में विज्ञान जागरूकता और संचार कार्यक्रम

संबंधित रोग कैसे होते हैं। डॉ. त्रिपाठी ने 'डेंगू और उसकी रोकथाम' पर व्याख्यान दिया। मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, जीका, और चिकनगुनिया जो एडीस मच्छरों द्वारा फैलते हैं, तेजी से बढ़ रहे हैं। इन मच्छरों का शहरी क्षेत्रों में प्रजनन और दिन के समय काटने का व्यवहार होता है। शहरी मलेरिया वाहक जैसे अनोफेल्स स्टीफेन्सी को नियंत्रित करने से डेंगू संचरण में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

## **महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और वर्मी कंपोस्टिंग पर जागरूकता कार्यक्रम**

महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और वर्मी कंपोस्टिंग पर जागरूकता कार्यक्रम 17 दिसंबर, 2023 को लखनऊ जिले के मल्ल ब्लॉक के पीरनगर गांव में आयोजित किया गया। लगभग 100 महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रो. प्रमोद टंडन ने नासी लखनऊ चौपटर के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में सरल भाषा में बताया। डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना योजना के शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण मच्छर जनित रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जैसे डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया, जो जल निकायों और डेजर्ट कूलर जैसे स्थानों में मच्छरों के प्रजनन के कारण बढ़ते हैं। रोकथाम, शीघ्र पहचान, त्वरित उपचार और समुदाय की शिक्षा आवश्यक है, क्योंकि इन बीमारियों का कोई विशेष उपचार या वैक्सीन नहीं है। प्रो. वीना टंडन ने कृमि संक्रमण के बारे में चित्रात्मक चार्ट के माध्यम से जानकारी दी। कृमि और परजीवी संक्रमण ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य की गंभीर समस्याएं हैं, जो खराब स्वच्छता, स्वच्छ जल की कमी और अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं के कारण तेजी से फैलती हैं। महिलाओं और बच्चों को इस कार्यक्रम से विशेष रूप से लाभ हुआ। प्रो. रमेश शर्मा ने बच्चों और माताओं के लिए संतुलित पोषण के महत्व पर जोर दिया और बातचीत के दौरान मोटे अनाज (जैसे बाजरा) और सब्जियों के स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा की। श्री विजय वर्मा ने वर्मी कंपोस्टिंग के माध्यम से जैविक कचरे को पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदलने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

## **स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम**

स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम 23 दिसंबर, 2023 को ग्राम हमीरपुर, धवा, अटरिया के निकट लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। वक्ताओं ने हाथ धोने, मौखिक स्वच्छता और नाखून काटने की आवश्यकता



पर जोर दिया और श्री विजय वर्मा और श्रीमती लक्ष्मी द्वारा इसका प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में 89 छात्रों ने भाग लिया और इसे वरिष्ठ शिक्षिका सुश्री रशिम द्वारा समन्वित किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता प्रथाओं के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिए गए। ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान और 25 ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री विजय वर्मा और श्री अनुप मिश्रा ने ग्राम प्रधान के खेत में वर्मी कंपोस्ट गतिविधि का प्रदर्शन किया। डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया।

## स्वास्थ्य, पोषण और वर्मी कंपोस्टिंग पर जागरूकता कार्यक्रम – ग्राम विधुनी, ब्लॉक इकौना, जिला श्रावस्ती

स्वास्थ्य, पोषण और वर्मी कंपोस्टिंग पर जागरूकता कार्यक्रम 5 जनवरी, 2024 को श्रावस्ती जिले के विधुनी गांव में आयोजित किया गया। लगभग 80 महिलाओं और बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रो. प्रमोद टंडन ने ग्रामीणों को बताया कि यह कार्यक्रम नासी द्वारा प्रायोजित है, जो शहरी और ग्रामीण आबादी के कल्याण के लिए विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक संगठन है। प्रो. रमेश शर्मा ने विविध खाद्य पदार्थों के सेवन के महत्व पर जोर दिया और फल और भारतीय मसालों के स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा की। उन्होंने प्रोटीन आहार और दालों और डेयरी उत्पादों के महत्व को भी बताया। प्रो. वीना टंडन ने महिलाओं से बातचीत की और कृषि संक्रमणों के बारे में जानकारी दी, जो मिट्टी और भोजन से फैलते हैं। उन्होंने चित्रात्मक चार्ट के माध्यम से ग्रामीण आबादी में सामान्य कृषि और परजीवी संक्रमणों के बारे में जागरूकता बढ़ाई। श्री विजय वर्मा ने किसानों को केंचुए वितरित किए और वर्मी कंपोस्टिंग पर एक व्यावहारिक प्रदर्शन दिया, जिससे जैविक कचरे को पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदला जा सके।

## वंचित और झुग्गी समुदायों के बच्चों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम

नासी लखनऊ चौप्टर ने 27 जनवरी, 2024 को बच्चों के लिए "रूट्स एंड विंग्स – हंसता बचपन" नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम हर शनिवार डॉ. रीता शर्मा, भारत सरकार की पूर्व कृषि सचिव द्वारा आयोजित किया जाता है। डॉ. शर्मा देशभक्ति की भावना बच्चों में भरने और सरल सीखने को बढ़ावा देने के लिए फिल्मों का उपयोग करती हैं। नासी के फेलो और सदस्य "रूट्स एंड विंग्स – हंसता बचपन" के 76वें सत्र में शामिल हुए। नासी लखनऊ चौप्टर के सदस्यों ने बच्चों को बेहतर स्वच्छता और साफ–सफाई की अवधारणाओं को एक संवादात्मक और आनंददायक तरीके से सिखाया, जो बच्चों में आजीवन आदतें डालने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रो. वीना टंडन और डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी ने बच्चों को आकर्षक स्वच्छता किट प्रदान कर इस कार्यक्रम को और भी आनंदमय बना दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि ये शिक्षाएँ बच्चों के साथ हमेशा रहेंगी। इस तरीके से बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षा देकर, उन्हें अपने स्वास्थ्य और भलाई की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाया गया। इस कार्यक्रम में 2 से 12 वर्ष की आयु के 380 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। डॉ. रीता शर्मा ने नासीलखनऊ चौप्टर की पूरी टीम का अभिनव और प्रभावी तरीकों के लिए धन्यवाद दिया।

## लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान

"दीर्घकालिक विकास का विज्ञान, समाजशास्त्र और पारिस्थितिकी: एक भारतीय संदर्भ" शीर्षक से एक लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान 1 फरवरी, 2024 को क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नासी लखनऊ चौप्टर और क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व अकादमिक मामलों के डीन, प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह ने लगभग 300 प्रतिभागियों, जिनमें स्कूली बच्चे, शिक्षक और वैज्ञानिक समुदाय के सदस्य शामिल थे, को व्याख्यान दिया। क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ के परियोजना समन्वयक, श्री स्वरूप मंडल ने अतिथियों का स्वागत किया और नासी लखनऊ चौप्टर के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोद टंडन, अध्यक्ष, नासीलखनऊ चौप्टर ने छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने, वैज्ञानिक मानसिकता को बढ़ावा देने और विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में अवसरों का पीछा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्रों के लिए एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 125 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. आर. डी. त्रिपाठी, सलाहकार, नासी लखनऊ चौप्टर ने धन्यवाद दिया, इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह हुआ, जहां विविध के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। प्रो. रमेश शर्मा और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।



लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ द्वारा आयोजित

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत में सर सी.वी. रमन की 'रमन प्रभाव' की खोज के सम्मान में मनाया जाता है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। नासी लखनऊ चौप्टर ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ के साथ मिलकर 27 और 28 फरवरी, 2024 को विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। 900 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने इस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रमों में पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान फिल्म प्रदर्शन और आकाश अवलोकन कार्यक्रम शामिल थे। सीआईएमएपी, लखनऊ के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. आनंद अखिला ने 'राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी का योगदान' विषय पर एक लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिया। समापन संबोधन में मुख्य अतिथि प्रो. राणा प्रताप सिंह, डीन, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ने विज्ञान के दार्शनिक पहलू पर जोर दिया, बच्चों से इसके सार को समझने और इसके महत्वपूर्ण तकनीकी विकासों पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने रमन प्रभाव की अवधारणा को सरल किया और सी.वी. रमन के जीवन के दिलचस्प तथ्यों को साझा किया। इसके अतिरिक्त, 'न्यूटन डिस्क' और 'पेरिस्कोप' के दो विज्ञान पार्क प्रदर्शनों का उद्घाटन किया गया और 'खगोल विज्ञान' पर एक नया विज्ञान प्रदर्शन किट भी लॉन्च किया गया। क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के परियोजना समन्वयक, श्री स्वरूप मंडल ने अतिथियों और छात्रों का धन्यवाद किया और नासी लखनऊ चौप्टर के साथ सहयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को भारतीय वैज्ञानिकों से प्रेरणा लेने और सीमित संसाधनों के बावजूद मानव कल्याण के लिए विज्ञान का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. आर. डी. त्रिपाठी, सलाहकार, नासी लखनऊ चौप्टर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

# मुंबई चैप्टर

इस अवधि के दौरान, चैप्टर ने विज्ञान और समाज के बीच वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने और भविष्य के लक्ष्यों के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान अध्याय ने निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया:

## नासी – प्रोफेसर प्रफुल्ल चंद्र रे स्मृति व्याख्यान पुरस्कार–2022

‘नासी–प्रोफेसर प्रफुल्ल चंद्र रे स्मृति व्याख्यान पुरस्कार–2022’ का आयोजन 6 अप्रैल, 2023 को आईआईटी बॉम्बे में प्रोफेसर प्रतीम कुमार चटर्जी, आईआईटी खड़गपुर को उनके सैद्धांतिक रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए किया गया।



नासी–प्रोफेसर प्रफुल्ल चंद्र रे स्मृति व्याख्यान पुरस्कार–2022 की एक झलक

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 का समारोह

मुंबई चैप्टर ने 15 मई, 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 का आयोजन बीआईटीएस पिलानी, केके बिरला गोवा परिसर के सहयोग से एक संगोष्ठी और पैनल चर्चा के रूप में किया। इस कार्यक्रम का विषय ‘समाज विकास के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप’ था। प्रो. सुमन कुंडू निदेशक, बीआईटीएस पिलानी, केके बिरला गोवा परिसर ने स्वागत भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. ए. के. सिंह, अध्यक्ष, नासी–मुंबई चैप्टर द्वारा दिया गया। अध्यक्षीय टिप्पणी नासी के अध्यक्ष प्रो. बलराम भार्गव द्वारा की गई। नासी के पूर्व अध्यक्षों, जैसे प्रो. जे. पी. मित्तल, प्रो. मंजु शर्मा, और प्रो. अनिल काकोडकर ने अपने विचार साझा किए और तकनीकी प्रगति से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर बात की। तकनीकी सत्र में निम्नलिखित आमंत्रित वार्ताएँ शामिल थीं।

- i. प्रोफेसर रंजन बनर्जी, निदेशक, आईआईटी दिल्ली (विषय: भारत का ऊर्जा परिवर्तन और सामाजिक विकास के लिए नेट जीरो प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप);
- ii. डॉ. सिबी कुरियन, एनआईओ गोवा (विषय: उत्तरी हिंद महासागर की बायोजियोकेमिस्ट्री);

- iii. डॉ. ए. के. त्यागी, निदेशक, रासायनिक समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) मुंबई (विषय: परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर-विद्युत उपयोग);
- iv. प्रोफेसर वेंकट कृष्णन, आईआईटी मंडी (विषय: हरित रसायन विज्ञान और विषम उत्प्रेरण द्वारा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति);
- v. प्रोफेसर समीत चड्होपाध्याय, बीआईटीएस गोवा (विषय: नई पीढ़ी के किफायती स्वास्थ्य देखभाल निदान और उपचार में नवाचार);
- vi. डॉ. एस. नीतू एनआईओ गोवा (विषय: भारतीय महासागर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों पर वायु-समुद्र युग्मन का प्रभाव);
- vii. डॉ. बी. एन. पांडेय, आरबीएचएसडी, बीएआरसी मुंबई (विषय: कैंसर रेडियोथेरेपी में सुधार के लिए गैर-लक्षित रेडियोबायोलॉजी में उभरते उत्साह)।

आमंत्रित वार्ताओं के बाद पैनल चर्चा हुई, जिसे प्रोफेसर के पी मिश्रा (एफएनएससी) ने मॉडरेट किया। पैनलिस्टों में डॉ. अनिल काकोडकर, प्रोफेसर जे. पी. मित्तल, प्रोफेसर ए. के. सिंह, सभी आमंत्रित वक्ता, सत्रों के अध्यक्ष और कुछ (चयनित) प्रतिभागी शामिल थे।



नेशनल टेक्नोलॉजी डे-2023 के समारोह की एक झलक, मुंबई चौप्टर द्वारा बीआईटीएस पिलानी, के के बिरला गोवा परिसर में आयोजित।

## **'समाज के लाभ के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में नवाचार और अनुसंधान' – सेमिनार-पैनल चर्चा, छात्रों की विज्ञान परियोजनाओं का प्रदर्शन**

15 जुलाई, 2023 को, 'समाज के लाभ के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में नवाचार और अनुसंधान' विषय पर एक सेमिनार-पैनल चर्चा हाइब्रिड मोड में, बी के बिरला स्वायत्त कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, कल्याण (ठाणे) के सहयोग से आयोजित की गई। उद्घाटन भाषण प्रोफेसर ए. के. सिंह, अध्यक्ष, नासी-मुंबई चौप्टर द्वारा दिया गया।

मुख्य अतिथि का संबोधन प्रोफेसर आर. के. शेवगांवकर (प्रोवोस्ट, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई; पूर्व—कुलपति, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय और पूर्व—निदेशक, आईआईटी दिल्ली) ने दिया। तकनीकी सत्र में निम्नलिखित आमंत्रित वार्ताएँ शामिल थीं:

- i. प्रोफेसर योगेंद्र शर्मा, जैविक विज्ञान, डीन, आईआईएसईआर बेरहामपुर (विषय: 21वीं सदी के सूक्ष्मदर्शी);
- ii. प्रोफेसर अर्णव दत्ता, रसायन विज्ञान विभाग और जलवायु अध्ययन में अंतर—अनुशासनात्मक कार्यक्रम, आईआईटी बॉम्बे (विषय: सीओ2 कैचर और उसके उपयोग में वर्तमान प्रगति);
- iii. प्रोफेसर पद्मनाभ राय, भौतिकी विज्ञान विद्यालय, यूएम—डीएई उत्कृष्टता केंद्र, मुंबई (विषय: वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए हीरा);
- iv. डॉ. सौमित्र कर, वैज्ञानिक अधिकारी—जी, नमकीनकरण प्रभाग, बीएआरसी, मुंबई (विषय: जल शुद्धिकरण);
- v. डॉ. अतुल गोयल, प्रमुख वैज्ञानिक, सीएसआईआर—सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ (विषय: नैदानिक और जैव—चिकित्सकीय अनुप्रयोगों के लिए फ्लोरोसेंट जांचों का विकास)।

इसके बाद, यूजी और पीजी छात्रों ने अपनी विज्ञान परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। इसके बाद पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें आमंत्रित वक्ता, सत्र अध्यक्ष और चयनित दर्शक प्रतिभागी शामिल थे। पैनल चर्चा की अध्यक्षता डॉ. जे. पी. मित्तल (पूर्व अध्यक्ष, नासी) ने की और उन्होंने समापन टिप्पणी भी दी।



 Seminar-cum-Panel Discussion on:  
**'Innovation & Research in Basic & Applied Sciences for the Benefit of Society'**

Organized by  
**The National Academy of Sciences, India**  
**Mumbai Chapter**  
in association with  
**B K Birla Autonomous College of Arts,  
Science & Commerce, Kalyan**  
July 15, 2023  
Venue: New Seminar Hall, BKBC, Kalyan  
Join Virtually on : <http://surl.li/iylrg>

बी के बिरला स्वायत्त कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, कल्याण, ठाणे में छात्रों की विज्ञान परियोजनाओं के प्रदर्शन और सेमिनार—सह—पैनल चर्चा की एक झलक।

## मुख स्वास्थ्य और स्वच्छता पर कार्यशाला

21 अगस्त, 2023 को आईआईटी बॉम्बे के पीसी सक्सेना सभागार में मौखिक स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. वनश्री पी. सापले, प्रमुख, डेंटल यूनिट, बीएआरसी अस्पताल, मुंबई इस कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता थीं। यह कार्यक्रम आईआईटी बॉम्बे के केजी स्कूल के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया गया था। आसपास के स्कूलों के बच्चों और उनके माता-पिता ने कार्यक्रम में भाग लिया और लाभान्वित हुए।

The National Academy of Sciences, India  
(Mumbai Chapter)  
Organizing  
A Workshop on Oral Health & Hygiene

G20  
भारत 2023 INDIA

## मुख स्वास्थ्य और स्वच्छता पर कार्यशाला

### 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर सेमिनार

30 सितंबर, 2023 को नासी के बैंगलुरु रथानीय चौप्टर के साथ संयुक्त रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 12 आमंत्रित वार्ताएँ शामिल थीं:

- i. भारत के स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तन—डिजिटल आज और एआई कल (वक्ता: श्री गिरीश कृष्णमूर्ति, टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड)
- ii. सटीक कृषि के लिए एआई और ड्रोन (वक्ता: डॉ. कोटा हरिनारायण, पूर्व एएडी)
- iii. जनहित में एआई (वक्ता: डॉ. विवेक राघवन, पूर्व—यूआईडीएआई)
- iv. एयरोस्पेस अनुसंधान में एआई (वक्ता: प्रोफेसर सुरेश सुंदरम, आईआईएससी बैंगलुरु)
- v. विनिर्माण में एआई (वक्ता: श्री शिवरामकृष्णन नारायणन, ब्रिस्टलकोन)
- vi. आपूर्ति शृंखला में एआई (वक्ता: श्री सुदीप्त घोष, पीडब्ल्यूसी इंडिया)
- vii. निदान में एआई (वक्ता: डॉ. धनंजय देंदुकुरी, अचिरा लैब्स)

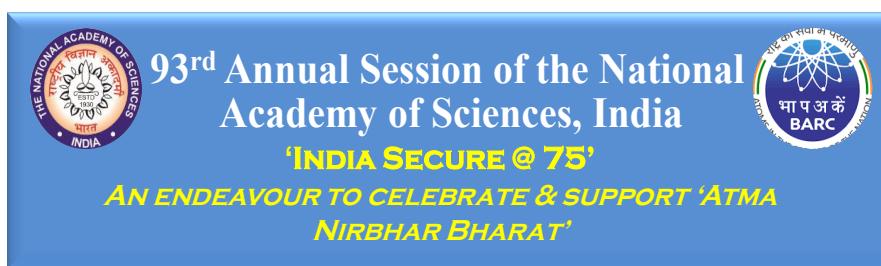
- viii. चूरो-इमेजिंग के लिए एमएल प्रगति (वक्ता: डॉ. नीलम सिन्हा, आईआईएससी बैंगलुरु)
  - ix. सामग्री विकास में एआई (वक्ता: प्रोफेसर अभिषेक सिंह, आईआईएससी बैंगलुरु)
  - x. रासायनिक स्थान से चुनौतीपूर्ण डेटासेट के लिए एमएल (वक्ता: प्रोफेसर आरबी सुनोज, आईआईटी बॉम्बे)
  - xi. जैव चिकित्सा अनुसंधान में एआई (वक्ता: प्रोफेसर एनआर जगन्नाथन, पूर्व-एम्स)
- गपपणकला और मानवता में एआई (वक्ता: डॉ. हर्षित अग्रवाल, आईआईटी गुवाहाटी पूर्व छात्र)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सेमिनार (30 सितंबर, 2023)



## नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया का 93वां वार्षिक सत्र

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया का 93वां वार्षिक सत्र 'आजादी का अमृत महोत्सव' (आत्मनिर्भर भारत) के साथ विशेष रूप से 'इंडिया सिक्योर @ 75' पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3-5 दिसंबर, 2023 को डीएई कन्वेंशन सेंटर, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई में आयोजित किया गया। मुंबई चैप्टर ने इस कार्यक्रम की योजना बनाने से लेकर इसके समापन तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नासी-मुंबई चैप्टर के कई विद्वान फेलो और सदस्य इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए ताकि इसका सफल समापन सुनिश्चित हो सके। चैप्टर ने वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने हालिया गतिविधियों के पोस्टर भी प्रदर्शित किए, जो सामाजिक कल्याण से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए थे।



Jointly organized by NASI & BARC Mumbai  
DAE Convention Centre, Mumbai  
December 03-05, 2023



93वें वार्षिक सत्र और आजादी का अमृत महोत्सव (आत्मनिर्भर भारत) का एक दृश्य 'इंडिया सिक्योर @ 75' पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, डीएई कन्वेंशन सेंटर, बीएआरसी, मुंबई में।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2024 का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2024 का आयोजन आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ, मुंबई के सहयोग से 2 मार्च, 2024 को किया गया। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया और इसका विषय था 'वकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियां'। डॉ. गीतांजलि सचदेवा, निदेशक, आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम और नासी-मुंबई चौप्टर पर उद्घाटन टिप्पणी प्रोफेसर के पी मिश्रा द्वारा की गई। इसके बाद निम्नलिखित आमंत्रित वार्ताएं दी गईः

- i. प्रोफेसर देवजानी पॉल, जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (विषय: 'शेप डीएक्स: सिकल सेल रोग और ट्रेट के बीच अंतर करने के लिए एक पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट');
- ii. प्रोफेसर ए. सी. भासिकुड्हन, विकिरण और फोटोकेमिस्ट्री डिवीजन, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई (विषय: 'चिकित्सा और सेंसर अनुप्रयोगों के लिए संरचना विशिष्ट डीएनए और प्रोटीन का उपयोग');
- iii. डॉ. सौरभ जोशी, सन फार्मा प्रा. लि., वडोदरा (विषय: 'एमएससी/पीएचडी छात्रों के लिए करियर के अवसर');
- iv. आमंत्रित वार्ता सत्र की अध्यक्षता डॉ. नीलिमा क्षीरसागर, डॉ. स्मिता महाले और डॉ. स्बानी मुखर्जी ने की। चौप्टर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर पेंटिंगधनिबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।



- **Venue:** ICMR-National Institute for Research in Reproductive & Child Health, Parel, Mumbai
- **Theme:** Indigenous technologies for Viksit Bharat



आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ, मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2024 का आयोजन।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में मुंबई/ग्रेटर मुंबई के शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, उद्योगों, आर एंड टी कंड्रों और नागरिक समाज के नीति निर्माताओं, छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं द्वारा अच्छी उपस्थिति रही। नासी के कई फेलो और सदस्य भी इन कार्यक्रमों में शामिल हुए। सभी कार्यक्रमों का समापन प्रोफेसर पी. ए. हसन (सचिव, नासी—मुंबई चौप्टर) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

- 'विज्ञान और समाज विशेष कार्यक्रम' पहल के तहत परियोजना प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण
- अकादमी की 'विज्ञान और समाज विशेष कार्यक्रम' पहल के तहत, चौप्टर ने वित्तीय समर्थन के लिए निम्नलिखित परियोजना प्रस्ताव अकादमी के विचार के लिए प्रस्तुत किए:
- प. 'मछली पालन और संस्कृति आधारित मत्स्य पालन के एकीकरण' पर कार्यशाला (थीम: एससीधेसटी जनसंख्या के लिए एस एंड टी हस्तक्षेप); परियोजना समन्वयक: डॉ. किशोर कृष्णानी।
- पप. 'स्वास्थ्य सेवा में स्टार्ट—अप: उद्यमी बनने के लिए प्रेरणा' पर कार्यशाला (थीम: उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण); परियोजना समन्वयक: डॉ. एन. आर. सिंह।
- पपप. 'ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और स्वच्छता में एस एंड टी की भूमिका' पर कार्यशाला/सेमिनार (थीम: विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाएं); परियोजना समन्वयक: डॉ. नरेश चंद्र।
- पअ. 'जलवायु परिवर्तन को कम करने और समाज पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप' पर कार्यशाला/सेमिनार (थीम: विज्ञान और समाज के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक कार्यक्रम/कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / सेमिनार या अन्य संबंधित विषय); परियोजना समन्वयक: डॉ. नरेश चंद्र (एमएनएस, निदेशक शिक्षा, बी. के. बिरला कॉलेज (स्वायत्त), कल्याण, ठाणे)।

# नागपुर चैप्टर

**ना** सी—नागपुर चैप्टर और आदिवासी विभाग, नागपुर डिवीजन (गड़चिरोली) ने 2023–2024 के दौरान आदिवासी छात्रों के बीच विज्ञान—संवर्धन कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से विज्ञान—संवर्धन गतिविधियों का आयोजन किया।

## आदिवासी आश्रम अंग्रेजी स्कूल गड़चिरोली में 'स्कूल विज्ञान प्रदर्शनी—सह—प्रदर्शन' कार्यक्रम

25–26 सितंबर, 2023 को आदिवासी आश्रम अंग्रेजी स्कूल गड़चिरोली (जिला) में 'स्कूल विज्ञान प्रदर्शनी—सह—प्रदर्शन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 500 से अधिक आदिवासी छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम में बनाए गए विभिन्न मॉडलों के आधार पर गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने आदिवासी छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और उत्साह पैदा किया। नासीनागपुर चौप्टर ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के वैज्ञानिक मार्गदर्शन और बच्चों को प्रेरित करने के प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद किया। स्कूल परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।



गड़चिरोली के आदिवासी स्कूल में वृक्षारोपण।



एस ए आचार्य और डॉ सिंह द्वारा प्रस्तुति और प्रदर्शन



छात्रों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे

## 25 और 26 सितंबर, 2023 को आयोजित कार्यक्रम का कार्यक्रम:

पहला दिन: 25 सितंबर, 2023 (सरकारी आश्रम इंग्लिश स्कूल, गढ़चिरोली)		
समय	समारोह	विशेषज्ञ व्यक्ति का नाम
11:00—12:00	उद्घाटन समारोह और वृक्षारोपण	
12:00—13:00	भौतिकी प्रयोग और प्रदर्शन	डॉ. स्मिता आचार्य, भौतिकी विभाग, आरएसटीएम नागपुर विश्वविद्यालय
14:00—15:00	इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मॉडल, प्रदर्शनी /	डॉ. सतीश शर्मा, विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आरटीएमएनयू, नागपुर
15:00—16:00	पैलियोबोटनी / टेक्सोनॉमी नामकरण	डॉ. सुभाष सोमकुवर, प्रमुख डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर कॉलेज, नागपुर

दूसरा दिन: 26 सितंबर, 2023 (सरकारी आश्रम विद्यालय, गढ़चिरोली)		
समय	प्रयोग के बारे में	विशेषज्ञ व्यक्ति का नाम
11:30 —13:00	लौकिक गणित के लिए संख्याओं की गिनती	डॉ. जीपी सिंह, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, वीएनआईटी नागपुर
14:00—15:00	रसायन विज्ञान प्रयोग और प्रदर्शन	डॉ. सुरेश उमारे, रसायन विज्ञान विभाग, वीएनआईटी— नागपुर
15:00—16:00	पोषण और स्वास्थ्य देखभाल	डॉ. शंबरकर, माता कचेरी नागपुर
16:00 —16:30	मौलिक स्थिरांक के से एच	एन एस गजभिये, नासी नागपुर चौप्टर
16:00—16:30	समापन सत्र और प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया	

### स्कूल विज्ञान प्रदर्शनी—सह—प्रदर्शन कार्यक्रम

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया, नागपुर चौप्टर और आदिवासी विकास विभाग नागपुर डिवीजन (गडचिरोली) ने 25—27 सितंबर, 2023 के दौरान गडचिरोली जिले के आश्रम स्कूलों के आदिवासी छात्रों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम गडचिरोली जिले के सोडे में स्थित आदिवासी कन्या आश्रम स्कूल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आश्रम स्कूलों में अध्ययनरत छात्रों के बीच बुनियादी विज्ञान और उन्नत प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने विभिन्न कार्यशील मॉडल प्रस्तुत किए, जिन्हें हमारे आस—पास प्रचलित वैज्ञानिक घटनाओं को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया था। इन मॉडलों के माध्यम से लाइव प्रदर्शन किए गए, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रज्वलित करना और उनके आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना था। इन मॉडलों ने प्रभावी ढंग से

प्राकृतिक घटनाओं जैसे आकाश के नीले रंग, मृगतृष्णा की उपस्थिति, परावर्तन, अपवर्तन, और प्रकीर्णन जैसे अवधारणाओं को समझाया। विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों जैसे कि भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जीवविज्ञान और तकनीकी विभाग के वरिष्ठ शिक्षकों ने, जिनमें आरटीएमएनयू नागपुर, वीएनआईटी – नागपुर, एसजीबीयू अमरावती, गडचिरोली आदिवासी विश्वविद्यालय शामिल थे, इस प्रयोग–सह–प्रदर्शन कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन शिक्षकों ने लाइव प्रदर्शनों के माध्यम से छात्रों को प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या की, जैसे कि आकाश का नीला रंग, रसायन विज्ञान के अद्भुत प्रयोग 'घड़ी प्रतिक्रियाएँ (रेडॉक्स)', हमारे रंगीन प्राकृतिक परिवेश, मृगतृष्णा की उपस्थिति, परावर्तन, अपवर्तन, प्रकीर्णन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि। आश्रम स्कूल के छात्रों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रति अधिक जिज्ञासु और जागरूक बनाने के लिए सामाजिक दूरी के लिए निकटता सेंसर, आग अलार्म, घुसपैठ का पता लगाने वाले उपकरण, स्वायत्त और रिमोट नियंत्रित रोबोट्य पवन वेग मीटर, IoT आधारित होम सुरक्षा प्रणाली, पंखे, लाइट और स्ट्रीट लाइट जैसी घरेलू उपकरणों को नियंत्रित करने की प्रणाली जैसे प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन किए गए। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक आश्रम स्कूल की छात्राओं ने भाग लिया और मॉडल के आधार पर विशेष रूप से डिजाइन की गई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम ने आदिवासी छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा और उत्साह पैदा किया और उनके समग्र शैक्षणिक अनुभव में योगदान दिया। इस पहल के तहत, विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्थायी जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया गया।

## कार्यक्रम

पहला दिन: 26 सितंबर, 2023 गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, सोडे, ताल: सोडे, जिला गढ़चिरौली		
10:00 – 11:00	उद्घाटन समारोह और वृक्षारोपण	
11:00 – 12:00	पैलियोबोटनी / टेक्सोनॉमी नामकरण	डॉ. सुभाष सोमकुंवर, डॉ. अंबेडकर कॉलेज, नागपुर
14:00 – 15:00	इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मॉडल, प्रदर्शनी /	डॉ
15:00 – 16:00	लौकिक गणित के लिए संख्याओं की गिनती	डॉ
दिन-2 : 27 सितंबर, 2023 गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, सोडे, ताल: सोडे, जिला गढ़चिरौली		
10:30 – 11:30	पोषण और स्वास्थ्य देखभाल	डॉ. शंबरकर माता कचेरी नागपुर
11:30 – 13:00	भौतिकी प्रयोग और प्रदर्शन	स्मिता आचार्य, भौतिकी विभाग, आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय
14:00 – 15:15	रसायन विज्ञान प्रयोग और प्रदर्शन	डॉ. सुरेश उमारे, रसायन विज्ञान विभाग, वीएनआईटी– नागपुर
15:15 – 16:30	मौलिक स्थिरांक के से एच	एन एस गजभिये, नासी नागपुर चौप्टर
समापन सत्र और प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया		

निम्नलिखित शिक्षकों ने वृक्षारोपण गतिविधि में भाग लिया:

1. डॉ. स्मिता आचार्य, भौतिकी विभाग, आरटीएमएनयू नागपुर
2. डॉ. सतीश शर्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आरटीएमएनयू नागपुर
3. डॉ. सुरेश उमरे, रसायन विज्ञान विभाग, विएनआईटी, नागपुर
4. डॉ. शांबर्कर माता कचहरी, नागपुर
5. एन बी सिंह, शारदा यूनिवर्सिटी, नोएडा, दिल्ली
6. डॉ. जी पी सिंह, प्रमुख, गणित विभाग, विएनआईटी, नागपुर
7. डॉ. सुभाष सोमकुवर, पैलेबॉटनी / टैक्सोनॉमी, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज, नागपुर
8. डॉ. नामदेव एस. गजबिये, नासीनागपुर चौप्टर



सोङे आदिवासी विद्यालय, गडचिरोली में विभिन्न औषधीय पौधों का वृक्षारोपण



सोङे आदिवासी विद्यालय, गडचिरोली में वृक्षारोपण



डॉ. एस. ए. आचार्य और डॉ. उमरे द्वारा विज्ञान प्रयोगों का प्रदर्शन

## राज्य-स्तरीय छात्र संगोष्ठी प्रतियोगिता

राज्य-स्तरीय संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन रसायन विज्ञान विभाग, एम. जी. कॉलेज, अर्मोरी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारतनागपुर चौप्टर के सहयोग से 7 अक्टूबर, 2023 को एम. जी. कॉलेज अर्मोरी, जिला चंद्रपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विभिन्न संस्थानों के छात्रों को अपने प्रतिभा और प्रस्तुति कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर देना था। इस प्रतियोगिता में राज्य भर से 41 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिन्होंने जूरी के सामने संगोष्ठी प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में प्रमुख शामिल थे: प्रो. एन. एस. गजबिये, अध्यक्ष, नासीनागपुर चौप्टर; प्रो. एस. एस. उमरे, सलाहकार, नासी, नागपुर चौप्टर; डॉ. एल. एच. खालसा, प्राचार्य, एम. जी. कॉलेज अर्मोरी; डॉ. चायन दास, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, विएनआईटी, नागपुरय और डॉ. डब्ल्यू. बी. गुर्नुले, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, सक्करधारा, नागपुर। प्रो. एन. एस. गजबिये ने उद्घाटन सत्र के दौरान शोध और नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए नासीके मिशन को प्रस्तुत किया। प्रो. एस. उमरे ने 'जलवायु परिवर्तन, सुधारात्मक क्रिया, और मानव जिम्मेदारी' विषय पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया, जिसके बाद छात्रों द्वारा वैज्ञानिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस प्रतियोगिता को तीन विशिष्ट वर्गों में आठ विशेषज्ञों/न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा मूल्यांकित किया गया। गहन विचार-विमर्श के बाद, विजेताओं की घोषणा की गई।

पोस्टग्रेजुएट श्रेणी में, मार्टिना आर. घोनमोडे, एम. जी. कॉलेज अर्मोरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया; मिस्टर जतिन छत्रवानी, एस. पी. कॉलेज, चंद्रपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया; और मिस अर्चना एच. राय, एस. पी. कॉलेज चंद्रपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बी. एससी III श्रेणी में, पायल राजेंद्र चिन्निल्ला, आर. एम. जी. कॉलेज नागभीड़, लक्ष्मी भट्टी, एस. पी. कॉलेज चंद्रपुर, और श्राद्धा शर्मा, एम. जी. कॉलेज अर्मोरी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, और तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए। बी. एससी पूर्व समूह में, दिव्या विलास बावने, एम. जी. कॉलेज अर्मोरी, हिमांशु आर. कोटरे, एस. पी. कॉलेज चंद्रपुर, और अनामिका एस. कुटे, एम. जेड. कॉलेज वाडसा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, और तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए। विजेताओं को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र, और स्मृतिचिह्न प्रदान किए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

- ग्रीन केमिस्ट्री और स्थिरता: राज्य-स्तरीय छात्र संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन 26 फरवरी, 2024 को रास्ट्रपति महात्मा गांधी कला और विज्ञान कॉलेज नागभीड़, जिला गडचिरोली में किया गया।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उत्सव: प्रदर्शनी सह प्रदर्शन, पोस्टर प्रस्तुति और वैज्ञानिक मॉडल प्रतियोगिता

जिला स्तरीय 'प्रदर्शनी सह प्रदर्शन और पोस्टर एवं वैज्ञानिक मॉडल प्रतियोगिता' नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया, नागपुर चौप्टर द्वारा 28 फरवरी, 2024 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर पब्लिक स्कूल, पुलगांव, जिला वर्धा के सहयोग से एक जिला स्तरीय 'प्रदर्शनी सह प्रदर्शन और पोस्टर एवं वैज्ञानिक मॉडल प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विभिन्न स्कूलों के छात्रों को अपने शोध और प्रस्तुति कौशल को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी के विभिन्न प्रवाहों वाले अधिकतम स्कूलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय था 'मूल विज्ञान में वर्तमान रुझान'। पुलगांव शहर के स्कूलों से कुल 40 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान विश्वनाथ मेश्राम, सेवानिवृत्त रासायनिक अभियंता (कनाडा) ने की। प्रो. एन.



## STATE-LEVEL STUDENT'S SEMINAR COMPETITION

Organized by

"Manoharbhai Shikshan Prasarak Mandal Armori's"

**DEPARTMENT OF CHEMISTRY, MAHATMA GANDHI ARTS, SCIENCE, & LATE N. P. COMMERCE  
COLLEGE, ARMORI Dist.-GADCHIROLI (M.S.),**

NAAC Reaccredited with 'A' Grade with C.G.P.A - 3.24



IN COLLABORATION WITH

**THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCE (NASI), INDIA NAGPUR CHAPTER**

\*\*\*\*\* 7<sup>th</sup> October 2023 \*\*\*\*\*

**Competition Theme: Current Trends in Chemical Science**

About Our College: Mahatma Gandhi Arts, Science & Late Nasaruddinbhai Panjwani Commerce College Armori was established on 4th June 1981, under the flagship of Manoharbhai Shikshan Prasarak Mandal Armori. The college is recognized by UGC under section 2(f) and 12(B) and NAAC re-accredited 'A' Grade (3.24 CGPA, 2022) college in Gadchiroli district. For more details visit: <http://mecollegearmori.ac.in>

About NASI: The National Academy of Sciences, India (initially called "The Academy of Sciences of United Provinces of Agra and Oudh") was founded in the year 1930, with the objective of providing a national forum for the publication of research work carried out by Indian scientist and provide opportunities for exchange of view among them. For more details visit: <http://www.nasi.nic.in>

### Competition Glimpses

- State-level seminar competition
- Open for all **UG & PG (Chemistry)** basic science students
- PowerPoint presentation on any topic in chemistry pertaining to your syllabus.
- Separate prizes for each semester students.
- Certificate of participation

### Inaugural Talk

Prof. Suresh Umare,  
Adviser NASI Nagpur Chapter

First Prize: 1500 Rs.

Second Prize: 1000 Rs.

### Payment Details

Registration Fee: Rs. 100/-

Last date for registration: 3<sup>rd</sup> October 2023

Link for registration: <https://forms.gle/bSvAu7bqWB8YTrVaA>

Pay UPI/ NEFT/RTGS

A/C Name: Principal M. G. College  
A/C No. **9601101000017139**,  
Bank of India Armori,  
IFSC Code: BKID0009601



### Rules and Instructions

- Seminar competition is open only for basic science (Chemistry subject) students.
- Institutional participation is restricted to a maximum of two students, from each semester.
- Students can select any topic in their stream pertaining to the Current Trends in Chemical Science.
- Participants need to pay Rs. 100/- for registration and participation
- A PowerPoint presentation for seminar competition is a mandatory
- Time duration: 7 minutes for presentation and 3 minutes for interaction
- The decision of the judges will be final and binding.

### Organizing Committee

#### Patron

Smt. Sunithai M. Wanali  
President, M.S.P.M., Armori

Shri. Manojbhan W. Wanali  
Secretary, M.S.P.M., Armori

Principal  
Dr. L. H. Khalsa  
M. G. College, Armori

#### Chairman NASI

Dr. N. S. Gajbhiye  
Nagpur Chapter

#### Adviser NASI

Prof. Suresh Umare  
Nagpur Chapter

Convener  
Mr. S. M. Sontakke  
Head, Dept. of Chem.,  
M. G. C.

#### Co-Convenor

Dr. N. D. Banosd  
Asst Prof  
Dept. of Chem., M. G. C.

#### Organizing Secretary

Dr. S. S. Kola  
IQAC Co-ordinator.  
M. G. C.

Dr. C. D. Mungmode  
Head of R & D Committee  
M. G. C.

#### Students Co-ordinator

Miss. Dimpal Sonekar (B. Sc.III)  
Contact us (10 am to 5 pm): [rdrmcg2020@gmail.com](mailto:rdrmcg2020@gmail.com); +91 9049029199; +91 8698856936  
Venue: M. G. College, Armori



## STATE-LEVEL STUDENT'S SEMINAR COMPETITION

Organized by

"Manoharbhaji Shikshan Prasarak Mandal Armori's"

**DEPARTMENT OF CHEMISTRY, MAHATMA GANDHI ARTS, SCIENCE, &  
LATE N. P. COMMERCE COLLEGE, ARMORI Dist.-GADCHIROLI (M.S.),**

NAAC Reaccredited with 'A' Grade with C.G.P.A - 3.24

IN COLLABORATION WITH

**THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCE (NASI), INDIA NAGPUR  
CHAPTER**

### PROGRAM SCHEDULE

7th October 2023

Time 9 am. To 10 a.m.	Registration
Time 10 am. To 11 a.m.	Inauguration Programme
Patron	Hon'ble Smt. Sunitatai M. Wanamali President, Manoharbhaji Shikshan Prasarak Mandal Armori. & Hon'ble Shri Riddheshwar Wamanraoji Wanamali Secretary Manoharbhaji Shikshan Prasarak Mandal Armori.
Chief Guest	Prof. N. S. Gajbhiye Chairman NASI, Nagpur Chapter. (Ex-Voice Chancellor of Sagar University) & Dr. Anil Chitade Dean Faculty of Science & Technology Gondwana University, Gadchiroli.
Chairperson	Dr. L. H. Khalsa Principal M. G. College Armori
Guests of Honour	Prof. S.S. Umare Adviser NASI, Nagpur Chapter. (Department of Chemistry VNIT, Nagpur)  Dr. Chyan Das Associate Prof. Department of Chemistry VNIT, Nagpur.
Time 11 am. To 11.45 am.	Guest Lecture by Prof. S.S. Umare Topic: Climate Change, Corrective Action and Human Responsibility
Time 11.45 am. to 2 pm.	Technical Session ( Seminar Competition ) Group I: B. Sc. Sem. III (Geography Laboratory ) Group II: B. Sc. Sem. V (Chemistry Laboratory ) Group III: M. Sc. Sem. I & II (Physics Laboratory )
Time 2 pm to 3 pm.	Lunch
Time 3 pm to 4 pm.	Valedictory Programme



राज्य-स्तरीय छात्र संगोष्ठी प्रतियोगिता की झलकियाँ



छात्रों के लिए प्रयोगशाला प्रदर्शन

## लोकमत

### कलात्मक स्पर्धामुळे विद्यार्थ्यांमध्ये वाढते स्पर्धावृत्ती माझी कुलगुरु डॉ. गजभिये यांचे प्रतिपादन : महात्मा गांधी कॉलेजमध्ये सेमिनार



#### विद्यार्थींकडे ठार्कम

■ विद्यार्थीकडे जगामध्ये याच्या शैक्षणिक संपत्ती मध्यांतरे यांनी भावितव्यात लाभावाची विद्या ठार्कम पेटी जातात. यामध्ये कलात्मक स्पर्धा, प्रतीक्षा अंतर्गत स्पर्धा परिस्थि सेतूं कोंडे भेट वाहतुकीचा विद्यार्थ्यांना आवाहन देण्याचा आवाहन देण्याचा आवाहन कराताना माझी कुलगुरु डॉ. गजभिये, सोबत प्राचारी शाळात.

माझी कुलगुरु डॉ. एन.एस. गजभिये यांची प्राचारी शाळात आणि, असे प्रतिपादन मध्यवर्तीशीली सातार विद्यार्थ्यांनी माझी कुलगुरु डॉ. एन.एस. गजभिये यांनी केले.

आसारी येतील महात्मा गांधी कला, विद्या व खेळ, न. पं. यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. महात्मागांधी कलात्मक संस्कृती आवाहन देण्याचा आवाहन कराताना माझी कुलगुरु डॉ. गजभिये यांची प्राचारी शाळात आणि, असे प्रतिपादन मध्यवर्तीशीली सातार विद्यार्थ्यांनी माझी कुलगुरु डॉ. एन.एस. गजभिये यांनी केले.

आसारी येतील महात्मा गांधी कला, विद्या व खेळ, न. पं. यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. यामध्ये प्राचारी डॉ. गजभिये यांची कला, विद्या व खेळ नानारूप विभागांनी सांगितली. एस. उमारी डॉ. लालाराम जातात. महात्मागांधी कलात्मक संस्कृती आवाहन देण्याचा आवाहन कराताना माझी कुलगुरु डॉ. गजभिये यांची प्राचारी शाळात आणि, असे प्रतिपादन मध्यवर्तीशीली सातार विद्यार्थ्यांनी माझी कुलगुरु डॉ. एन.एस. गजभिये यांनी केले.

Hello Gadchiroli  
Page No. 2 Date Oct 14, 2023  
Powered by erelego.com

### Armorri college holds State-level seminar on Chemistry

■ District Correspondent  
GADCHIROLI, Oct 14

DEPARTMENT of Chemistry of Mahatma Gandhi Art, Science and Commerce College Armorri and National Science Council, Nagpur, had organised a State-level seminar on Chemistry.

The seminar was inaugurated at the hands of Dr N S Gaibhije, former Vice-chancellor of Sagar University, Dr Lal Singh Khalsa, Principal of Mahatma Gandil College, presided. Dr S S Umre, Adviser of National Science Council Nagpur Division, Dr D W Gurnule, Chemistry Department Head, Kamla Nehru College Nagpur, Dr Chelan Das, Associate Professor, Nagpur, Prof Satyendra Sonakade, Head of the Department of Chemistry



Dr N S Gaibhije, former Vice-chancellor of Sagar University, speaking at the seminar while Principal Dr Lal Singh Khalsa and others look on.

in the College, were prominently present.

Dr Gaibhije said that such seminars help to develop potential students. "This kind of planning creates a competitive spirit in the minds of the students. They get a chance to

express their talent. Therefore, such seminars should always be organised regularly," Dr Gaibhije opined.

Dr S S Umre also guided at the seminar.

In his presidential address, Principal of the college Dr Lal

Singh Khalsa told about the programmes being conducted by the college. He explained that the college has received 'A' grade because of its activities. He congratulated the organisers of the seminar for bringing together Chemistry students from across the state and providing a common platform.

In his introductory guidance, Prof Satyendra Sonakade said that the Chemistry seminar had been organised to promote scientific approach among the students.

Dr Chhagan Mungmode conducted the programme and Dr Satish Kola proposed a vote of thanks. Professor Dilip Ghommode extended help to make the programme successful. Faculty members and students of the college were present on the occasion.

*Manoharbhau Shikshan Prasarak Mandal Armorri's*

**Rashtrapita Mahatma Gandhi Arts & Science College Nagbhid**

Accredited with 'B+' Grade by NAAC  
(Affiliated to Gondwana University, Gadchiroli)  
in collaboration with

**THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCE (NASI), INDIA, NAGPUR CHAPTER**

*Organizes*

**State Level Student Seminar Competition**

26 February 2024

**About Our College:** Rashtrapita Mahatma Gandhi Arts and Science College, Nagbhid (NAAC 'B' Grade) was established in 2008 by Manoharbhau Shikshan Prasarak Mandal Armorri. Today, the Society is running 10 institutions including colleges, schools, a kindergarten and hostels. The motto of the Society is to provide quality education in all fields of education under the dynamic leadership of Honorable Secretary Mr. Manojbhau Wamanrao Wanmali. Institution is affiliated to Gondwana University Gadchiroli. Institution has an excellent academic record and is recognized for its holistic education and innovation and research, including the right values through discipline, freedom and responsibility to spur individual spiritual development to personality development. Stress is laid on character building and all round development of the students. Special attention is paid to the students from backward classes and other backward classes as well as physically disabled and tribes. In a short period, the College has grown into a full-fledged degree college. It is a matter of pride that the College also has University approved research guides in science. For more details visit: [www.rmgc.org.in](http://www.rmgc.org.in)

**About NASI:** The National Academy of Sciences, India (initially called "The Academy of Sciences of Universities, Research Institutions and Colleges") was founded in the year 1930, with the objective of providing a national forum for the publication of research work carried out by Indian scientist and provide opportunities for exchange of view among them. For more details visit: <http://www.nasi.ac.in>

**Inaugural Talk :- Prof. Suresh Umare, Adviser NASI Nagpur Chapter**

**Topic:- Green Chemistry and Sustainability**



**State Level Student Seminar Competition**

**ZOOLOGY**

**Theme:-**

- Immunology
- Animal Biotechnology
- Aquatic Biology
- Developmental Biology
- Animal Physiology

1<sup>st</sup> Prize:- Rs. 2000/-  
2<sup>nd</sup> Prize:- Rs. 1500/-  
3<sup>rd</sup> Prize:- Rs. 1000/-

**BOTANY**

**Theme:-**

- Mycology
- Plant Biotechnology
- Plant Biochemistry
- Plant Diversity & Conservation
- Plant Ecology
- Plant Physiology
- Genetics & Mol. Biology

1<sup>st</sup> Prize:- Rs. 2000/-  
2<sup>nd</sup> Prize:- Rs. 1500/-  
3<sup>rd</sup> Prize:- Rs. 1000/-

**CHEMISTRY**

**Theme:-**

- Stereochemistry
- Organic Chemistry
- XRD, H-NMR, Vibrational & Rotational Spectroscopy
- Nano Materials
- Chemical Kinetics

1<sup>st</sup> Prize:- Rs. 2000/-  
2<sup>nd</sup> Prize:- Rs. 1500/-  
3<sup>rd</sup> Prize:- Rs. 1000/-

**PHYSICS**

**Theme:-**

- Fundamental concept in Physics
- Experimental Techniques & Instrumentation
- Nano Materials
- Applications of Physics in Everyday Life

1<sup>st</sup> Prize:- Rs. 2000/-  
2<sup>nd</sup> Prize:- Rs. 1500/-  
3<sup>rd</sup> Prize:- Rs. 1000/-

**Register here - <https://forms.gle/6aRo9nMJ6LWU5BsV6>**

**Terms and Conditions:-**

1. Only UG (B.Sc.) students can participate.
2. Students have to present their seminar using PPT only.
3. Time for presentation will be 7 + 2 min.
4. Submission of college ID proof is compulsory.
5. Students have to register through registration link.
6. Maximum 2 students per subject from a college is allowed.
7. Juries decision will be consider to be final decision.
8. Last date of registration is 20 February 2024.
9. Student can participate in more than one subject by paying relevant registration fee.

**Patron**  
**Hon'ble Manojbhau W. Wanmali**  
Secretary, M.S.P.M., Armorri.

**Organizing Committee**

Dr. V. M. Mohture  
Dr. R. N. Chavhan

Mr. N. G. Godse  
Dr. M. B. Matte

**Convener**

Prof. N. S. Gaibhije  
Chairman NASI Nagpur Chapter

Prof. Suresh Umare  
Adviser NASI Nagpur Chapter

**Convenor**

Dr. G. D. Deshmukh  
Principal  
RMG College, Nagbhid

**QR Code**

**Registration Fee 150/- (Per Subject / Per Student)**

**Scan & Pay UPI / NEFT/RTGS**  
A/C Name: Dr. R. N. Chavhan  
A/C No. 31035304317  
State Bank of India  
IFSC Code: SBIN0000338



एस. गजबिये, अध्यक्ष नासी (नागपुर चौप्टर), प्रो. सुरेश उमरे, सलाहकार नासी (नागपुर चौप्टर), और डॉ. दीपा पनहेकर, उप-प्राचार्या, डॉ. अम्बेडकर कॉलेज, दीक्षाभूमि, नागपुर ने इस समारोह को शोभायमान किया। हमारे विद्यालय के सचिव इंजीनियर भरत रंगारी, न्यासी श्रीमान चंद्रसेन डॉंगरे, राजकुमार बेलसरे, देव आनंद गाइगावली और रमेश गायकवाड़ भी उपस्थित थे। उदघाटन समारोह में प्रो. एस. एस. उमरे, सलाहकार, नासी नागपुर चौप्टर द्वारा एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उमरे सर ने 'किसी वस्तु को जानने और उसके उपयोग को समझने के लिए मूल वैज्ञानिक विधि' पर बात की। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिक सर सी. वी. रमन के योगदानों की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों के समक्ष टाइट्रेशन, अम्ल और क्षारीय परीक्षण, लिटमस पेपर और रासायनिक प्रयोगों का प्रदर्शन किया। सभी छात्रों ने व्याख्यान में भाग लिया, जो एक संवादात्मक सत्र था और इसके बाद छात्रों की प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन तीन न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा किया गया। मूल्यांकन पैनल में शामिल थे डॉ. दीपा पनहेकर, उप-प्राचार्या, रसायन विज्ञान विभाग, डॉ. अम्बेडकर कॉलेज, दीक्षाभूमि, नागपुर, श्री निलेश राउत, व्याख्याता, ध्यानभारती हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, पुलगांव, और श्री सचिन भोंगाडे, बी.ई., पुलगांव। परिणामों की घोषणा के बाद विजेताओं को प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें शामिल थे: मातोश्री कॉन्वेंट, सेंट जॉन कॉन्वेंट, सरस्वती कॉन्वेंट, आर.के. ध्यानमंदिरम, गांधी सिटी स्कूल पुलगांव और बोधिसत्त्व डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर पब्लिक स्कूल। परिणामों की घोषणा श्री विश्वनाथ मेश्राम (सेवानिवृत्त रासायनिक अभियंता, कनाडा) द्वारा की गई। कार्यक्रम की समाप्ति सभा का संचालन श्रीमती प्रगति मेश्राम (सहायक शिक्षिका) ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती आरती पवार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की निगरानी प्राचार्य श्रीमती कल्पना तिवासकर द्वारा की गई। यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता अत्यंत सफल रही जिसमें छात्रों ने उत्कृष्ट शोध और प्रस्तुति कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी/प्रदर्शन, चार्ट पेपर प्रस्तुति और मॉडल प्रतियोगिता के विजेता थे:

प्रथम स्थान – सेंट जॉन हाई स्कूल (अंगदान); द्वितीय स्थान – मातोश्री इंगिलिश स्कूल (कार्य एवं ऊर्जा); तृतीय स्थान – बोधिसत्त्व डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर पब्लिक स्कूल (श्वसन तंत्र)। मॉडल प्रतियोगिता विजेता: प्रथम स्थान – गांधी सिटी स्कूल (अल्कोहल डिटेक्टर); द्वितीय स्थान – आर.के. ध्यान मंदिरम (इको फ्रेंडली मटेरियल); तृतीय स्थान – सरस्वती इंगिलिश मीडियम स्कूल (एसिड रेन)।

## 'आधुनिक सामग्री अनुसंधान में नवीन दृष्टिकोण' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

'आधुनिक सामग्री अनुसंधान में नवीन दृष्टिकोण' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 15 और 16 मार्च 2024 को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया और जी. एस. टॉम्प आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस कॉलेज, चांदूर बाजार, जिला अमरावती के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यशाला में 220 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मिलिंद भराहटे मुख्य अतिथि थे। प्रो. एन. एस. गजबिये, पूर्व कुलपति, डॉ. एच. एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर, पूर्व कुलपति डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, डॉ. स्मिता आचार्य, आरटीएमयू नागपुर और प्रो. ए. एस. असवार भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उदघाटन सत्र के बाद डॉ. स्मिता आचार्य ने 'पीजो इलेक्ट्रिक प्रभाव' पर एक प्लेनरी टॉक दी।



छात्रों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में वैज्ञानिक मॉडलों का प्रदर्शन



प्रतियोगिता के विजेता (छात्र) अपने प्रमाण पत्रों के साथ



सम्मेलन का उद्घाटन सत्र चल रहा है।

पहले दिन कार्यशाला के तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए; पहले और दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. एम. एम. कोडापे, सहायक प्रोफेसर, रसायन विभाग, एसजीबीएयू अमरावती ने की, और तीसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. ए. एस. असवार, पूर्व प्रमुख, रसायन विज्ञान विभाग, एसजीबीएयूअमरावती ने की। इस दौरान प्रमुख वक्ताओं में शामिल थे: डॉ. पी. एन. दवे, एस.पी. विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर; डॉ. हितेश कुलहारी, नैनो साइंसेज स्कूल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर; डॉ. डी. डी. धवले, विशिष्ट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, एस.पी. पुणे विश्वविद्यालय, पुणे; डॉ. दिनेश कुमार, रसायन विज्ञान स्कूल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर; डॉ. कमलेश कुमार श्रीवास, रसायन अध्ययन विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर। पहले दिन का समापन एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

दूसरे दिन कार्यशाला के दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए; पहले सत्र की अध्यक्षता प्रो. एन. एस. गजबिये ने की और दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. जे. एम. बराबडे, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, एसजीबीएयूअमरावती ने की।



प्रो. गजेंद्र दीक्षित ने आमंत्रित व्याख्यान दिया



प्रो. पी. एन. दवे श्रोताओं के साथ बातचीत करते हुए

## वैज्ञानिक कार्यक्रम की अनुसूची

पहला दिन: 15 मार्च, 2024 (शुक्रवार)			
9:30–10:30 पूर्वाह्न	पंजीकरण		
10:30–11:30 पूर्वाह्न	उद्घाटन समारोह		
11:30–12:15 अपराह्न	पीएल-1	प्रो.पी.पी. वडगांवकर, सीएसआईआर—एनसीएल, पुणे	वार्ता का शीर्षक: रासायनिक उद्योग में स्थिरता।
12:15–12:45 अपराह्न	आईएल-1	प्रो.दिनेश कुमार सीयूजी, गांधीनगर	वार्ता का शीर्षक: लैब से जीवन तक: कैसे नैनोमैटेरियल्स हमारे भविष्य को आकार दे रहे हैं।
12:45–01:15 अपराह्न	आईएल-2	डॉ. हितेश कुल्हारी सीयूजी, गांधीनगर	बात का शीर्षक: चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए डिजाइनिंग नैनोबायोमैटेरियल्स।
01:15–02:15 अपराह्न	दोपहर का भोजन		
02:15–03:00 अपराह्न	पीएल-2	प्रो.डी. डी. ढावले, एस.पी.पुणे विश्वविद्यालय, पुणे	बात का शीर्षक: ग्लाइकोसिडेस इनहिबिटर और चीनी अमीनो एसिड के रूप में इमिनोशुगर्स का संश्लेषण आयन ट्रांसपोर्टर के रूप में रैखिक / चक्रीय पेप्टाइड्स प्राप्त करता है।
03:00–03:30 अपराह्न	आईएल-3	प्रो.पी. एन. दवे एस.पी.यूनिवर्सिटी, वल्लभविद्यानगर	वार्ता का शीर्षक: यूरिया संश्लेषण से क्वांटम संश्लेषण तक: रासायनिक विज्ञान में सिंथेटिक मार्गों के विकास को उजागर करना।
03:30–03:45 अपराह्न	चाय ब्रेक		
	आईएल-4	प्रो.कमलेश श्रीवास पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर	वार्ता का शीर्षक: नैनोपार्टिकल्स—आधारित वर्णमिति रासायनिक सेंसर का डिजाइन और विकास।
दूसरा दिन: 16 मार्च, 2024 (शनिवार)			
01:30–02:00 अपराह्न	आईएल-5	प्रो (श्रीमती) उमा शर्मा, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन	वार्ता का शीर्षक: नैनोपार्टिकल्स—आधारित वर्णमिति रासायनिक सेंसर का डिजाइन और विकास।
02:00–02:30 अपराह्न	पीएल-3	प्रो गजेंद्र दीक्षित, मैनिट, भोपाल	बात का शीर्षक: आणविक मान्यता – नैनोसेंसर और उन्नत उपकरणों के मूल सिद्धांत।
02:30–03:00 अपराह्न	आईएल-6	डॉ. सविता दीक्षित, प्रो. मैनिट, भोपाल	वार्ता का शीर्षक: नवाचार, रचनात्मकता और स्टार्ट अप
03:15–03:45 अपराह्न	दोपहर का भोजन		
03:45–04:00 अपराह्न	आईएल-7	डॉ. शैलेश स.साबले अल्बर्टा, कनाडा	वार्ता का शीर्षक: सामाजिक वैज्ञानिक सुधारों के लिए परिवर्तन, रचनात्मकता और नवाचार।
02:00.02:30 अपराह्न	आईएल-8	डॉ. रवीन्द्र प.जुमडे जिनेवा, स्विट्जरलैंड।	वार्ता का शीर्षक: ड्रग डिस्कवरी में चिरालिटी की भूमिका
02:30.03:00 अपराह्न	आईएल-9	डॉ. गौरव गुप्ता, जीटी पाटिल कॉलेज, नंदुरबार	बात का शीर्षक: आयनिक तरल पदार्थय सामग्री विज्ञान में अणुओं के विज्ञान के बीच एक स्थायी पुल।
03:00.15.03:45 अपराह्न	समापन समारोह		
03:45.04:00 अपराह्न	भोजन		



डॉ. गजेंद्र दीक्षित, वरिष्ठ प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, मैनिट, भोपाल ने 'इनोवेशन और स्टार्टअप्स' पर अपने विचार रखे। डॉ.(श्रीमती) उमा शर्मा, डीन, प्रोफेसर और अध्यक्ष, रसायन विज्ञान एवं जैव रसायन अध्ययन स्कूल, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन; डॉ. सविता दीक्षित, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, मैनिट, भोपाल; डॉ. शैलेश एस. साबले, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा, एडमॉन्टन, अल्बर्टा, कनाडा; और डॉ. रविंद्र पी. जुमड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, जीएआरडीपी, जिनेवा, स्विट्जरलैंड ने भी अपने विचार व्यक्त किए और प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर. एस. रामटेके, जी.एस. टॉम्पे आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, चांदूर बाजार ने की। डॉ. विजय टॉम्पे, सचिव, जी.एस. टॉम्पे महाविद्यालय सार्वजनिक ट्रस्ट, चांदूर बाजार, और प्रो. एन.एस. गजबिये, पूर्व कुलपति, डॉ. एच.एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर, और पूर्व कुलपति, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, नागपुर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ए.एस. असवार थे। डॉ. एम.एम. कोडापे, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, एसजीबीएयू अमरावती, और डॉ. जे.एम. बराबड़े, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, एसजीबीएयू अमरावती को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम को प्रतिभागी प्रतिनिधियों, जैसे डॉ. एन.डी. गवहाले, कार्यशाला संयोजक, डॉ. पी.पी. चौधरी, सह-संयोजक, डॉ. एस.एस. उबरहांडे, आयोजन सचिव, डॉ. एन.एस. दीक्षित और श्री पी.आर. यावले, संयुक्त सचिव से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। कार्यशाला का समापन डॉ. एस.एस. उबरहांडे, आयोजन सचिव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

# देशीजनती

सागर सवळे न्युज

टोम्पे महाविद्यालयात उद्यापासून रसायनशास्त्र विषयाची 'राष्ट्रीय कार्यशाळा'

► देश-विदेशातील तज्ज्ञ मंडळी करणार मार्गदर्शन ► पत्रकार परिषदेत आयोजकांची माहिती

देशोन्ती वृत्तसंकलन...

जसापूर ■ चांद्रबाजार येथील गो. सी. टोम्पे कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालयात रसायनशास्त्र विभागातर्फे राष्ट्रीय परिषदेव्ये आयोजन करण्यात आले. ही परिषद 'रीसेंट अप्रोवेस इन मटेरियल रिसर्च' या विषयावर असून सदर कार्यशाळा नेशनल अविडम्बी ऑफ सायरसेस आणि रसायनशास्त्र विभाग याच्या संयुक्त विद्यमानाने होणार आहे.



या कार्यशाळेत देश आणि यूनिव्हर्सिटी, प्रोफेसर विनेश कुमार, सेंट्रल गुजरात यूनिव्हर्सिटी, प्रोफेसर कर्लेज नंदुदाबा आदि तज्ज्ञ मंडळी अभ्यासपूर्ण अतिथी व्याख्याने होणार आहेत. एन. दवे, एसपी युनिव्हर्सिटी, विद्यानगर, प्रोफेसर कमलेश कुमार, गुला, आरझे कॉमर्स अण्ड सायरस मोलांचे सहकाऱ्य लाभले. सदर कार्यशाळेस संस्थेचे अध्यक्ष भास्कर टोम्पे, संस्थेचे सचिव विजय ठोम्ये, प्राचार्य डॉ. राजेंद्र रामटके, डॉ. नंदकिशोर गडकळे यांनी पारिसदातील व जिल्हातील संशोधक, अभ्यासक, महाराष्ट्रातील जवळपास २०० प्राच्यापक, विद्याव्यापी मोठ्या संख्येने उपस्थित राहून कार्यशाळेचा लाभ प्राच्यापक उपस्थित राहणार आहेत. घेण्याचे आवाहन केले आहे.

या कार्यशाळेत डॉ. पी. पी. वडगावकर, नैशनल केमिकल शिवास, पैडिट रवीशंकर शुक्ला लंजोरेटरी, पुणे डॉ. डॉ. डॉ. दवे पुणे यूनिव्हर्सिटी, रायपूर, प्रोफेसर हितेश विद्यापीठ, पुणे, प्रोफेसर गजेंद्र दीक्षित कुलकारी, सेंट्रल यूनिव्हर्सिटी ऑफ गुजरात, डॉ. रवीन्द्र जुमडे, सीनियर भोपाल, प्रोफेसर उमा शर्मा, उजैन

## उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर)

### झग जागरूकता कार्यक्रम और स्ट्रीट प्ले

**ना** सी एन.ई.आर लोकल चैप्टर ने सेंट सैमला कैथोलिक उप-जिला लुम मावथु, मावटवार, लुम्मावसिंग, ईस्ट खासी हिल्स जिला, मेघालय के सहयोग से 22 अप्रैल 2023 को 'झग्स से ना कहें' शीर्षक से झग दुरुपयोग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण स्कूल के बच्चों द्वारा 'युवाओं में झग्स के दुरुपयोग' पर आधारित स्ट्रीट प्ले था।



कार्यक्रम की शुरुआत सेंट सैमला के अध्यक्ष श्री जेफरी एस. थांगखिउ के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद नासी, एन.ई.आर चैप्टर की गतिविधियों पर प्रो. एस.आर. जोशी, सचिव, ने जानकारी दी।



सेंट सैमला के सदस्यों द्वारा स्वागत गीत 'आओ एक बेहतर दुनिया बनाए' प्रस्तुत किया गया। इसके बाद मन्बा फाउंडेशन के निदेशक श्री टोनी सिएमलिअह ने 'माता-पिता और बच्चों के साथ समय बिताने का महत्वः उपेक्षा और समस्याएँ' पर एक वार्ता दी। मन्बा फाउंडेशन झग्स और शराब के आदी लोगों के सुधार और पुनर्वास के लिए काम करता है।



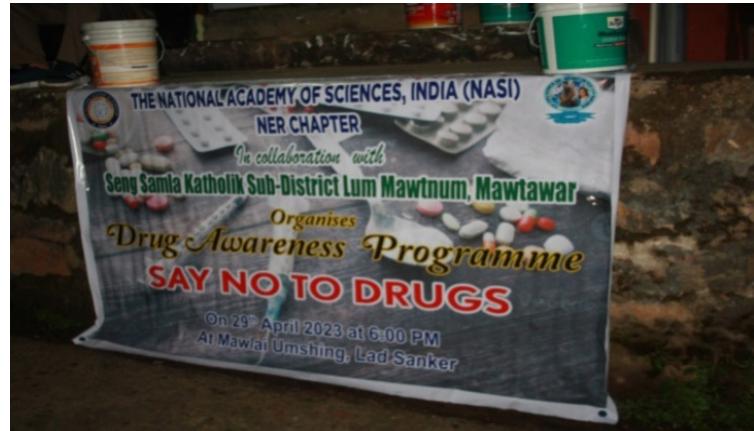
इसके बाद स्थानीय स्कूल के बच्चों ने एक स्ट्रीट प्ले प्रस्तुत किया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे परिवार और दोस्तों द्वारा उपेक्षित बच्चा साथियों के दबाव और निराशा के कारण ड्रग्स की ओर बढ़ सकता है। युवा और बुजुर्ग सभी लोगों ने सड़क पर खड़े होकर इस प्ले को देखा और उसकी सराहना की। बेलफॉन्टे सामुदायिक केंद्र की सिस्टर हेलेन पुवेन, जो कम भाग्यशाली लोगों को सहायता प्रदान करती हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता बच्चों को ड्रग्स के खतरे से कैसे अवगत करा सकते हैं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन और प्रार्थना श्री रिडामॉन सिन्नाह और श्री रिचर्ड रानी द्वारा की गई।



कार्यक्रम में शामिल लगभग 80 प्रतिभागियों ने अनुरोध किया कि इसी तरह का कार्यक्रम अन्य स्थानों पर भी आयोजित किया जाए, क्योंकि स्ट्रीट प्ले स्थानीय लोगों को ड्रग्स के दुरुपयोग के खतरों को समझाने का एक प्रभावी तरीका है।

## स्ट्रीट प्ले-कम-जागरूकता कार्यक्रम

नासी एन.ई.आर. लोकल चैप्टर ने सेंट सैमला कैथोलिक लुम मावथु, मावटवार, ईस्ट खासी हिल्स जिला, मेघालय के सहयोग से 29 अप्रैल 2023 को एक स्ट्रीट प्ले और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका मुख्य विषय 'युवाओं में सब्स्टेंस दुरुपयोग' था। कार्यक्रम की शुरुआत सेंट सैमला के अध्यक्ष श्री जेफरी एस. थांगखिउ के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद प्रो. एस.आर. जोशी ने नासी एन.ई.आर चैप्टर की गतिविधियों पर जानकारी दी। स्वागत गीत 'आओ एक बेहतर दुनिया बनाएं' सेंट सैमला के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद श्रीमती समंदा खरनॉयर ने 'सब्स्टेंस दुरुपयोग और इसके आसान लक्ष्य' पर एक वार्ता दी। मन्बा फाउंडेशन ड्रग्स और शराब के आदि लोगों के पुनर्वास के लिए काम करता है। इसके बाद सेंट सैमला के सदस्यों ने एक स्ट्रीट प्ले प्रस्तुत किया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे उपेक्षित बच्चे सब्स्टेंस दुरुपयोग की ओर जा सकते हैं। इस प्ले को देखकर युवा और बुजुर्ग सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।



सिस्टर हेलेन पुवेन ने माता-पिता की आधुनिक दिनों में अपने बच्चों को पालने की चुनौतीपूर्ण भूमिका पर बात की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती लिसा एम थामाह ने किया और प्रार्थना श्री रिचर्ड रानी ने की। स्थानीय प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की और नासी लोकल चौप्टर और स्थानीय संगठन द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन प्रो. एस.आर. जोशी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



### 'जैव विविधता के संदर्भ में विज्ञान का लोकप्रियकरण' पर कार्यक्रम

नासी एनईआर लोकल चैप्टर ने सिविकम राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, सिविकम सरकार के सहयोग से 2 मई 2023 को गंगटोक के चिंतन भवन में 'जैव विविधता के संदर्भ में विज्ञान का लोकप्रियकरण' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।



दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एस.के. बारिक ने की, जो कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं और वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. मंजू शर्मा (वर्चुअल रूप से), नासी की नई पहलों की अध्यक्ष और नासीकी पूर्व अध्यक्ष, श्री बी.पी. प्रधान, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सिविकम सरकार, प्रो. अविनाश खरे, कुलपति, सिविकम विश्वविद्यालय, और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक शामिल थे। कार्यक्रम में गंगटोक के विभिन्न स्कूलों के 250 से अधिक छात्र, नासी के सदस्य, शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सिविकम सरकार, श्री बी.पी. सभी वक्ताओं और



प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, उन्होंने राज्य के बनस्पतियों और जीवों, इसकी जैव विविधता का अवलोकन प्रदान किया और ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते मुद्दे को संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस के प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग के जेसी बोस फेलो प्रोफेसर परमजीत खुराना ने एनएसआई के महिला कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। अपनी प्रस्तुति के दौरान, उन्होंने उन पहलों का अवलोकन प्रदान किया जो नासी ने विभिन्न ग्रामीण और राज्य-स्तरीय प्लेटफर्मों पर की हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्थायी जैव विविधता के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नासी के मिशन से अवगत कराया और विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की जिसमें नासी ने भाग लिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वक्ताओं द्वारा साझा की गई अंतर्दृष्टि जैव विविधता हॉटस्पॉट के संदर्भ में फायदेमंद साबित होगी।

स्थानीय अध्याय गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय एनएसआई के पूर्वोत्तर अध्याय के सचिव प्रोफेसर एसआर जोशी द्वारा दिया गया। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि युवा भारत के भविष्य को आकार देने की कुंजी रखते हैं। उन्होंने विज्ञान के महत्व और युवा पीढ़ी के बीच इसके अध्ययन को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने संसाधनों के सतत उपयोग में अंतर्दृष्टि प्रदान की, एक स्थायी तरीके से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विज्ञान को बढ़ावा देने में प्रतिनिधियों के योगदान को स्वीकार किया और छात्रों से कार्यशाला का लाभ उठाने का आग्रह



किया। उद्घाटन सत्र के लिए धन्यवाद ज्ञापन नासी मुख्यालय, प्रयागराज में युवा महिला वैज्ञानिक डॉ. अर्चना पंत द्वारा दिया गया।

'जैव विविधता के संरक्षण और उपयोग' पर पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर अविनाश खरे, कुलपति सिविकम विश्वविद्यालय ने की, जिसकी सह-अध्यक्षता प्रोफेसर परमजीत खुराना, जेसी बोस नेशनल फेलो डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस ने की। अरुण के. पांडे, कुलपति, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल, एमपी ने 'हिमालयी फूलों के पौधे: विविधता और संरक्षण और सतत उपयोग के लिए रणनीतियाँ' पर बात की और हिमालयी जैव विविधता के लिए प्रमुख खतरों के बारे में उल्लेख किया। उत्पल बोरा, आईआईटी, गुवाहाटी ने 'कीट जैव विविधता के विशेष संदर्भ के साथ विज्ञान को लोकप्रिय बनाना' पर बात की। उन्होंने पर्यावरण और हमारे जीवन में कीड़ों की प्रासंगिकता और भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। एस.

के बारिक, वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, एनईएचयू, शिलांग; पूर्व निदेशक, सीएसआईआर—एनबीआरआई, लखनऊ ने जैव विविधता के महत्व पर गहराई से चर्चा की, इसके मूल्य को बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनएसआई द्वारा की गई सफल पहलों के बारे में बात की और जैव विविधता के संरक्षण के लिए वनस्पतियों और जीवों के अध्ययन की आवश्यकता पर बल देते हुए छात्रों को जैव विविधता क्षेत्र का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। दूसरा सत्र 'पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी' पर केंद्रित था, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर तरुण चंद्र बोरा, कुलपति कृष्णगुरु आध्यात्मिक विश्वविद्यालय नस्त्र, बारपेटा, असम ने की और इसकी सह-अध्यक्षता डॉ. सुचित्रा बनर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर—सीआईएमएपी, लखनऊ ने की। डॉ. राजेंद्र डोभल, पूर्व महानिदेशक, यूसीओएसटी, देहरादून ने 'भारतीय हिमालयी क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका' पर बात की। उन्होंने भारतीय महिलाओं के नेतृत्व में कई आंदोलनों के बारे में उल्लेख कियाय और संयुक्त राष्ट्र पुरस्कारों से मान्यता प्राप्त विभिन्न महिलाओं को चित्रित करके उनकी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। लता रंगन, बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी गुवाहाटी ने 'पूर्वोत्तर भारत के पारिस्थितिकी तंत्र और संरक्षण प्रयासों' पर बात की। उन्होंने कुछ उदाहरण दिए जहां महिलाएं आगे आई और स्थायी संरक्षण प्रथाओं की दिशा में कदम उठाए। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण में महिलाओं की भूमिकाओं को निर्दिष्ट किया अर्थात् प्राकृतिक पर्यावरण के प्रबंधकों के रूप में; सतत विकास में पुनर्वासकर्त्ताओं के रूप में; और नए वातावरण में उपयुक्त प्रौद्योगिकी के उपयोग में नवप्रवर्तनकों के रूप में। डॉ. भारत कुमार प्रधान, सिविकम जैव विविधता बोर्ड, वन विभाग, सिविकम सरकार ने 'महिलाओं के बीच संबंध, जैव विविधता संरक्षण और आजीविका' का एक व्यापक विवरण प्रदान किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा लागू की गई स्थायी तकनीकों और उनके नेतृत्व में आंदोलनों पर चर्चा की।

प्रमोद टंडन, एनएसआई मानद वैज्ञानिक और पूर्व कुलपति, एनईएचयू, शिलांग और सीईओ, बायोटेक पार्क, लखनऊ ने अध्यक्षता की, जबकि डॉ. जी. नरहरि शास्त्री, निदेशक, उत्तर—पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट सह-अध्यक्ष थे। पहले वक्ता, डॉ. ए. ए. माओ, निदेशक, बीएसआई, कोलकाता ने 'भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पौधों की विविधता और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए इसकी क्षमता' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। दूसरे वक्ता, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पार्थ प्रतिम बरुआ ने पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्र में पाए जाने वाले शैवाल की विविधता और जैव विविधता में उनके महत्व पर प्रकाश डाला।

समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. मंजू शर्मा और सह-अध्यक्षता प्रोफेसर परमजीत खुराना ने की। डॉ. अमित घोष, मुख्य संपादक, नासी प्रकाशन, प्रोफेसर अनुपम चटर्जी, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, एनईएचयू, शिलांग; एनएसआई के पूर्वोत्तर चैप्टर के अध्यक्ष, सिविकम सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान निदेशक डॉ. भरत वशिष्ठ और एनएसआई के पूर्वोत्तर चैप्टर के सचिव प्रोफेसर एसआर जोशी ने संबंधित सत्रों और पूरे कार्यक्रम पर संक्षिप्त टिप्पणी प्रदान की। छात्रों को इंटरैक्टिव सत्र के दौरान वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारियों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष के शुक्ला, सहायक कार्यकारी सचिव, नासी मुख्यालय, प्रयागराज द्वारा प्रस्तुत किया गया।

## 'दंत स्वास्थ्य और स्वच्छता' पर कार्यक्रम

राश्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज एनईआर चौप्टर ने 11 मई, 2023 को इंडियन डेंटल एसोसिएशन मेघालय स्टेट ब्रांच के सहयोग से नॉनमेनसॉना डोरबार सेकेंडरी स्कूल, नोंगमेनसॉना, ईके हिल्स, मेघालय में 'कम्युनिटी डेंटल हेल्थ' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रधानाध्यापिका के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने स्कूल के मिशन और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नोंगमिनसॉना डोरबार सेकेंडरी स्कूल की स्थापना वर्ष 1998 में डोरबार 'नोंग नोंगमिनसॉना द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य वंचित समुदायों और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले स्कूली बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना था। स्कूल वंचित समुदाय से आने वाले छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है।

प्रोफेसर एसआर जोशी द्वारा क्षेत्र के कम विशेषाधिकार प्राप्त आदिवासी छात्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ एनएसआई की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त विवरण दिया गया, जिसके बाद 'ओरल हाइजीन' पर डॉ. फ्रेडी खरमावलोंग द्वारा एक लोकप्रिय वार्ता और प्रदर्शन किया गया, जिसमें 120 छात्रों ने भाग लिया। प्रदर्शन चरणबद्ध तरीके से दिया गया जिसमें 300 छात्रों ने भाग लिया।



प्रोफेसर एसआर जोशी के साथ स्कूल के शिक्षकों ने व्याख्यान और प्रदर्शन के बाद प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों को दंत चिकित्सा किट (टूथ ब्रश और टूथ पेस्ट युक्त) वितरित किया।

डॉ. फ्रीडी खरमावलोंग ने 'तंबाकू के दुष्प्रभावों' पर बात की और किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में दंत स्वच्छता की भूमिका के बारे में भी उल्लेख किया। कार्यक्रम का समापन नासी एनईआर चौप्टर के सचिव की ओर से सभी संबंधितों को ईमानदारी से धन्यवाद देने के साथ हुआ।





## 'उभरते वायरस और मानव स्वास्थ्य' पर लोकप्रिय व्याख्यान

नासी एनईआर लोकल चैप्टर द्वारा 16 मई, 2023 को स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, नेहू में 'इमर्जिंग वायरस एंड ह्यूमन हेल्थ' पर एक लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया था।

'सार्स कोरोनावायरस प्रकोप से सबक लेक लेन्स' शीर्षक वाला व्याख्यान डॉ. स्टालिन राज, स्कूल ऑफ बायोलॉजी, आईआईएसईआर, तिरुवनंतपुरम, केरल द्वारा दिया गया था।



कार्यक्रम में जीवन विज्ञान पृष्ठभूमि वाले एनईएचयू के छात्रों और शोध विद्वानों ने भाग लिया। व्याख्यान की शुरुआत नासी एनईआर लोकल चैप्टर के सचिव प्रो एसआर जोशी द्वारा नासी की गतिविधियों और स्पीकर के परिचय के बारे में संक्षिप्त विवरण के साथ हुई। उन्होंने कुछ स्वास्थ्य पहलुओं, स्वच्छता और उभरती बीमारियों से सुरक्षा और सुरक्षा प्रोटोकॉल के महत्व पर जोर दिया। डॉ. स्टालिन ने अपने भाषण में जूनोटिक वाहकों के साथ उभरती बीमारियों, वायरस की खोज और वायरस—मानव बातचीत पर एक विस्तृत प्रस्तुति प्रदान की।

उन्होंने कोरोनावायरस के इतिहास (कोविड –19 तक) और प्रकोप के लिए मानव प्रतिक्रिया के साथ शुरुआत की। उन्होंने टीकों के बारे में बात की और बताया कि कैसे भारत ने इतने कम समय में विकास का नेतृत्व किया। उन्होंने हमारे देश में उपलब्ध वायरस अनुसंधान की गुंजाइश और इसे आगे बढ़ाने के लिए खोजे जाने वाले रास्तों के बारे में भी उल्लेख किया। वार्ता के बाद प्रश्न—उत्तर सत्र हुआ जिसमें छात्रों के प्रश्न आए, जिनका उत्तर डॉ. स्टालिन राज ने दिया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर एसआर जोशी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने आईआईटी, गुवाहाटी में अपने काम के अलावा एनईएचयू में आने के लिए डॉ स्टालिन राज का आभार व्यक्त किया।

## ‘संचारी रोग’ पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज एनईआर चैप्टर द्वारा 7 जुलाई, 2023 को नोग्रिम नोंगलाड्यू, रिभोई जिला, मेघालय में ‘संचारी रोग’ पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मैकमिलन नोंगखलॉ के स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसमें स्थानीय सिएम श्री फेरबियांग शादप ऑफ रेड इपनगर गेस्ट के रूप में, लॉमाली अस्पताल, शिलांग से डॉ. अमाजिनलिंग खरजाना की उपस्थिति में दिन के संसाधन व्यक्ति के रूप में और श्री के रिंघांग जो कार्यक्रम में एक साथ उपस्थित थे। इसके बाद प्रोफेसर एसआर जोशी, सचिव, नासी एनईआर चैप्टर द्वारा कार्यक्रम और नासी की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त ब्रीफिंग की गई। कार्यक्रम में डॉ. अमेगबेलिन खरजाना



का स्थानीय भाषा में लोकप्रिय व्याख्यान था, जिन्होंने विभिन्न प्रकार के संचारी रोगों और उचित आहार उपायों के साथ उनकी रोकथाम पर बात की थी। कार्यक्रम में विशेष रूप से आदिवासी महिलाओं ने भाग लिया जो गृहिणी होने के साथ—साथ पारंपरिक समाजों के नेता भी थे।



बाद में व्याख्यान के अंत में, भाग लेने वाली महिलाओं ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर बहुत सारे प्रश्न किए, जिनका जवाब डॉक्टर ने दिया।

कार्यक्रम में मेडिकल जांच जारी रही। प्रतिभागी अपने स्वास्थ्य के मुद्दों पर परामर्श (डॉक्टर के साथ) के लिए आगे आएय नुस्खे भी दिए गए। डॉ. अमेगमेलिन खरजाना की सराहना की गई और उनकी विशेषज्ञता और सार्थक व्याख्यान के लिए धन्यवाद दिया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी लाभान्वित हुए। साइम (कबीले के प्रमुख) श्री पिनबियांग शादाप ने भविष्य में दूरदराज के गांवों की बड़ी आबादी को लाभान्वित करने के लिए इस तरह के और कार्यक्रमों की अपील की।



## विज्ञान एक्सपोजर कार्यक्रम- 'विज्ञान में उत्साह' (स्कूली बच्चों के लिए)

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज एनईआर चैप्टर ने 21 जुलाई, 2023 को साइंस सेंटर, नेहू कैंपस शिलांग में स्कूली बच्चों के लिए एक दिवसीय 'साइंस एक्सपोजर प्रोग्राम' का आयोजन किया। पोमलाकरई प्रेस्बिटेरियन सेकेंडरी स्कूल सहित ग्रामीण सेटअप के लगभग 50 छात्रों और शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।



कार्यक्रम की शुरुआत पोमलाकरई प्रेस्बिटेरियन सेकेंडरी स्कूल के प्रोफेसर एसआर जोशी और श्री एस लमारे द्वारा नासी की गतिविधियों पर संक्षिप्त विवरण के साथ स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने ऐसी यात्राओं के महत्व पर प्रकाश डाला जो बच्चों के बीच विज्ञान में उत्साह को प्रोत्साहित करते हैं। छात्रों को श्री रेमिकी डखार द्वारा तारामंडल में ले जाया गया, जिन्होंने छात्रों की यात्रा को केंद्र में निर्देशित किया। श्री रेमिकी डखार ने छात्रों को खगोल विज्ञान के बारे में जानकारी दी और सौर मंडल के बारे में बताया।

श्री रेमिकी डखार बाद में छात्र को सभागार में ले गए, जहां उन्होंने जीवन की सम्भिता के बारे में समझाया जो नदी के करीब शुरू हुआ और वहां उन्होंने अन्य सभी गतिविधियों को जारी रखा जिसमें छात्र ने बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की और उनकी बातचीत का आनंद लियाय विज्ञान केंद्र के विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के बाद, छात्रों को दोपहर का भोजन दिया गया और प्रोफेसर एसआर जोशी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।





श्री रेमिकी डखर स्कूली छात्र के साथ बातचीत करते हुए

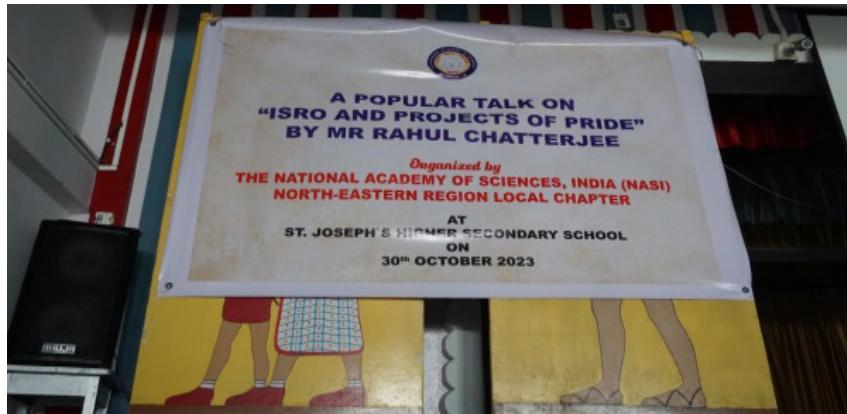


विज्ञान केंद्र का दौरा करते छात्र



## 'इसरो और गर्व परियोजना' पर एक लोकप्रिय व्याख्यान

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज एनईआर लोकल चैप्टर ने 30 अक्टूबर, 2023 को सेंट जोसेफ हायर सेकेंडरी स्कूल, शिलांग में 'इसरो एंड द प्रोजेक्ट ऑफ प्राइड' पर एक लोकप्रिय वार्ता का आयोजन किया।



कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर एसआर जोशी, सचिव, नासी एनईआर लोकल चैप्टर के स्वागत भाषण से हुई। उनके भाषण के दौरान नासी और उसके अध्यायों के बारे में एक संक्षिप्त अवलोकन भी प्रस्तुत किया गया।



इसरो एंड द प्रोजेक्ट ऑफ प्राइड' पर एक लोकप्रिय व्याख्यान जेल रोड बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल के सहायक व्याख्याता और राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता श्री राहुल चटर्जी द्वारा दिया गया था। कार्यक्रम में नौवीं और दसवीं कक्षा के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया। श्री चटर्जी ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान -3 की सफल लैंडिंग पर बात की। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा चंद्रयान को चंद्रमा के दक्षिणी में उतारने के चयन के कुछ विशिष्ट कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने नासा की यात्रा के दौरान विभिन्न संबंधित पहलुओं पर अपने अनुभव और





प्राप्त जानकारी को भी साझा किया। कार्यक्रम का समापन सेंट जोसेफ हायर सेकेंडरी स्कूल को जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए भाग लेने और रसद प्रदान करने के लिए आभार और धन्यवाद के साथ हुआ

### जेएनवी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय प्रयोगशालाओं के लिए एक खुला दिन

29 नवंबर, 2023 को एनईएचयू में पीएम श्री स्कूल— जवाहर नवोदय स्कूल, मुखला, वेस्ट जयंतिया हिल्स मेघालय के स्कूली बच्चों के लिए 'एन ओपन डे टू साइंस लेबोरेटरीज' नामक एक विज्ञान एक्सपोजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था



कार्यक्रम में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के 172 लड़कों और 221 लड़कियों सहित कुल 393 छात्रों ने 18 शिक्षकों के साथ भाग लिया। छात्रों को नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग के परिसर में उपलब्ध प्रयोगशाला सुविधाओं से अवगत कराया गया था।



इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों अर्थात् रसायन विज्ञान, जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, भूविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान आदि का दौरा शामिल था। इसके अलावा, छात्रों को परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा (एसएआईएफ) में भी ले जाया गया जहां इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, एएस, एफटीआईआर और एनएमआर; उन्हें वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए ऐसे उपकरणों की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

## जेएनवी के विज्ञान ज्योति छात्र समूह के लिए एक्सपोजर विजिट

जेएनवी के विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत छात्रों के लिए एक विज्ञान एक्सपोजर यात्रा 30 नवंबर, 2023 को नासी एनईआर लोकल चौप्टर द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय मुखला (10), जवाहर नवोदय विद्यालय मावफलांग (13), जवाहर नवोदय विद्यालय नोंगस्टोइन (10) और केन्द्रीय विद्यालय ईएसी अपर शिलांग (17) के छात्रों ने 4 शिक्षकों के साथ भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया और एनईएचयू कैंपस, शिलांग में उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग जैसे रसायन विज्ञान, जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, भूविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान आदि शामिल हैं।



## शिलांग विज्ञान केंद्र का एक्सपोजर दौरा

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज एनईआर लोकल चैप्टर ने 4 दिसंबर, 2023 को साइंस सेंटर नेहू शिलांग में एक दिवसीय साइंस एक्सपोजर प्रोग्राम का आयोजन किया। जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, नेहू के श्री मनसन रिंघांग ने नासी और इसके स्थानीय अध्यायों के बारे में जानकारी दी।



छात्र को दो समूहों में विभाजित किया गया था जिसमें एक समूह को तारामंडल में श्री रिमिकी उखर, शैक्षिक सहायक द्वारा पेश किया गया था, जो तारामंडल और सौर मंडल के कार्य के बारे में बताते हैं जिसमें छात्र उन्हें सौर मंडल और व्यक्तिगत ग्रह के गुणों के बारे में मूल विचार समझाते हैं, जहां उन्हें सौर मंडल में ग्रह की अवधारणा को सरल बनाने के लिए समझाया गया था।



दूसरे समूह को नवाचार हब में ले जाया गया जिसे श्री बैंजोप के, नोंगबरी द्वारा पेश किया गया था। उन्होंने रोबोटिक और अन्य उपकरणों आदि के उपयोगधकार्य और तंत्र के बारे में बताया। यह कार्यक्रम, जिसमें कक्षा 9 और कक्षा 10 के 70 छात्रों ने शिक्षकों के साथ भाग लिया, सेंट पीटर सेकेंडरी स्कूल ओंगकालुह खलीहरियात के प्रिसिपल को जिम्मेदारी लेने और छात्रों को वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए कृतज्ञता और धन्यवाद के साथ समाप्त हुआ।

# राजस्थान चैप्टर

## राजस्थान चैप्टर वर्ष 2023-24 के दौरान कुछ गतिविधियों का आयोजन किया

ईको एसडीजी शिखर सम्मेलन: जल और अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से एक हरित भविष्य की दिशा में नेविगेट करना। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जयपुर द्वारा भारत राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राजस्थान अध्याय के सहयोग से किया गया।

ईको एसडीजीशिखर सम्मेलन 2023 एक गतिशील और ज्ञानवर्धक सभा थी, जिसमें प्रसिद्ध पर्यावरणविद डॉ. राजेंद्र सिंह, जिन्हें व्यापक रूप से 'भारत के जल पुरुष' के रूप में जाना जाता है, की विशिष्ट उपस्थिति रही। इस अवसर पर आईएएस अधिकारी श्री अजीताभ शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर दर्शकों को सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित किया। प्रमुख वक्ताओं में नासी-राजस्थान अध्याय के अध्यक्ष और जेएनयू जयपुर के प्रो-चांसलर प्रोफेसर एच. एन. वर्माय नासी राजस्थान अध्याय के सचिव प्रो. एन. के. लोहीयाय एमेरिटस प्रोफेसर-एनएमएस, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुरय और विज्ञान भारती राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेंद्र शर्मा ने अपने अनमोल विचार और विशेषज्ञता साझा की। स्वागत भाषण डॉ. सुदिप्ति अरोड़ा, अनुसंधान वैज्ञानिक और डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जयपुर के सहायक निदेशक ने दिया, और नासी नई पहल की अध्यक्ष, पूर्व सचिव डीबीटी और नासी की अध्यक्ष डॉ. मंजू शर्मा ने ऑनलाइन संबोधन देकर कार्यक्रम को और समृद्ध किया।



(क)



(ख)



(ग)

क) मंच पर उपस्थित विशिष्ट वक्ताय (ख) आमत्रित अतिथि औरय (ग) प्रतिभागियों का दृश्य



## National Seminar on Priority Health Issues for Senior Citizens

Organized by

Narayana Multispeciality Hospital, Jaipur

*in collaboration with*

Rajasthan University Pensioners Association (RUPA) &  
National Academy of Sciences, India (NASI)-Rajasthan Chapter

आयोजन तिथि: 25 जून, 2023



**Dr. Devendra Kumar Shrimal**  
Director  
Cardiology



**Dr. Vijay Sharma**  
Senior consultant  
Orthopaedics and Joint Replacement



**Dr. Rohit Swami**  
Consultant  
Medical Oncology

## राष्ट्रीय संगोष्ठी: महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप

'महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन राश्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज और इसके राजस्थान अध्याय द्वारा पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर के सहयोग से 3 और 4 नवंबर 2023 को किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले मुख्य वक्ताओं में नासी के अध्यक्ष और आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक / सचिव डीएचआर और वर्तमान में एम्स, नई दिल्ली में कार्डियोथोरेसिक यूनिट के प्रमुख प्रो. बलराम भार्गव, पूर्व सचिव डीबीटी भारत सरकार और नासी न्यू इनिशिएटिव्स की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) मंजू शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर के प्रो. परमजीत खुराना, नासी राजस्थान अध्याय के अध्यक्ष और जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, नासी राजस्थान अध्याय के सचिव प्रो. एन. के. लोहिया, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के एमेरिटस प्रोफेसर, नासीके कार्यकारी सचिव



डॉ. संतोष के शुक्ला, पैसिफिक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, उदयपुर के समूह अध्यक्ष प्रो. बी. पी. शर्मा, पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर के अध्यक्ष प्रो. के. के. डेव, आयोजन सचिव और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. एस. डी. पुरोहित, और पैसिफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर के स्नातकोत्तर अध्ययन के डीन और सलाहकार प्रो. हेमंत कोठारी शामिल थे। वक्ताओं ने उद्घमिता के विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और नासी द्वारा युवाओं, विशेषकर युवतियों और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के प्रयासों पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लिया, जिनमें शिक्षाविद, स्कूल शिक्षक, शोधकर्ता, कॉलेज और स्कूल के छात्र, और नागरिक समाज के आमंत्रित अतिथि शामिल थे। सभी प्रमुख वक्ताओं की प्रस्तुतियाँ उत्कृष्ट और संगोष्ठी के विषय के अनुरूप थीं। आदिवासी महिलाओं, उद्घमियों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत ने सार्थक चर्चा का अवसर प्रदान किया।



Narayana Multispeciality Hospital, Jaipur  
is organizing

## Health Symposium

in collaboration with

National Academy of Medical Sciences (NAMS)-Rajasthan Chapter &  
National Academy of Sciences, India (NASI)-Rajasthan Chapter

On

**Sunday, 17<sup>th</sup> December, 2023 at 11.00 am**



**Dr. Vaibhav Mathur**  
Consultant  
Neurology(Brain)



**Dr. Ravi Kumar**  
Consultant Nephrologist  
and Renal Transplant Physician





## सर्प शिक्षा अभियान

वर्ष 2023 के दौरान, प्रो. के. के. शर्मा, महार्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पूर्व कुलपति और उनकी टीम द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें आरआर कॉलेज, अलवर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पैसिफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर, अग्रवाल कॉलेज, जयपुर, सुभाष महिला महाविद्यालय, जयपुर, एसकेजी, जयपुर, जेल प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर, राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, किशनगढ़, ईस्ट पॉइंट स्कूल अजमेर, जेडीबी गर्ल्स कॉलेज कोटा और अन्य कई संस्थान शामिल थे। इसके अलावा, 22 जनवरी 2024 को 'सर्प शिक्षा अभियान' (सर्प शिक्षा अभियान) नामक एक कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जो 'सर्पदंश मुक्त भारत' के राष्ट्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत आता है। इस अभियान के अंतर्गत सांपों की पहचान करने, जैसे विषैले, गैर-विषैले और कम विषैले सांपों की पहचान के लिए पोस्टरों का उपयोग किया गया और पुलिस तथा वन विभाग के स्वयंसेवकों द्वारा सहायता प्रदान की गई। साथ ही, सर्पदंश के बाद की जाने वाली 'प्रेशर इमोबिलाइजेशन तकनीक' और कुछ महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन भी ऑफलाइन प्रदर्शित किया गया।



## राष्ट्रीय विज्ञान सप्ताह 'साइफाई-2024'

'साइंस वीक साइफाई-2024' का आयोजन 21 से 28 फरवरी 2024 तक जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन क्वांटम साइंस द्वारा नासी के राजस्थान अध्याय के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भारत के सतत विकास को प्रोत्साहित करने वाली स्वदेशी तकनीकों के बारे में जागरूक करना था। जेएनयू जयपुर के छात्रों ने पोस्टर निर्माण, मॉडल निर्माण, प्रश्नोत्तरी, फोटोग्राफी, लघु फिल्म निर्माण, बहस, व्याख्यान, रंगोली, समीक्षा पेपर लेखन, नारे लेखन आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर आरएसएस संपर्क विभाग के अखिल भारतीय कार्यकारी सदस्य श्री रवि कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष, श्री मदन दिलावर, कैबिनेट मंत्री (स्कूल शिक्षा और पंचायती राज विभाग), राजस्थान सरकार और आरएसएस के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख श्री स्वंत रंजन विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।



जयपुर सिटी भास्कर 29-02-2024

### 'साइफाई' प्रोग्राम में स्टूडेंट्स ने पोस्टर, मॉडल और शॉर्ट मूवी बना दिखाया टैलेंट



**सिटी रिपोर्टर | स्टूडेंट्स स्वदेशी तकनीकों से अवगत होकर उनका उपयोग करे।** इसी उद्देश्य से जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में साइंस वीक के तहत 8 दिवसीय 'साइफाई' कार्यक्रम हुआ। इस दौरान पोस्टर और मॉडल मैट्रिक्शन, फोटोग्राफी, शॉर्ट मूवी, डिब्यूट जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। मुख्य अतिथि रवि कुमार ने कहा कि महान अनुशासन और आत्म श्रद्धा से काम करने पर विकास के रासने खुलेंगे। कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि स्टूडेंट्स में प्रतिस्पर्धी की भावना उन्हें आगे बढ़ाने में सहायक होगी। आरएसएस के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वंत रंजन ने कहा कि

आज स्वदेशी तकनीक से मिसाइल ईंट्री, लड़ाकू विमान और कई रक्षा उपयोगी उपकरणों का आविष्कार कर भारत आत्मनिर्भर बन रखा है। जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बवर्ही ने कहा कि 2035 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसमें आज के शिक्षित युवाओं का योगदान और राष्ट्रीय मिशन के साथ भागीदारी जरूरी है। जेएनयू के डायरेक्टर, रिसर्च एंड एक्डमिक्स के प्रो डॉ. योगेश चंद्र शर्मा ने कहा कि आईक्यूएसी सेल का उद्देश्य यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक, कला, प्रबन्धन आदि सभी शैक्षणिक प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की झलकियां और प्रेस कवरेज

## 'शोध पद्धति और बायोस्टैटिस्टिक्स, शोध प्रस्ताव और पेपर लेखन' पर राष्ट्रीय कार्यशाला

चैप्टर ने 6 मार्च, 2024 को 'शोध पद्धति और बायोस्टैटिस्टिक्स, शोध प्रस्ताव और पेपर लेखन' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के लिए कुल 75 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें स्वास्थ्य कल्याण समूह के संकाय सदस्य, पीजी और पीएचडी विद्वान शामिल थे। डॉ. (श्रीमती) मंजू शर्मा, भारत सरकार की पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग नासी-न्यू इनिशिएटिव्स, नई दिल्ली की चेयरमैन ने उद्घाटन भाषण ऑनलाइन दिया। डॉ. वी. एम. काटोच, पूर्व सचिव, डीएचआर और डीजी-आईसीएमआर ने मुख्य भाषण प्रस्तुत किया, और प्रो. एन. के. लोहिया, डॉ. अरुण चौगुले, डॉ. विनोद कुमार एसवी, डॉ. अनुप खन्ना और डॉ. डी. पी. सिंह ने सम्मेलन के विषय से संबंधित आमंत्रित वार्ताएं दीं।

**National Workshop**  
On  
**"Research Methodology & Biostatistics,  
Research Proposals & Paper Writing"**  
**Wednesday, 6 March 2024**  
Organized by  
**Swasthya Kalyan Homoeopathic Medical College & Research Centre, Jaipur**  
&  
**The National Academy of Sciences, India (NASI), Rajasthan Chapter**

**VENUE**  
**10-A, Institutional Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur, Rajasthan - 302022**

**Speakers:**  
Dr. V. M. Katoch  
Professor, Homoeopathy & Research  
Dr. Manju Sharma  
Professor, Homoeopathy & Research  
Dr. N. K. Lohiya  
Secretary, Dean, Faculty of Research & Development  
Dr. Arun Chougule  
Dean & Head, Academic Department of Research & Innovation Group  
Dr. Vinod Kumar SV  
Professor, Public Health & Epidemiology  
Dr. Anoop Khanna  
Professor, Research & Development  
Dr. J. P. Singh  
Professor, Statistics, Mewar University

## 'सर्प शिक्षा अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम

'सर्प शिक्षा अभियान' के तहत 29 मार्च, 2024 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. के. के. शर्मा ने यह प्रदर्शित किया कि समय पर उपचार और जागरूकता के साथ सर्पदंश की घटनाओं को कैसे कम किया जा सकता है। उन्होंने सर्पदंश मुक्त भारत प्राप्त करने के लिए विभिन्न रणनीतियों का वर्णन किया।

**Swasthya Kalyan Group**  
In Association with  
**National Academy of Sciences, India (NASI) – Rajasthan Chapter**  
Jointly Organizing

**National Seminar**  
On

**सर्प शिक्षा अभियान**  
**सर्पदंश मृत्युविहीन भारत**

**Friday, 29th March, 2024**  
at  
**Institute of Medical Technology and Nursing Education, Jaipur**



**सर्व दंश विहीन भारत पर हुई सेमिनार में वक्ताओं ने बताया...**

## **जागरूकता से बचा सकते हैं 50 हजार लोगों का जीवन**

जयपुर, समाचार जगत न्यूज़. सीलांगुरा रिथ खास्य कल्याण गुरु के इन्स्टीट्यूट ऑफ मॉडेकल टेक्नोलॉजी एंड नर्सिं एजुकेशन एवं नेशनल एकेडमी सांसेज इंडिया चेटर राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को खास्य कल्याण गुरु में सर्प दंश विहीन भारत पर सेमिनार का आयोजन कर सर्प शिक्षा अधियान के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। सेमिनार के इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कै.के. शर्मा राष्ट्रीय संयोजक- सर्प



शिक्षा अधियान एवं पूर्व कृतिपति एम श्रद्धा अग्रवाल, डॉ. अरुण चौगले डॉ एस योर्विविस्ती अजमेर, विशिष्ट एकेडमिक डॉन स्वास्थ्य कल्याण अतिथि डॉ. एन.के. लोहिया नेशनल गुरु, डॉ. सतीप कुमार अवस्थी एकेडमी सांसेज इंडिया, खास्य प्राचार्य नर्सिं कॉलेज एवं विभिन्न कल्याण गुरु की हड्ड औंपशन कॉलेजों के प्राचार्य, उपप्राचार्य,

लक्षणों व प्राथमिक उपचार के बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कै.के. शर्मा आपने भाषण में युवाओं को विभिन्न प्रश्नों को दीड़े तरीके से संबोधित करते हुए वे सभी विभिन्न तथा सांस्कृतिक सेवनों से संबोधित होते हुए उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. एन.के. लोहिया ने डॉ. कै.के. शर्मा ने सर्प दंश विहीन के बारे में एक जानकारी दी जिसका उपयोग लोगों तक पहुंचाने के अभी तक की तया आमतज को जागरूक होने के लिए प्रतिष्ठित किया।

आच्युपकरण व छात्र-छात्राएं में जानकारी प्राप्त कर आपने आस उपस्थित थे कार्यक्रम में स्वागत पास रिसेदोरों में जानकारी साझा भाषण डॉ. सतीश कुमार अवस्थी ने करने की अपील की जिससे लगभग अपने डॉकोमेंट में सभी चिकित्सकोंमें 50 हजार लोगों का सर्प दंश उपचार एवं स्वास्थ्यकर्मों को सर्प दंश के बारे जीवन बदला जा सकता है।

# उत्तराखण्ड चैप्टर

चैप्टर द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

## शोध के संभावित फोकस क्षेत्रों पर विचार-विमर्श सत्र

नासी-उत्तराखण्ड चैप्टर और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, जोली ग्रांट, देहरादून, उत्तराखण्ड द्वारा 2 जून, 2023 को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय में संयुक्त रूप से एक विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पद्म भूषण डॉ. मंजू शर्मा, पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली और नासीन्यू इनिशिएटिव्स की चेयरमैन, और प्रो. परमजीत खुराना, जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो, पौध आणविक जीवविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, दिल्ली उपस्थित थे। इस सत्र का उद्देश्य अंतर्दृष्टियाँ



एकत्र करना, विचार उत्पन्न करना, और शोध के ऐसे क्षेत्रों की प्राथमिकता तय करना था जो विश्वविद्यालय की दृष्टि और मिशन के साथ मेल खाते हों और शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव में योगदान दें। इस सत्र में माननीय कुलपति, सामरिक योजना और अनुसंधान एवं विकास के निदेशक, निदेशकों और प्रधानाचार्यों ने विशेषज्ञोंधक्ताओं के साथ बातचीत की जिन्होंने विश्वविद्यालय में शोध के संभावित फोकस क्षेत्रों की पहचान की और चर्चा की।

## पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन (ई वाश-2023) "एक हरित भविष्य की योजना बनाना"

चैप्टर ने 22 और 23 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज 'स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी', 'सेव द एनवायरनमेंट' (एक समाज जो अनुसंधान जागरूकता और सामाजिक विकास के लिए समर्पित है), कोलकाता/गुरुग्राम और 'डीएवी (पीजी) कॉलेज', देहरादून के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन के उप-विषय थे: 1. सतत प्रौद्योगिकी में जैव प्रौद्योगिकी की प्रगति 2. सीवेज और अपशिष्ट जल का जैविक उपचारय 3. पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स 4. बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचराय 5. जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य

6. जल और अपशिष्ट जल प्रबंधनय 7. जल संरक्षण के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोगय 8. जल संचयन के लिए परिवर्तनकारी तकनीकय 9. पर्यावरण के लिए एसडीजी: जलवायु परिवर्तन का प्रबंधनय 10. कृषि विकास के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोगय 11. स्वच्छ पानी और हरित पृथ्वी के लिए नैनो तकनीकय 12. मौजूदा पर्यावरण नीतियों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन और नई या संशोधित नीतियों की आवश्यकताय 13. भू विविधता का मूल्यांकन और इसका पर्यावरणीय कारकों पर प्रभावय 14. पर्यावरण विकास के लिए अर्थशास्त्र: संभावनाएं और विकल्पय 15. एक स्थायी भविष्य के लिए ग्रीन केमिस्ट्रीय 16. प्रदूषण में कमी के माध्यम से स्वास्थ्य में प्रगतिय 17. पारंपरिक औषधियों को चिकित्सीय रूप में पुनः प्रयोजन देना और जैव ईंधन को एक पर्यावरण—हितैषी रणनीति के रूप में देखना। इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप निम्नलिखित सिफारिशें/परिणाम सामने आए:

- (i) उन्नत सहयोग: विभिन्न क्षेत्रों के हितधारक एकजुट होकर सतत समाधानों के लिए कार्यरत हुए।
- (ii) नवीन रणनीतियाँ: पर्यावरण, जल, कृषि और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए नई विधियों का निर्माण किया गया।
- (iii) नीति सिफारिशें: एक हरित भविष्य और शुद्ध पृथ्वी सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखाएं प्रस्तावित की गईं।
- (iv) जन जागरूकता: लंबे समय तक स्थिरता के लिए नीले और हरे वातावरण की रक्षा के प्रति समझ और प्रतिबद्धता में वृद्धि हुई।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

चैप्टर ने 28 फरवरी, 2024 को 'राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज' और 'स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, जोली ग्रांट, देहरादून' के साथ मिलकर 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024' के लिए थीम "विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी" का अनावरण किया। गतिविधियाँ कई दिनों तक जारी रहीं। एक विविध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसके लिए 24 मार्च, 2024 को आयोजित स्क्रीनिंग राउंड में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। 28 मार्च, 2024 को आयोजित अंतिम राउंड के लिए 6 टीमों का चयन किया गया। हिमालयन स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज के प्रतिभागियों की टीम प्रथम विजेता घोषित की गई, जबकि हिमालयन स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की टीम दूसरे स्थान पर और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की टीम तीसरे स्थान पर रही।





## 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्तराखण्ड में महिला सशक्तिकरण' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्तराखण्ड में महिला सशक्तिकरण' पर कार्यशाला का आयोजन 29 और 30 मार्च, 2024 को स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, जोली ग्रांट, देहरादून द्वारा नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया, उत्तराखण्ड अध्याय, देहरादून और स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम ने उत्तराखण्ड की महिलाओं द्वारा सामना किए जा रहे चुनौतियों के प्रति एक सक्रिय प्रतिक्रिया के रूप में उभरकर सामने आया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग करके लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और उत्तराखण्ड में क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करना था। कार्यशाला ने स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान देने और इससे लाभान्वित होने के समान अवसर देने की दिशा में काम किया।



इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण के बहुआयामी स्वरूप को मान्यता देना था। यह पारंपरिक लिंग भूमिकाओं और रुद्धियों को चुनौती देना, महिलाओं के नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिकाओं को प्रोत्साहित करना और स्टेम के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाकर एक अधिक न्यायसंगत और समान समाज का निर्माण करना था। स्टेम में महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए यह कार्यशाला नासी के व्यापक मिशन के साथ मेल खाती है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देना है। संक्षेप में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता के माध्यम से उत्तराखण्ड में महिला सशक्तिकरण ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करने और ज्ञान शिक्षा और करियर में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से एक समावेशी और समान समाज बनाने की दिशा में कई संभावनाएं उत्पन्न की हैं।

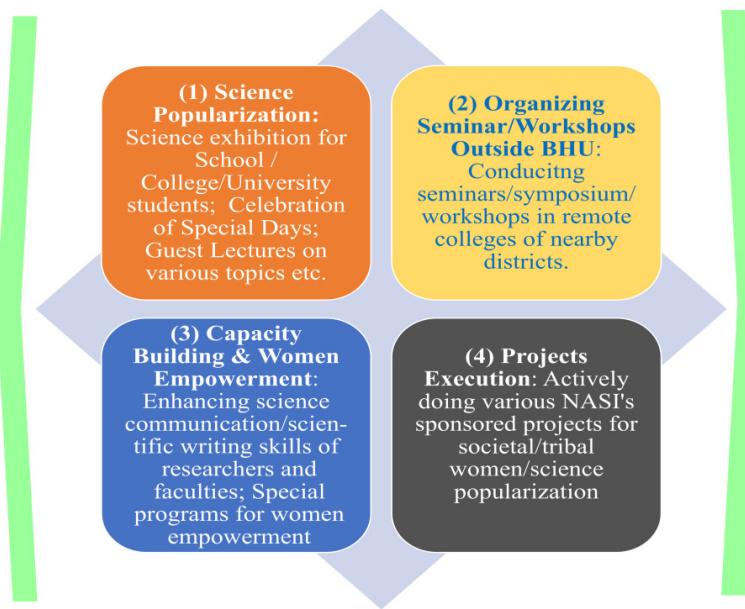
- क. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।
- ख. उत्तराखण्ड में स्टेम क्षेत्रों में रुचि रखने वाली महिलाओं के लिए नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करना।
- ग. स्टेम में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए रणनीतियाँ और सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करना।
- घ. स्टेम में महिलाओं का समर्थन करने के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और सरकारी संगठनों के बीच सहयोग स्थापित करना।

डॉ. राजेंद्र डोभाल, एसआरएचयू के कुलपति, ने अनुसंधान प्रयासों को आगे बढ़ाने में संस्थान की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया, जिसमें अनुसंधान उद्देश्यों के लिए समर्पित धनराशि के आवंटन को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

डॉ. संतोष कुमार शुक्ल, कार्यकारी सचिव, नारसी, ने राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा विज्ञान और समाज कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला, जिसमें नारी की स्थापना से अब तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विवरण दिया गया।

## वाराणसी चैप्टर

**ना** सी—वाराणसी चैप्टर नासी की विभिन्न विज्ञान लोकप्रियकरण और समाज कल्याण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है, जो नासी के दो प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। इसके लिए स्थानीय अध्याय चार प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता है, जैसे (प) स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, 'विश्व पर्यावरण दिवस', 'विश्व जैव विविधता दिवस' आदि विशेष दिनों का उत्सव और विभिन्न विषयों पर अतिथि व्याख्यान; (पप) वाराणसी और आसपास के जिलों के दूरस्थ कॉलेजों में संगोष्ठी/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ आयोजित करना; (पपप) शोधकर्ताओं और संकायों के वैज्ञानिक लेखन कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रमों का संचालन करना; (पअ) समाज/जनजातीय महिलाओं/विज्ञान समुदाय के लिए नासी द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ।



नासी—वाराणसी स्थानीय चैप्टर द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों का योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, स्थानीय अध्याय ने कुल 19 कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें से एक विशेष व्याख्यान था 'मिलेट जीनोमिक्स में प्रगति और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा' पर, जो कि डॉ. मनोज प्रसाद, एनआईपीजीआर द्वारा बॉटनी विभाग, आईएससी, बीएचयूमें (20 मई, 2023) आयोजित किया गया; 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर मास्टर्स और पीएचडी छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई (5 जून, 2023)य 'सतत कृषि और यूएन—एसडीजी' पर बी.एससीकृषि छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित किया गया, कृषक पीजी कॉलेज, राजगढ़, मिर्जापुर में (7 जुलाई, 2023); 'अ लाइट एंड मैप काइनेज सिग्नलिंग के बीच क्रॉसटॉक' पर विशेष व्याख्यान दिया गया, जो कि डॉ. आलोक

कृष्ण सिन्हा, वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा बॉटनी विभाग, विज्ञान संस्थान, बीएचयूमे (1 अगस्त, 2023) आयोजित किया गया; अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन पर विशेष व्याख्यान दिया गया, जो कि डॉ. अखिलेश गुप्ता, सचिव, सर्व द्वारा एसएस जोशी हॉल, रसायन विभाग, आईएससी में (16 अक्टूबर, 2023) आयोजित किया गया; 'खाद्य और जैविक सामग्री की थर्मल प्रोसेसिंग' पर विज्ञान जागरूकता व्याख्यान, जो बंसल इंस्टीट्यूट ॲफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ में आयोजित हुआ (27 अक्टूबर, 2023); विज्ञान लोकप्रियकरण व्याख्यान (4 नवंबर, 2023); श्री सीवी रमन स्मारक व्याख्यान (7 नवंबर, 2023); 'एंथ्रोपोसीन में पर्यावरणीय चुनौतियाँ' पर विज्ञान लोकप्रियकरण व्याख्यान, जो भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही, यूपी में आयोजित हुआ (8 नवंबर, 2023); 'प्रयोगात्मक दृष्टिकोण से रसायन शास्त्र को



'एंथ्रोपोसीन में पर्यावरणीय चुनौतियाँ' पर विज्ञान लोकप्रियकरण व्याख्यान, जो भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही, यूपी में आयोजित हुआ।



विशेष व्याख्यान 'अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन' पर, जो कि डॉ. अखिलेश गुप्ता, सचिव, सर्व द्वारा प्रस्तुत किया गया।

समझना' कार्यशाला, जो कि सरकारी पॉलिटेक्निक, गाजीपुर, यूपी में आयोजित हुई (21 नवंबर, 2023); नासी का 93वां वार्षिक सत्र (3–5 दिसंबर, 2023); विज्ञान प्रदर्शनी, जो कि सरकारी बालिका स्कूल, जमालपुर में आयोजित की गई (18 दिसंबर, 2023); 'प्रयोगात्मक दृष्टिकोण से रसायन शास्त्र



विज्ञान प्रदर्शनी, जो कि सरकारी बालिका स्कूल, जमालपुर, मिर्जापुर में आयोजित की गई।

को समझना' कार्यशाला, जो कि पीडीएनडी इंटर कॉलेज, चुनार मिर्जापुर, यूपी में आयोजित हुई (19 दिसंबर, 2023)य शपरीक्षा तनाव का सामना: मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ' पर विशेष व्याख्यान, जो बी-एससी छात्रों के लिए आयोजित किया गया, और जिसे प्रो. अच्युत कुमार पांडे, मनोचिकित्सा विभाग, आईएमएस, बीएचयू द्वारा प्रस्तुत किया गया (31 जनवरी, 2024); डॉ. एकलव्य शर्मा, एफएनए, एफएनएस, पदम श्री प्राप्तकर्ता, पूर्व डीडीजी, आईसीआईएमओडी, काठमांडू द्वारा 'हिंदू कुश हिमालय में लचीलापन और स्थिरता से परिवर्तन' पर व्याख्यान दिया गया (28 मार्च, 2024)।



डॉ. एकलव्य शर्मा, पदम श्री प्राप्तकर्ता, पूर्व डीडीजी, आईसीआईएमओडी, काठमांडू द्वारा 'हिंदू कुश हिमालय में लचीलापन और स्थिरता से परिवर्तन' पर व्याख्यान दिया गया।

## 2.3 वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित गतिविधियाँ

प्रो. अजय कुमार

गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

### 1. वैज्ञानिक उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण:

हमने सी-टर्नरी रिंग्स की श्रेणी में इन्डिकिट लिमिट की उपस्थिति को प्रदर्शित किया है। यह सिद्ध किया गया है कि सी-टर्नरी रिंग्स की इन्डिकिट लिमिट फंक्टर ए के साथ संचित होती है। इसके बाद, हमने बिना सीमा वाले ऑपरेटरों की टर्नरी रिंग्स के अध्ययन की शुरुआत की, जो सीमित ऑपरेटरों की टर्नरी रिंग्स का स्थानीय संस्करण है। टर्नरी प्रो सी-रिंग्स की अमूर्त परिभाषा का भी प्रस्ताव दिया गया है। दूसरे के प्रतिरूपों और इसकी लिंकिंग प्रो सी-बीजगणित के बीच एक-से-एक पत्राचार प्राप्त हुआ है। यह सिद्ध किया गया है कि सी-टर्नरी रिंग एम और सी-बीजगणित ए(एम) के प्रतिरूपों के बीच एक-से-एक पत्राचार है। हम सी-टर्नरी रिंग के प्रिमिटिव और मॉड्यूलर आदर्शों पर चर्चा करते हैं। पिट की असमानता को केंद्रीय गैर-तुच्छ केंद्र, जुड़े हुए निलपोटेंट ली समूहों, और हीसेनबर्ग मोशन समूह के साथ प्रमाणित किया गया है।

इस पेपर में हैगर अप टेंसर उत्पाद पर चर्चा की गई है। हमने सिद्ध किया है कि ट्रो एम और सी-बीजगणित बीके लिए, एमएच बीका एमएच बीमें प्रत्यक्ष समावेश एक समांगी है, जिसमें हैगर अप टेंसर उत्पाद (एच) लागू होता है। इसके बाद, हम सी-रिंग्स के लिए अधिकतम टेंसर उत्पाद एच टी मैक्स का अध्ययन करते हैं और हैगर अप मानक को टी मैक्स मानक से तुलना करते हैं। अंत में, बी(एच, के) एच बी(एल) के एच-आदर्शों की विशेषताएं प्रस्तुत की गई हैं।

वर्तमान कार्य में, हमने दो अवसरों की उत्तराधिकारात्मक सैंपलिंग में मापन त्रुटि की उपस्थिति में संवेदनशील जनसंख्या माध्य का आकलन किया है। आकलनकर्ताओं के असमित गुण प्राप्त किए गए हैं। कोविड-19 संक्रमण से संबंधित प्राकृतिक जनसंख्या का उदाहरण सिद्धांत को प्रमाणित करने के लिए लिया गया है। हमने ट्रोएम और सी-बीजगणित बी के हैगर अप टेंसर उत्पाद एमएच बी के अधिकतम, प्राइम और प्रिमिटिव आदर्शों को प्रस्तुत किया है।

### 2. प्रकाशित पत्र (2023 के दौरान)

- अर्पित कंसल, अजय कुमार और वंदना राजपाल (2023) "सी-टर्नरी रिंग्स की श्रेणी में इन्डिकिट लिमिट" बुल. कोरियन मैथ. सोसाइटी 60, सं. 1, पृष्ठ 137–148। ऑनलाइन उपलब्ध: <https://doi.org/10.4134/BKMS.b210939>. मैथमैटिकल रिव्यूज 4542606। जेंट्रलब्लाट फर मैथेमेटिक 07688131।
- सुरभि बेनिवाल और अजय कुमार (2023) "असीमित ऑपरेटरों की टर्नरी रिंग्स" बानाच जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल एनालिसिस 17:2। ऑनलाइन उपलब्ध: <https://doi.org/10.1007/s43037-022-00227-0>। 0। मैथमैटिकल रिव्यूज 4502915। जेंट्रलब्लाट फर मैथेमेटिक 07615871।

3. अर्पित कंसल, अजय कुमार और वंदना राजपाल (2023) "सी-टर्नरी रिंग्स के प्रतिरूप" कोरियन मैथ. सोसाइटी 38, सं. 1, पृष्ठ 123–135 | ऑनलाइन उपलब्ध: <https://doi.org/10.4134/CKMS.c210437>. मैथमैटिकल रिव्यूज 4542627 | जेंट्रलब्लाट फर मैथेमेटिक 07741872 |
4. पियूष बंसल, अजय कुमार और आशीष बंसल (2023) "कुछ जुड़े हुए ली समूहों के लिए अनिश्चितता असमानताएँ" एनल्स ऑफ फंक्शनल एनालिसिस 14, सं. 3, आर्टिकल नंबर: 57 | ऑनलाइन उपलब्ध: <https://doi.org/10.1007/s43034-023-00280-2>. मैथमैटिकल रिव्यूज 4592382 | जेंट्रलब्लाट फर मैथेमेटिक 07699580 |
5. अर्पित कंसल और अजय कुमार (2023) "सी-टर्नरी रिंग्स का भंहमतनच टेंसर उत्पाद" जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल एनालिसिस एंड एप्लिकेशन्स 528, सं. 1, पेपर नं. 127482 | ऑनलाइन [miyC/k%https://doi.org/10.1016/j.jmaa.2023.127482](https://doi.org/10.1016/j.jmaa.2023.127482). मैथमैटिकल रिव्यूज 4602983 | जेंट्रलब्लाट फर मैथेमेटिक 07725218 |
6. कुमारी प्रियंका, पिदुगु त्रिसंध्या और अजय कुमार (2023) "उत्तराधिकारात्मक सैंपलिंग में यादृच्छिक प्रतिक्रिया तकनीकों के तहत मापन त्रुटि का प्रभाव" राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, खंड ए: भौतिक विज्ञान 93 सं. 4, 631–644 | ऑनलाइन उपलब्ध: <https://doi.org/10.1007/s40010-023-00836-w>. मैथमैटिकल रिव्यूज 4666441 |
7. अर्पित कंसल और अजय कुमार (2023) "सी-टर्नरी रिंग्स का हेगरअप टेंसर उत्पाद" जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल एनालिसिस एंड एप्लिकेशन्स 528, सं. 1, पेपर नं. 127482 | ऑनलाइन उपलब्ध: [doi:10.7153/oam-2023-17-48](https://doi.org/10.7153/oam-2023-17-48). मैथमैटिकल रिव्यूज 4667170 |

## अन्य गतिविधियाँ

- पीएच.डी. छात्रों का पर्यवेक्षण
- जम्मू विश्वविद्यालय; बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; हंस राज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आमंत्रित व्याख्यान दिए
- कई शोध पत्रों की समीक्षा की और कई चयन समितियों के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया
- दिल्ली विश्वविद्यालय और सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएच.डी. छात्रों को 'उन्नत कार्यात्मक विश्लेषण' पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाया
- कई शोध पत्रों की समीक्षा की और संदर्भित किया

**डॉ. अशोक कुमार गिरी**  
भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, जादवपुर

**कार्य का शीर्षक:**

**(क) पश्चिम बंगाल के लंबे समय से प्रभावित जनसंख्या में आर्सेनिक संवेदनशीलता के संभावित कारण  
अशोक कुमार गिरी, नीलांजना बनर्जी**

आर्सेनिक एक शक्तिशाली मानव कार्सिनोजेन है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। आर्सेनिक से उत्पन्न पूर्व-कैंसर और कैंसर वाली त्वचा की घाव दीर्घकालिक आर्सेनिक विषाक्तता के महत्वपूर्ण संकेत हैं। इसके बावजूद, केवल 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत आबादी में आर्सेनिक-प्रेरित त्वचा की घाव लंबाई देती हैं, जबकि शेष जनसंख्या में ऐसा नहीं होता है, इसका कारण स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा, आंखों की जलन, परिधीय न्यूरोपैथी और श्वसन संकट जैसे गैर-त्वचीय स्वास्थ्य प्रभाव भी इन व्यक्तियों में पाए जाते हैं, साथ ही त्वचा और आंतरिक अंगों के कैंसर भी होते हैं। इस अध्ययन में हमने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के अत्यधिक आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्र से 233 आर्सेनिक-प्रभावित व्यक्तियों को त्वचा की घावों के साथ और 205 व्यक्तियों को त्वचा की घावों के बिना शामिल किया। हमने दोनों समूहों के आर्सेनिक संपर्क की तुलना पीने के पानी के माध्यम से की। दोनों समूहों का आर्सेनिक संपर्क स्तर समान था। परिणाम बताते हैं कि त्वचा की घाव वाले समूह में नाखूनों और बालों में आर्सेनिक की अधिक मात्रा होती है। इसके अलावा, इस समूह में गुणसूत्रीय विचलन और माइक्रोन्यूक्लियस गठन की दर भी अधिक पाई गई। आंखों की जलन, परिधीय न्यूरोपैथी और श्वसन संकट के मामलों में भी वृद्धि देखी गई। हमने पाया कि समान स्तर के आर्सेनिक संपर्क के बावजूद एक समूह अधिक संवेदनशील था। हमने इस अवलोकन के संभावित कारणों की पहचान और चर्चा करने का प्रयास किया है, जो पश्चिम बंगाल, भारत के पिछले अध्ययनों पर आधारित है।

**(ख) ‘हिस्टोन मार्क’ को लक्षित करना: कैंसर में टेलोमियर गतिशीलता के एपिजेनेटिक नियंत्रण में उन्नत दृष्टिकोण अंकिता दास, अशोक के. गिरी, प्रिथा भट्टाचार्य कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, भारत**

टेलोमियर की अखंडता को जीनोमिक स्थिरता बनाए रखने और कोशिकाओं के कैंसरमूलक परिवर्तन को रोकने के लिए आवश्यक माना जाता है। हाल के सबूत बताते हैं कि एपिजेनेटिक संशोधन टेलोमियर के महत्वपूर्ण नियामक होते हैं। टेलोमियर और सबटेलोमियर क्षेत्रों में एपिजेनेटिक मार्क्स होते हैं जो टेलोमियर की लंबाई को नियंत्रित करते हैं। विशिष्ट हिस्टोन संशोधन एंजाइम (हिस्टोन मिथाइलट्रांसफरेस और डेमिथाइलट्रांसफरेस) टेलोमियर की संरचनात्मक अखंडता बनाए रखने के लिए आवश्यक हिस्टोन कोड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिस्टोन संशोधकों के महत्वपूर्ण हिस्टोन तत्वों में परिवर्तन टेलोमियर डीएनए के क्रोमैटिन में परिवर्तन लाता है और इसके परिणामस्वरूप कैंसर उत्पन्न हो सकता है। इस समीक्षा में हमने टेलोमियर हिस्टोन के पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधनों और विभिन्न बीमारियों, विशेष रूप से कैंसर, के बीच संबंधों पर चर्चा की है। टेलोमियर नियमन में लक्षित एपिथेरेप्यूटिक हस्तक्षेप एक प्रमुख शोध क्षेत्र है, जो निकट भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है।

(ग) आर्सेनिक-प्रेरित पूर्व-कैंसर हाइपरकेराटोसिस में एबीसीसी 4 जी559टी सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म का संघ तमालिका सान्ध्याल, सुनंदिनी घोष, अशोक के. गिरी, ऐलेन एम. लेस्ली, मयुख बनर्जी, प्रिथा भट्टाचार्य

जीर्ण आर्सेनिक विषाक्तता, एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या, कई त्वचा कैंसरों का कारण बनती है। केवल 15–20 प्रतिशत संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में आर्सेनिक-विशिष्ट त्वचा के घाव विकसित होते हैं, जो अंतर-व्यक्तिगत संवेदनशीलता में आनुवंशिक बहुरूपता की भूमिका को उजागर करता है। मल्टीड्रग रेजिस्टेंस प्रोटीन (एमआरपी), एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर सबफैमिली सी (एबीसीसी) जीन द्वारा एन्कोड किए गए हैं, जो आर्सेनिक मेटाबोलाइट्रस को बाहर निकालने के लिए प्रदर्शित किए गए हैं। एबीसीसी 4 द्वारा एन्कोड किया गया एमआरपी 4 डिग्लूटाथियोनिलेटेड मोनोमेथिल आर्सेनिस एसिड और डाइमेथिल आर्सेनिक एसिड का एक उच्च-आत्मीयता वाला इफलक्स ट्रांसपोर्टर है। एबीसीसी 4 बहुरूपता का आर्सेनिक रोग संवेदनशीलता के साथ संबंध अज्ञात है। अध्ययन में आर्सेनिक-प्रेरित प्रीमैलिंग्नेंट हाइपरकेराटोसिस के साथ पहले से वर्णित पांच गैर-समानार्थी एबीसीसी4 एसएनपी के संभावित संबंध की जांच की गई। भारत के पश्चिम बंगाल में आर्सेनिक के अत्यधिक संपर्क में आने वाले मुर्शिदाबाद जिले से कुल 230 अध्ययन प्रतिभागियों को भर्ती किया गया (आर्सेनिक-प्रेरित प्रीमैलिंग्नेंट हाइपरकेराटोसिस के 136 मामलेय आर्सेनिक-विशिष्ट त्वचा के घावों के बिना 94 नियंत्रण)। मामलों और नियंत्रणों को उम्र के अलावा जोखिम की स्थिति और जनसांख्यिकीय चर में मिलान किया गया। पानी और मूत्र के कुल आर्सेनिक सामग्री विश्लेषण द्वारा जोखिम मूल्यांकन किया गया था, जबकि पीसीआर-सेंगर अनुक्रमण या पीसीआर-आरएफएलपी का उपयोग करके जीनोटाइपिंग की गई थी। अध्ययन किए गए 5 एसएनपी में से 4 के लिए हमारी आबादी मोनोमॉर्फिक थी। आयु-समायोजित ॲड्स अनुपात ने एबीसीसी4 कोडन बहुरूपता के लिए कम से कम एक टी एलील की उपस्थिति को प्रीमैलिंग्नेंट हाइपरकेराटोसिस खोआर (95 प्रतिशत सीआई): 0.994 (0.888–0.998), के खिलाफ सुरक्षा प्रदान की।

### एआईसीजीजी में हाल ही का कार्य:

हाल ही में, मैंने डॉ. मंजू शर्मा को 21वें एआईसीजीजी सम्मेलन के उद्घाटन दिवस के स्मारक व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया, जिसमें प्रोफेसर ए. के. शर्मा पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ताओं ने भाग लिया। 200 से अधिक लोगों ने इस उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिनमें विदेश से आए प्रतिनिधि भी शामिल थे। डॉ. मंजू शर्मा ने इस सेमिनार में लगभग 40 मिनट तक अपने बहुमूल्य व्याख्यान दिए। हम डॉ. मंजू शर्मा के प्रति अत्यधिक आभारी हैं।

# प्रो.आर.डी.त्रिपाठी

## राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

**प्रतिचित नासी-अध्यक्षों/नासी-वरिष्ठ वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक/अनुसंधान उपलब्धियों के संक्षिप्त सारांश के लिए पर्फॉर्मा**

### 1. वैज्ञानिक उपलब्धि का संक्षिप्त सारांश:

चावल आर्सेनिक (एएस) संचय में विशेष रूप से कुशल है और इस प्रकार कम उपज का कारण बनता है और अनाज की पोषण गुणवत्ता को कम करता है क्योंकि संदूषण खाद्य उत्पादन की स्थिरता के साथ-साथ खाद्य गुणवत्ता को भी खतरा है। सेलेनियम (एसई) की कमी विश्व स्तर पर एक अरब लोगों को प्रभावित करती है जहां मिही में एसई का स्तर स्वाभाविक रूप से कम है, जिसमें भारत के क्षेत्र भी शामिल हैं। पौधे मनुष्यों और अन्य जानवरों के लिए आहार सेवन का अंतिम स्रोत हैं। एएस और एसई के बीच की बातचीत परिवहन, पर्यावरणीय भाग्य और पौधों में इन मेटलॉइड्स के संबंधित विषैले प्रभावों की विस्तृत व्यवस्थित समझ के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है। एएस और एसई के बीच जैविक अंतःक्रिया विशिष्ट रासायनिक रूपों पर निर्भर करती है क्योंकि एएस और एस ई समान रासायनिक गुणों वाले उपधारु हैं जो विभिन्न जैविक प्रभावों के साथ तीव्रता से समान हैं। चावल के पौधों में एएस विषाक्तता के सुधार में एसई की भूमिका का पता लगाने के लिए पॉट प्रयोग किए गए थे। चावल के पौधों के लिए सेलेनाइट पूरकता ने एएस III एक्सपोजर के तहत जड़, शूट लंबाई और शुष्क वजन जैसे विकास मापदंडों में सुधार किया। एएस III और एएसवि एक्सपोजर ने नियंत्रण पौधों की तुलना में जड़ और शूट की लंबाई को कम कर दिया। एएसIII और एएसवि एक्सपोजर के दौरान एसई IV के सप्लीमेंट ने एस III और एसएसवि एक्सपोजर की तुलना में शूट की लंबाई में काफी वृद्धि की। एएस III और एएसवि एक्सपोजर के दौरान एसई IV पूरकता ने एएस प्प और एएसवि के अकेले एक्सपोजर की तुलना में चावल के पौधों के सूखे वजन में सुधार किया। इसके अतिरिक्त, एसई IV पूरकता ने एएस एसई IV के विभिन्न एक्सपोजर के दौरान चावल के दाने की उपज में भी सुधार किया। एसई प्ट सप्लीमेंट ने जड़ में लगभग 50 प्रतिशत, शूट में 54 प्रतिशत और अनाज एएस III एक्सपोजर पौधों में 40 प्रतिशत के रूप में संचय को कम किया। दूसरी ओर, एसई प्ट पूरकता जड़ में लगभग 40 प्रतिशत और शूट में केवल 5 प्रतिशत संचय को कम करती है, जिसके परिणामस्वरूप एएसवि उजागर पौधों के अनाज में संचय में काफी कमी नहीं होती है। एसई IV, एएस III के पूरक ने अकेले एएस प्प एक्सपोजर की तुलना में एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम गतिविधि को काफी बढ़ाया। परिणामों पर प्रकाश डाला गया कि एसई IV पूरकता ने पौधे की वृद्धि, बायोमास, एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि, अंतर मेटलॉइड संचय और चावल के पौधों की जड़, शूट और अनाज में स्थानांतरण को संशोधित करके एएस III विषाक्तता को कुशलतापूर्वक कम किया। परिणामों पर प्रकाश डाला गया कि एसईआईवी पूरकता ने एएसवि की तुलना में पौधे की शारीरिक और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि को संशोधित करके एसिल विषाक्तता को कुशलतापूर्वक कम किया।

## **2. प्रकाशित पेपर:**

- ए) अवस्थी, एस., चौहान, आर., इंडोलिया, वाई., चौहान, ए.एस., मिश्रा, एस.के., अग्रवाल, एल., ... – त्रिपाठी, आरडी (2022)। माइक्रोबियल कंसोर्टियम द्वारा चावल (ओरिजा सैटिवा एल) में आर्सेनिक विषाक्तता के शमन के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक और प्रोटोप्रोटोमिक डेटासेट का व्यापक चित्रण। संक्षेप में डेटा, 43, 108377।
- बी) श्रीवास्तव, एस., धनरखेड़, ओ. पी., और त्रिपाठी, आरडी (2022)। धातु और मेटलॉइड संदूषण से निपटने के लिए नैनो-भविष्य की ओर। इंटरनेशनल जर्नल ॲफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट, 8 (01), 38–43।
- सी) सिंह, पीके, दुबे, एस., श्री, एम., द्विवेदी, एस., चक्रवर्ती, डी., और त्रिपाठी, आरडी (2022)। “पौधों में आर्सेनिक तनाव के बायोमार्कर”। पौधों का उपयोग करके पर्यावरण बायोमोनिटरिंग में नए प्रतिमानों में (संपादक: तिवारी एस और अग्रवाल एस। (पृष्ठ 245–270)। एल्सेवियर।
- डी) चौहान, आर., अवस्थी, एस., सिंह, पीके, द्विवेदी, एस., श्रीवास्तव, एस., और त्रिपाठी, आरडी (2022)। “पौधों में सेलेनियम और नैनो-सेलेनियम-मध्यस्थता आर्सेनिक तनाव सहिष्णुता”। पर्यावरणीय तनाव प्रबंधन और फसल गुणवत्ता सुधार में सेलेनियम और नैनो-सेलेनियम में (संपादक: हुसैन एमए, अहमद जीजे, कोलबर्ट जेड, एल-रामदी एच, इस्लाम टी, शियावन एम। (पृष्ठ 191–207)। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

## **3. पेटेंट प्राप्त और विकसित प्रक्रियाएं:**

शून्य

## **4. नया उत्पाद पेश किया गया:**

शून्य

## **5. पुरस्कार और पुरस्कार प्राप्त:**

शून्य

## **6. कोई अन्य जानकारी**

### **सम्मेलन में भाग लिया: पूर्ण व्याख्यान दिया**

पोंडा एजुकेशन सोसाइटी के रवि एस नाइक कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस द्वारा आयोजित “पर्यावरणीय स्थिरता और जैव प्रौद्योगिकी: अवसर और चुनौतियाँ” सम्मेलन में “सतत पर्यावरण और कृषि के लिए कम अनाज आर्सेनिक चावल की फसल के लिए नवीन रणनीतियाँ” फार्मागुडी, पोंडा, गोवा सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंटल स्टेनेबिलिटी (एसईएस) के सहयोग से 16 से 19 नवंबर 2022 तक गोवा में आयोजित किया गया। (सार संख्या पी –6, पृष्ठ संख्या: 4)।

## प्रोफेसर संतोष के. गुप्ता

कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर

### कैलेंडर वर्ष 2022 की रिपोर्ट (जनवरी – दिसंबर)

#### समर कोर्स के लिए इंस्ट्रक्टर

पाठ्यक्रम कोड: सीएचई 312

कोर्स शीर्षक: हीट ट्रांसफर और इसके अनुप्रयोग

नहीं। पंजीकृत छात्रों की संख्या: 11

कक्षाएं: सोम, बुध और गुरुवार सुबह 8 बजे से 10 बजे तक

अवधि: 20 मई 2022 से 19 जुलाई 2022

पाठ्यक्रम हीट ट्रांसफर और इसके अनुप्रयोगों को गर्मी हस्तांतरण के मौलिक सिद्धांतों और अनुप्रयोगों की गहन समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पाठ्यक्रम में शामिल किए गए प्रमुख विषयों में शामिल थे:

- चालन: ठोस पदार्थों के माध्यम से गर्मी हस्तांतरण का अध्ययन, जिसमें एक, दो और तीन आयामों में चालन समस्याओं का निर्माण और समाधान और विश्लेषणात्मक और संख्यात्मक तरीकों का उपयोग शामिल है।
- संवहन: तरल पदार्थों में गर्मी हस्तांतरण की परीक्षा, प्राकृतिक और मजबूर संवहन दोनों, सीमा परत सिद्धांत, अनुभवजन्य सहसंबंध और आयामी विश्लेषण पर ध्यान देने के साथ।
- विकिरण: थर्मल विकिरण की समझ, विकिरण सतहों के गुण, ब्लैकबॉडी विकिरण, और सतहों के बीच विकिरण गर्मी हस्तांतरण को नियंत्रित करने वाले कानून।
- हीट एक्सचेंजर्स: शेल-एंड-ट्यूब, प्लेट और फिन-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स सहित विभिन्न प्रकार के हीट एक्सचेंजर्स का डिजाइन और विश्लेषण, और प्रभावशीलता का उपयोग— एनटीयू और एलएमटीडी विधियां।
- क्वथनापन और संघनन: चरण परिवर्तन घटनाओं का अध्ययन, जिसमें क्वथनाकरण और संघनन के तंत्र और गर्मी हस्तांतरण विशेषताओं शामिल हैं।
- अनुप्रयोग: विभिन्न इंजीनियरिंग प्रणालियों और प्रक्रियाओं में गर्मी हस्तांतरण सिद्धांतों के प्रैटिकल अनुप्रयोग, जैसे रासायनिक रिएक्टर और इलेक्ट्रॉनिक इक्यूपमेंट को ढंडा करना।

मैं पाठ्यक्रम का एकमात्र प्रशिक्षक था, जो एक असाइन किए गए शिक्षण सहायक (टीए) द्वारा समर्थित था। पाठ्यक्रम केवल 16 सप्ताह तक फैला था, जिससे मुझे सप्ताह में तीन बार 2 घंटे के व्याख्यान डिजाइन और वितरित करने की आवश्यकता थी। मैं असाइनमेंट बनाने और व्यवस्थित करने के लिए जिम्मेदार था, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे दोनों चुनौतीपूर्ण थे और पाठ्यक्रम सामग्री के साथ संरेखित थे। इसके अतिरिक्त, मैंने सावधानीपूर्वक मध्यावधि और अंतिम दोनों परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र तैयार किए, ध्यान से सीखने के उद्देश्यों और आवश्यक छात्र दक्षताओं पर विचार किया। मैंने पाठ्यक्रम के सफल समापन को सुनिश्चित करने के साथ-साथ अंतिम ग्रेड जमा करने के साथ-साथ मध्यावधि और अंतिम परीक्षाओं की ग्रेडिंग को भी संभाला।

## कोर कोर्स के लिए ट्यूटर

पाठ्यक्रम कोड: ईएसओ204

कोर्स शीर्षक: द्रव यांत्रिकी

पंजीकृत छात्रों की संख्या: 506

कक्षा के दिन: सोम, बुध और शुक्रवार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

ट्यूटोरियल समूह: H6

ट्यूटोरियल में छात्रों की संख्या: 38

ट्यूटोरियल समय और दिन: गुरुवार सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक

ट्यूटोरियल की संख्या: 12

अवधि: 31 जुलाई 2022 से 2 दिसंबर 2022

ईएसओ204 आईआईटी कानपुर में विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में स्नातक छात्रों को आमतौर पर उनके दूसरे वर्ष में पेश किया जाने वाला एक मौलिक पाठ्यक्रम है। यह कोर्स द्रव मेकेनिक्स के सिद्धांतों और अनुप्रयोगों की व्यापक समझ प्रदान करता है, जिसमें द्रव रस्ट्रैटिक्स, द्रव गतिशीलता, पाइप के माध्यम से प्रवाह, और सीमा परत सिद्धांत जैसे टॉपल्स शामिल हैं, जो इंजीनियरिंग में विभिन्न क्षेत्रों जैसे यांत्रिक, नागरिक, रासायनिक और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आदि के लिए आवश्यक हैं।

सप्ताह में एक बार 38 छात्रों के लिए ट्यूटोरियल लेने के अलावा, मैंने पाठ्यक्रम के शैक्षणिक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं उस टीम का हिस्सा था जिसने असाइनमेंट को डिजाइन करने और स्थापित करने में मदद की, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे पाठ्यक्रम सामग्री के लिए कठोर और प्रासंगिक दोनों थे। मैं सावधानीपूर्वक प्रश्न पत्रों के साथ—साथ मध्यावधि और अंतिम दोनों परीक्षाओं के लिए समाधान कुंजी तैयार करने में शामिल था, अच्छी तरह से सीखने के उद्देश्यों और छात्रों की क्षमता स्तर पर विचार कर रहा था। इसके अतिरिक्त, मैंने ग्रेडिंग प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया, विस्तृत प्रतिक्रिया प्रदान की जिससे छात्रों को उनकी गलतियों को समझने और उनके ज्ञान में सुधार करने में मदद मिली। परीक्षा के दौरान निरीक्षण में मेरी भागीदारी ने सुनिश्चित किया कि मूल्यांकन प्रक्रिया निष्पक्ष और सुचारू थी। एक ट्यूटर के रूप में, मैं सक्रिय रूप से छात्रों के साथ जुड़ा हुआ हूं, उनके प्रश्नों को संबोधित करता हूं और विषय वस्तु की उनकी समझ को बढ़ाता हूं। इसके अलावा, हालांकि मैं एक ट्यूटर था, मैंने सभी व्याख्यानों में भाग लिया, जो उन छात्रों के प्रति समर्पण का प्रदर्शन करते थे जो पाठ्यक्रम का हिस्सा थे। व्याख्यान सामग्री और वितरण पर प्रशिक्षक द्वारा मुझसे समय—समय पर प्रतिक्रिया भी मांगी गई थी। पाठ्यक्रम के साथ मेरी समग्र भागीदारी के प्रति प्रशिक्षक की प्रतिक्रिया नीचे संलग्न है:



मुझे फिर से आईआईटी कानपुर में सेमेस्टर 204–2024–25 के लिए ईएसओ 1 के लिए एक ट्यूटर के रूप में नियुक्त किया गया है और सभी पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहूँगा।

## विभागीय संगोष्ठियों और बैठकों में भागीदारी

नासी के वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, मैं विभाग की गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ हूँ। मैंने अक्सर संकाय बैठकों में भाग लिया, चर्चाओं और निर्णयों में योगदान दिया जो विभाग की दिशा को आकार देते हैं। इसके अतिरिक्त, मैंने रासायनिक एर्जिनरिंग विभाग द्वारा नियमित रूप से आयोजित सेमिनारों में सक्रिय भूमिका निभाई, वक्ताओं के साथ बातचीत की और नेटवर्किंग और आउटरीच के अवसरों को बढ़ावा दिया।

एक विशेष संगोष्ठी शृंखला जो मेरे लिए विशेष महत्व रखती है, वह है सीवी शेषान्नी संगोष्ठी। इसकी स्थापना में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में, मैं इसके निष्पादन में पूरी लगन से शामिल रहा हूँ। इस संगोष्ठी के लिए मेरी निरंतर प्रतिबद्धता एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने और विभाग के भीतर ज्ञान विनिमय को बढ़ावा देने के लिए मेरे समर्पण को दर्शाती है।

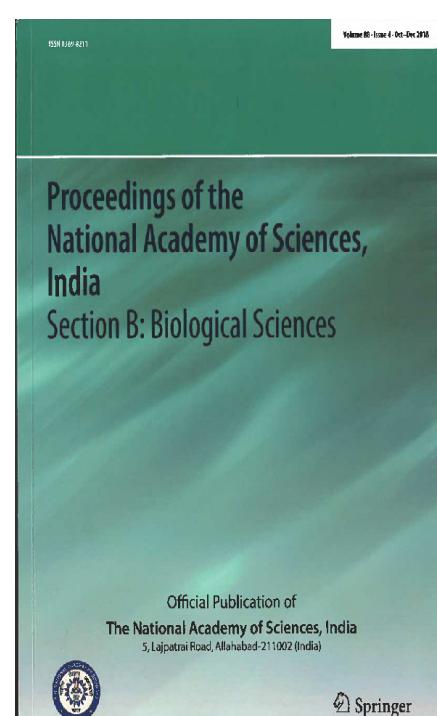
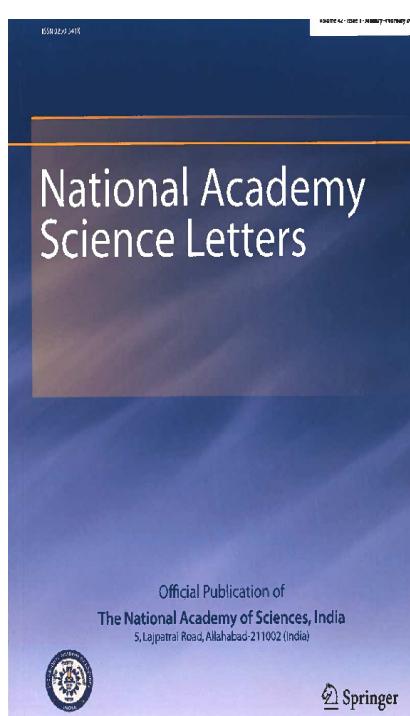
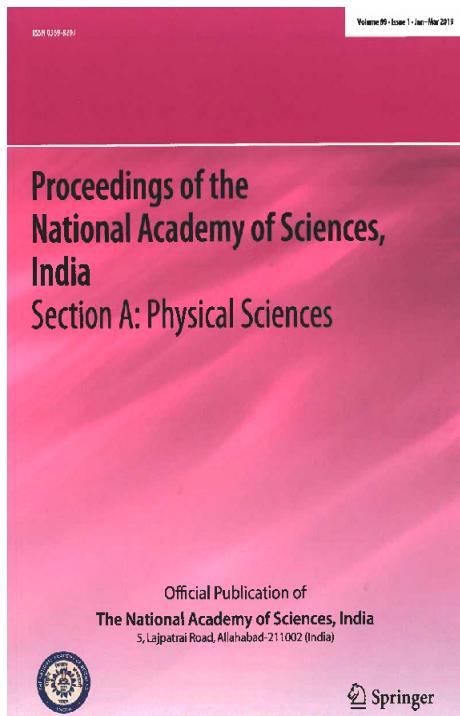
## युवा संकाय का मार्गदर्शन

नासी के वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में, मैंने युवा संकाय का भी उल्लेख किया, उनकी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मेरी सलाह में उनकी शोध परियोजनाओं, शिक्षण पद्धतियों पर चर्चा शामिल थी, साथ ही साथ उनके लिए आवेदन करने के लिए प्रासंगिक पुरस्कार और फैलोशिप का सुझाव देना शामिल था। मैंने इस तरह की मान्यता के लिए कुछ संकाय सदस्यों को भी नामित किया। 1973 से 2013 तक विभाग का हिस्सा होने के बाद, मुझे इसके इतिहास, पाठ्यक्रम और पिछले संकाय का व्यापक ज्ञान है, जिसने मुझे मूल्यवान अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने की अनुमति दी। यह ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विभाग के कई युवा नए संकाय के लिए फायदेमंद साबित हुआ।

अंत में, मैं नासी वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फैलोशिप के तहत शेष अवधि के लिए सक्रिय रूप से जुड़े रहने की योजना बना रहा हूँ। इस भागीदारी के माध्यम से, मेरा लक्ष्य अपने अनुभव के साथ विभागों को समृद्ध करना और सार्थक शैक्षणिक बातचीत के माध्यम से निरंतर बढ़ना है।

### 3. अकादमी के प्रकाशन

स्प्रिंगर नेचर के सहयोग से नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (नासा) द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिकाएँ



<https://www.editorialmanager.com/nasa/>

<https://www.editorialmanager.com/nasb/>

<https://www.editorialmanager.com/scl/>

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन-। (फिजिकल साइंसेज)

क) उल्लेखित अवधि के दौरान कुल पत्रों की संख्या = (289691042) = 410

- प्रक्रिया में कुल पत्रों की संख्या = (661098133) = 289
- स्वीकृत पत्रों की कुल संख्या = 69
- अस्वीकृत पत्रों की कुल संख्या = 10
- वापस लिए गए पत्रों की संख्या = 42
- संपादकों के पास पत्रों की संख्या = 66
- समीक्षकों के पास पत्रों की संख्या = 109
- लेखकों के पास पत्रों की संख्या = 33
- कार्यालय में पत्रों की संख्या = 81

## **महत्वपूर्ण विशेषताएँ:**

- पीएनएसआई, सेक्शन—। को 2023 में वेब ऑफ साइंस से 1.1 का इम्पैक्ट फैक्टर प्राप्त हुआ।
- 2023 में इस पत्रिका का एच इंडेक्स 23 था।
- यह पाया गया कि पीएनएसआई, सेक्शन—। के आधे से अधिक (2021–2022) पत्र 2023 में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उद्धृत हुए (वेब ऑफ साइंस)।
- 2023 में इस पत्रिका की स्क्रिमैगो जर्नल रैंकिंग 0.189 रही।
- 2023 में इस पत्रिका को स्कोपस से 2.2 का साइट स्कोर प्राप्त हुआ।
- सभी पांडुलिपियों को “आईथॉटिकेट” सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्य चोरी के लिए जाँच की जाती है।
- 30 देशों जैसे अल्जीरिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, चीन, भारत, मिस्र, इथियोपिया, जर्मनी, ग्रीस, ईरान, इराक, नेपाल, कजाकिस्तान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, स्वाजीलैंड, तुर्की, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, मेकिस्को और मोरक्को आदि से लगभग 400 पत्र प्राप्त हुए।
- कुल अस्वीकृति दर 12.65 प्रतिशत है।

## **ख. नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया, सेक्शन-बी (बायोलॉजिकल साइंसेज)**

- कुल पत्रों की संख्या = (295213154154) = 816
- प्रक्रिया में पत्रों की संख्या = (5594308135) = 295
- संपादकों के पास पत्रों की संख्या = 55
- समीक्षकों के पास पत्रों की संख्या = 94
- फॉर्मेटिंग के लिए लेखकों को लौटाए गए पत्रों की संख्या = 30
- पुनरीक्षण के लिए लेखकों के पास पत्रों की संख्या = 81
- कार्यालय में पत्रों की संख्या = 35

## **प्रमुख विशेषताएँ:**

- पीएनएसआई, सेक्शन-बी को 2023 में स्कोपस से 2.4 का साइट स्कोर प्राप्त हुआ।
- 2023 में इस जर्नल का एच इंडेक्स 32 छें
- यह पाया गया कि पीएनएसआई, सेक्शन-बी के आधे से अधिक (2021–2022) शोध पत्रों को 2023 में विश्व की विभिन्न पत्रिकाओं में उद्धृत किया गया।
- 2023 में इस जर्नल की स्क्रिमैगो जर्नल रैंकिंग 0.312 प्राप्त हुई।
- सभी पांडुलिपियों को साहित्य चोरी के लिए “आईथॉटिकेट” सॉफ्टवेयर द्वारा जांचा गया, इसके बाद ही उन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा गया।
- 600 से अधिक पांडुलिपियाँ 25 से अधिक देशों/क्षेत्रों (अर्जेटीना, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील, कैमरून, कनाडा, कोलंबिया, चीन, मिस्र, इथियोपिया, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कोरिया, मलेशिया, मोरक्को आदि) से प्राप्त हुईं।
- कुल अस्वीकृति दर 41.96 प्रतिशत है।

## ग. नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स

- उल्लिखित अवधि के दौरान कुल पत्रों की संख्या = (26218869984) = 1233
- प्रक्रिया में पत्रों की कुल संख्या = (521593318) = 262
- स्वीकृत पत्रों की कुल संख्या = 179
- अस्वीकृत पत्रों की कुल संख्या = 555
- वापस लिए गए पत्रों की कुल संख्या = 70
- संपादकों के पास पत्रों की संख्या = 52
- समीक्षकों के पास पत्रों की संख्या = 159
- पुनरीक्षण के लिए लेखकों के पास पत्रों की संख्या = 18
- कार्यालय में पत्रों की संख्या = 33
- प्रूफ रीड किए गए पत्रों की कुल संख्या = 135

## प्रमुख विशेषताएँ:

- नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स को 2023 में वेब ऑफ साइंस से 1.0 का इम्पैक्ट फैक्टर प्राप्त हुआ।
- 2023 में इस जर्नल की इंडेक्स 24 था।
- यह पाया गया कि नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स के आधे से अधिक (2021–2022) पत्रों को 2023 में विश्व की विभिन्न पत्रिकाओं में उद्धृत किया गया (वेब ऑफ साइंस)।
- 2023 में इस जर्नल की स्क्रिमैगो जर्नल रैंकिंग 0.218 रही।
- स्कोपस से इस जर्नल को 2023 में 1.0 का साइट स्कोर प्राप्त हुआ।
- सभी पांडुलिपियों को साहित्य चोरी के लिए "आईथेंटिकेट" सॉफ्टवेयर द्वारा जांचा गया, इसके बाद ही उन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा गया।
- लगभग 1200 पांडुलिपियाँ इस अवधि के दौरान 35 से अधिक देशों से प्राप्त हुईं, जिनमें चीन, मिस्र, भारत, हंगरी, ईरान, इराक, आयरलैंड, कजाकिस्तान, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, पोलैंड, रूस, सऊदी अरब, स्पेन, सर्बिया, ताइवान और तुर्की आदि शामिल हैं।
- कुल अस्वीकृति दर 78 प्रतिशत है।

## 4. फेलोशिप और सदस्यता

हर साल, अकादमी अपने प्रतिष्ठित फेलोशिप सदस्यता उन उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को प्रदान करती है, जिन्होंने देश और विदेश में अपने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान के लिए पहचान बनाई है। यह सम्मान वैज्ञानिकों (फेलो और सदस्य) को दिया जाता है, जो अकादमी की गतिविधियों में भाग लेते हैं। वर्ष 2023 में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कुल 143 वैज्ञानिकों (83 फेलो और 60 सदस्य) को देश भर से चुना गया। इसके साथ ही, 2023 में पांच विदेशी फेलोशिप्स भी उन वैज्ञानिकों को प्रदान की गईं जो विभिन्न देशों में काम कर रहे हैं और भारत के वैज्ञानिकों के साथ सहयोग कर रहे हैं। (संलग्नक—I और II)

## 5. शोक सूचना

अकादमी ने निम्नलिखित फेलो/विदेशी फेलो/सदस्य के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया:

1. प्रो. नित्य आनंद, पूर्व निदेशक, सीडीआरआई, लखनऊ
2. प्रो. रमेश्वर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली
3. प्रो. सी. आर. राव, न्यूयॉर्क
4. डॉ. बिंदेश्वर पाठक, दिल्ली
5. प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन, पूर्व अध्यक्ष, नासी
6. प्रो. वी. पी. कांबोज, पूर्व अध्यक्ष, नासी

## 6. परिषद

### परिषद-2023

#### अध्यक्ष

- प्रो. बलराम भार्गव, एमबीबीएस, एमडी, डीएम, एफएनएएससी, एफएसीसी, एफएचए, एफएमएस, पूर्व सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं डीजी, आईसीएमआर; प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली – 211029

#### पूर्व अध्यक्ष

- प्रो. अजय कुमार घटक, पीएचडी (कॉर्नेल), एफएनएएससी, पूर्व में एमएन साहा प्रतिष्ठित चेयर प्रोफेसर, नासी, प्रयागराज; पूर्व प्रोफेसर, भौतिकी, आईआईटी दिल्ली; निवास: डी-42, हौज खास, नई दिल्ली – 110016
- प्रो. मंजू शर्मा, पीएचडी, एफएनएएससी, एफटीडब्ल्यूएस, एफआईएडब्ल्यूएस, पूर्व सचिव, डीबीटी, भारत सरकार; नासी-डीएसटीप्रतिष्ठित महिला वैज्ञानिक चेयर प्रोफेसर, बी9/ 6476 (एफएफ), वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070

#### उपाध्यक्ष

- प्रो. मधु दीक्षित, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएएससी, एफएमएस, जेसी बोस राष्ट्रीय फेलो, टीएचएसटीआईनेशनल चेयर; सी-95, सेक्टर एम, अलीगंज, लखनऊ – 226024
- प्रो. अमित रौय, पीएचडी, एफएनएएससी, पूर्व निदेशक, आईयूएसी; फ्लैट 1ए, जेनन कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, जे 383 बीपी टाउनशिप, कोलकाता – 700094

#### कोषाध्यक्ष

- प्रो. यू. सी. श्रीवास्तव, डी.फिल., न्यूरोफिजियोलॉजी में डॉक्टर (पीसा), एफएनएएससी, एफआईएएन, पूर्व में एमेरिटस प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज – 211002

#### विदेश सचिव

- प्रो. विनोद कुमार सिंह, पीएचडी, डीएससी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएएससी, एफटीडब्ल्यूएस, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, कानपुर – 208016

#### महासचिव

- प्रो. जयेश आर. बेल्लारे, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनई, एफईएमएसआई, एफएमएएस, संस्थान चेयर प्रोफेसर, रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, पवई, मुंबई – 400076
- प्रो. मधुलिका अग्रवाल, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएनएएस, जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो, डीन, विज्ञान संकाय, बीएचयू और प्रोफेसर एवं प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005

## सदस्य

10. प्रो. अनिल भारद्वाज, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएएससी, जेसी बोस राष्ट्रीय फेलो, निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380009
11. प्रो. ध्रुवज्योति चटोपाध्याय, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएएससी, एफडब्ल्यूएससीटी, कुलपति, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय कोलकाता, न्यू टाउन, कोलकाता – 700156
12. प्रो. श्रीनिवास राव चेरुकुमल्ली, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनएएसआई, एफएनएएस, एफआईएसएसएस, एफआईएसपीआरडी, निदेशक, आईसीएआर—राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500030, तेलंगाना
13. प्रो. प्रमोद कुमार गर्ग, एमबीबीएस, एमडी, डीएम, एफएनएएससी, एफएनए, एफएएससी, एफएमएएस, एफआरसीपी (ग्लासगो), कार्यकारी निदेशक, टीएचएसटीआईय 1273, बी–1, वसंत कुंज, नई दिल्ली
14. प्रो. अनुप कुमार घोष, पीएचडी, एफएनएएससी, प्रोफेसर, पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, हौज खास, नई दिल्ली – 110016
15. प्रो. विमल कुमार जैन, पीएचडी, एफएनएएससी, पूर्व निदेशक, यूएम—डीएई उत्कृष्टता केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय, नालंदा बिल्डिंग, कलिना कैंपस, सांताक्रूज (ई), मुंबई – 400098
16. प्रो. अरुण कुमार पांडे, पीएचडी, एफएनएएससी, एफबीएस, एफआईएएटी, एफईएचएसएसटी, कुलपति, मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल – 462042
17. प्रो. अनिर्बान पाठक, पीएचडी, एफएनएएससी, एफआईईटीई, प्रोफेसर, भौतिकी एवं सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा – 201309
18. प्रो. शिव मोहन प्रसाद, पीएचडी, एफएनएएससी, प्रोफेसर, रंजन प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री लैब, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज – 211002
19. प्रो. लता रंगन, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनएबीएस, प्रोफेसर, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी – 781039
20. प्रो. विजयलक्ष्मी रवींद्रनाथ, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएएससी, एफएनए, एफटीडब्ल्यूएस, एफएमएस, निदेशक, मरित्तिष्ठ अनुसंधान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु – 560012
21. प्रो. रोहित श्रीवास्तव, पीएचडी, एफएनएएससी, एफआरएससी (लंदन), एफआरएसबी (लंदन), प्रोफेसर एवं प्रमुख, जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई, मुंबई – 400076
22. प्रो. निखिल टंडन, पीएचडी (कैंटाब.), एफएनएएससी, एफआरसीपी (लंदन), एफएमएस, एफएएससी, प्रोफेसर, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), अंसारी नगर, नई दिल्ली – 110029
23. प्रो. शेख मोहम्मद यूसुफ, पीएचडी, एफएनए, एफएनएएससी, एफएएससी, एफएमएएससी, निदेशक, भौतिकी समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ट्रॉम्बे, मुंबई – 400085
24. सचिव, डीएसटी, भारत सरकार के नामांकित सदस्य

# परिषद 2024

## अध्यक्ष

- प्रो. बलराम भार्गव, एमबीबीएस, एमडी, डीएम, एफएनएससी, एफएसीसी, एफएचए, एफएमएस, पूर्व सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं डीजी, आईसीएमआर; प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली – 211029

## पूर्व अध्यक्ष

- प्रो. अजय कुमार घटक, पीएचडी (कॉर्नेल), एफएनएससी, पूर्व में एमएन साहा प्रतिष्ठित चेयर प्रोफेसर, नासी, प्रयागराज; पूर्व प्रोफेसर, भौतिकी, आईआईटी दिल्ली; निवास: डी-42, हौज खास, नई दिल्ली – 110016
- प्रो. मंजू शर्मा, पीएचडी, एफएनएससी, एफएनएससी, एफटीडब्ल्यूएस, एफआईएडब्ल्यूएस, पूर्व सचिव, डीबीटी, भारत सरकार; नासी-डीएसटीप्रतिष्ठित महिला वैज्ञानिक चेयर प्रोफेसर, बी9 / 6476 (एफएफ), वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070

## उपाध्यक्ष

- प्रो. मधु दीक्षित, पीएचडी, एफएनएससी, एफएनए, एफएससी, एफएमएस, जेसी बोस राष्ट्रीय फेलो, टीएचएसटीआईनेशनल चेयर; सी-95, सेक्टर एम, अलीगंज, लखनऊ – 226024
- प्रो. अमित राय, पीएचडी, एफएनएससी, पूर्व निदेशक, आईयूएसी; फ्लैट 1ए, जेनन कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, जे 383 बीपी टाउनशिप, कोलकाता – 700094

## कोषाध्यक्ष

- प्रो. रमाशंकर वर्मा, पीएचडी, एफएनएससी, प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, निदेशक, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, प्रयागराज – 211004

## विदेश सचिव

- प्रो. विनोद कुमार सिंह, पीएचडी, डीएससी, एफएनएससी, एफएनए, एफएससी, एफटीडब्ल्यूएस, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, कानपुर – 208016

## महासचिव

- प्रो. जयेश आर. बेल्लारे, पीएचडी, एफएनएससी, एफएनएई, एफईएमएसआई, एफएमएस, संस्थान चेयर प्रोफेसर, रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, पवई, मुंबई – 400076
- प्रो. दया शंकर पांडे, पीएचडी, एफएनएससी, एफएससी, प्रोफेसर, रसायन विभाग, विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005

## सदस्य

10. प्रो. मिताली चटर्जी, पीएचडी, एमडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएनएएससी, एफएएमएस, एफआरसीपी, (लंदन), प्रोफेसर, प्रमुख फार्मालॉजी विभाग, पीजी, मेडिकल शिक्षा अनुसंधान, 244 आचार्य जेसी बोस रोड, कोलकाता— 700020
11. प्रो. श्रीनिवास राव चेरुकुमल्ली, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनएएसआई, एफएनएएस, एफआईएसएसएस, एफआईएसपीआरडी, निदेशक, आईसीएआर—राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद — 500030, तेलंगाना
12. प्रो. प्रमोद कुमार गर्ग, एमबीबीएस, एमडी, डीएम, एफएनएएससी, एफएनए, एफएएससी, एफएमएएस, एफआरसीपी (ग्लासगो), कार्यकारी निदेशक, टीएचएसटीआईय 1273, बी—1, वसंत कुंज, नई दिल्ली
13. प्रो. अनुप कुमार घोष, पीएचडी, एफएनएएससी, प्रोफेसर, पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, हौज खास, नई दिल्ली — 110016
14. प्रो. स्मिता दिलीप महाले, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, आईसीएमआर एमेटिस वैज्ञानिक, पूर्व निदेशक, एनआईआरआरसीएच, जहांगीर मेरवानजी स्ट्रीट, परेल, मुंबई— 400012
15. प्रो. रंजन कुमार मलिक, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएनएई, एफएएससी, एफआईईईई, एफआईईटी (यूके), एफआईईटीई, एफटीडब्ल्यूएएस, एफआईई (आई), प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय संस्थान प्रौद्योगिकी दिल्ली, हौज खास, नई दिल्ली— 110016
16. प्रो. चिंतालगिरि मोहन राव, पीएचडी, एफएनएएससी, एफटीडब्ल्यूएएस, एफएनए, एफएएससी, एफएपीएससी, प्रतिशिठत वैज्ञानिक, जेसी बोस नेशनल फेलो, सेलूलर, आणविक जीवविज्ञान केंद्र, उप्पल रोड, हैदराबाद—500007
17. प्रो. अनिर्बन पाठक, पीएचडी, एफएनएएससी, एफआईईटीई, प्रोफेसर, भौतिकी एवं सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा — 201309
18. प्रो. मनोज प्रसाद, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनए, एफएनएएस, स्टाफ वैज्ञानिक दृटप्पजेसी बोस नेशनल फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च, अरुणा आसफ अली मार्ग, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली— 110067
19. प्रो. शिव मोहन प्रसाद, पीएचडी, एफएनएएससी, प्रोफेसर, रंजन प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री लैब, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज — 211002
20. प्रो. लता रंगन, पीएचडी, एफएनएएससी, एफएनएबीएस, प्रोफेसर, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी —781039
21. प्रो. रोहित श्रीवास्तव, पीएचडी, एफएनएएससी, एफआरएससी (लंदन), एफआरएसबी (लंदन), प्रोफेसर एवं प्रमुख, जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पर्वई, मुंबई — 400076
22. प्रो. प्रमोद टंडन, पीएचडी, एफएनएएससी, एफबीएस, एफएलएस, एफआईएसईबी, एनएएसआई, मानद वैज्ञानिक, पूर्व सीईओ, बायोटेक पार्क, लखनऊ, डी—802, भालीमार गैलेंट, विज्ञानपुरी, महानगर लखनऊ — 226006
23. प्रो. शेख मोहम्मद यूसुफ, पीएचडी, एफएनए, एफएनएएससी, एफएएससी, एफएमएएससी, निदेशक, भौतिकी समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ट्रॉम्बे, मुंबई — 400085
24. सचिव, डीएसटी, भारत सरकार के नामांकित सदस्य

## 7. बैठकें

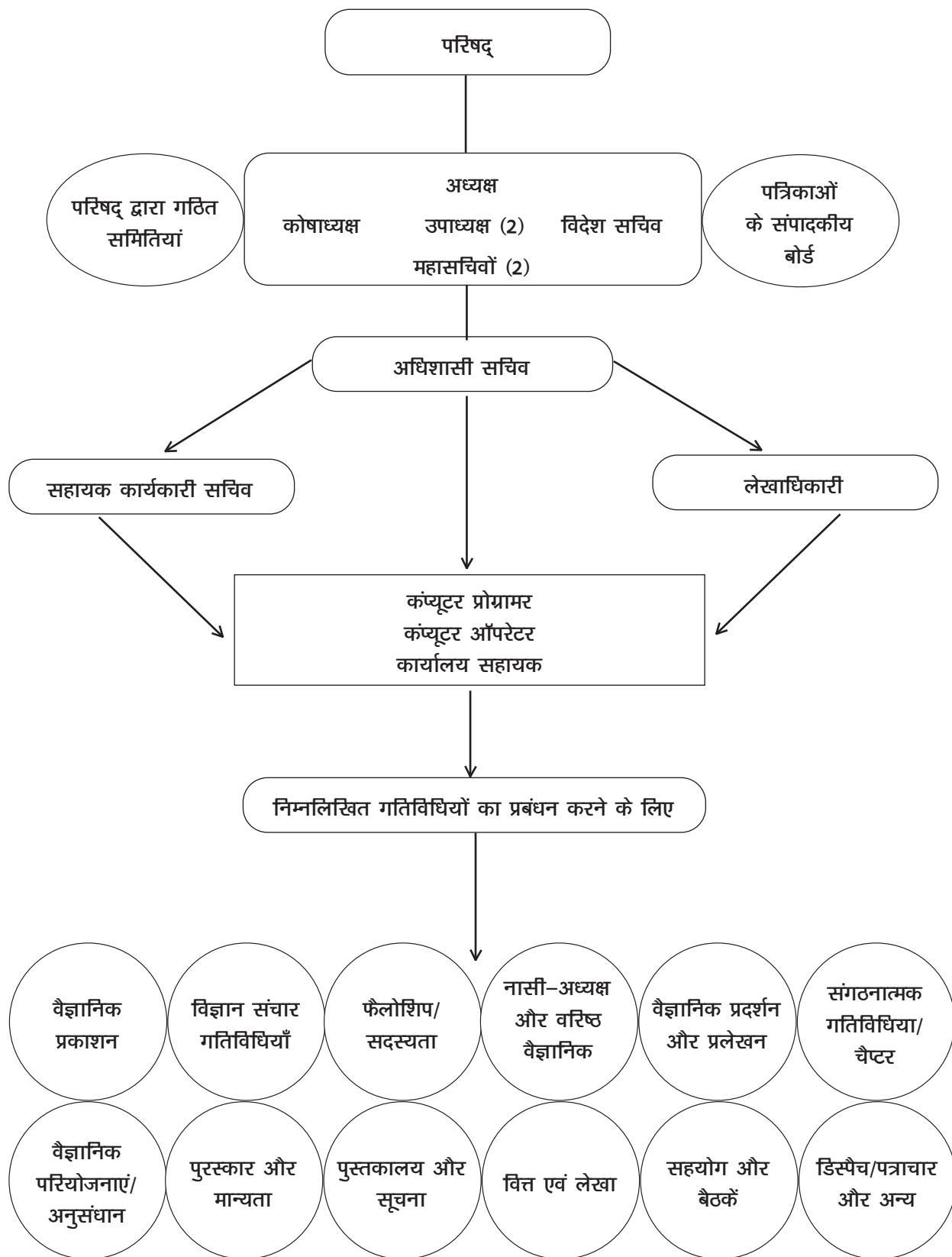
नासी ने रिपोर्ट की अवधि के दौरान चार परिषद् बैठकें, दो फेलो की बैठकें और एक वार्षिक महासभा बैठक का आयोजन किया।

इसके अतिरिक्त, कई अन्य बैठकें जैसे फेलोशिप जांच समिति, सदस्यता जांच समिति, संपादकीय बोर्ड बैठकें, वित्त और खरीद की स्थायी समितियाँ, व्याख्यान पुरस्कार जांच समितियाँ, विज्ञान शिक्षक पुरस्कार जांच समिति, पुस्तकालय समिति और अन्य उप समितियों का भी आयोजन किया गया।

अकादमी ने इस अवधि के दौरान सतर्कता सप्ताह और हिंदी दिवस/पखवाड़ा का भी पालन किया।

अकादमी को हिंदी राजभाषा में अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेष मान्यता प्राप्त हुई है।

## 8. संगठनात्मक संरचना



## 9. स्थायी समितियां (2023–24)

### (क) स्थायी प्रशासन समिति

- प्रो. बलराम भार्गव, अध्यक्ष— चेयर
- प्रो. मधु दीक्षित – उपाध्यक्ष
- प्रो. अमित रौय – उपाध्यक्ष
- प्रो. विनोद कुमार सिंह – विदेश सचिव
- प्रो. आर. एस. वर्मा – कोषाध्यक्ष
- एआई डिवीजन, डीएसटी, भारत सरकार के प्रमुख, या उनके/उनकी नामांकित सदस्य – सदस्य
- प्रो. दया शंकर पांडे – महासचिव (मुख्यालय)
- प्रो. जयेश आर. बेल्लारे – महासचिव (बाह्य)

### (ख) स्थायी वित्त समिति

- प्रो. बलराम भार्गव, अध्यक्ष— चेयर
- प्रो. मधु दीक्षित – उपाध्यक्ष
- प्रो. अमित रौय – उपाध्यक्ष
- अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, डीएसटी, नई दिल्ली या उनके/उनकी नामांकित सदस्य
- प्रो. आर. एस. वर्मा – कोषाध्यक्ष
- प्रो. दया शंकर पांडे – महासचिव (मुख्यालय)
- प्रो. जयेश आर. बेल्लारे – महासचिव (बाह्य)

### (ग) स्थायी खरीद समिति

- प्रो. दया शंकर पांडे, महासचिव (मुख्यालय) – अध्यक्ष
- प्रो. आर. एस. वर्मा – कोषाध्यक्ष
- प्रो. शिव मोहन प्रसाद
- प्रो. रविन्द्र धर
- प्रो. जयेश आर. बेल्लारे – महासचिव (बाह्य)

### (घ) पुस्तकालय समिति

- प्रो. दया शंकर पांडे, महासचिव (मुख्यालय) – अध्यक्ष
- प्रो. आर. एस. वर्मा – कोषाध्यक्ष

3. प्रो. एस. एल. श्रीवास्तव
4. प्रो. शिव मोहन प्रसाद
5. प्रो. रविन्द्र धर
6. प्रो. डी. के. चौहान
7. प्रो. जयेश आर. बेल्लारे – महासचिव (बाह्य)

## वित्तीय स्थिति

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अकादमी की वित्तीय स्थिति परिशिष्ट में दी गई है।

## 10. अकादमी भवन और सर पदमपत सिंधानिया पुस्तकालय

**भवन** – अकादमी अपने भव्य भवन में संचालित हो रही है, जिसमें लगभग 200 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक सभागार, एक परिषद कक्ष, एक समिति कक्ष, पदाधिकारियों के कमरे और कार्यालय स्थान हैं। अब इसमें एक अतिरिक्त ब्लॉक जोड़ा गया है, जिसमें सर पदमपत सिंधानिया पुस्तकालय और गंगा गैलरी के लिए स्थान है। कार्यालय में 2 एमबीपीएस इंटरनेट पोर्ट और एनआईसी, नई दिल्ली की राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क कनेक्टिविटी है।

**पुस्तकालय** – नासी पुस्तकालय को डिजिटाइज किया गया है और हर साल अधिक किताबें खरीदकर इसकी सेवाओं को बेहतर किया गया है। पुस्तकालय, जो एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क से जुड़ा है। पुस्तकालय 23 संगठनों के साथ अपनी प्रकाशन सामग्री का आदान–प्रदान करता है और भारत और विदेश से 20 पत्रिकाएं प्राप्त करता है (15 भौतिक विज्ञान की, 05 जैविक विज्ञान की और 8 विविध) जो आदान–प्रदान या निःशुल्क प्राप्त होती हैं। इसके अलावा, 05 महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ और 19 वैज्ञानिक पत्रिकाएँ भी पुस्तकालय द्वारा सदस्यता ली जा रही हैं। पुस्तकालय में लगभग 5800 बाउंड वॉल्यूम पत्रिकाओं के हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान 63 नई पुस्तकें जोड़ी गई हैं।

पुस्तकालय का एक खंड विशेष रूप से 2 स्तर के विज्ञान के छात्रों के लिए आरक्षित रखा गया है। प्रो. एच. एस. मणि, दिवंगत प्रो. यू. एस. श्रीवास्तव, प्रो. चंद्रिका प्रसाद और अन्य लोगों द्वारा कई पुस्तकें दान की गई हैं, इसके अलावा वे पुस्तकें भी जो खरीदी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि बड़ी संख्या में छात्र प्रतिदिन पुस्तकालय आते हैं और इसे उपयोगी पाते हैं।

शहर के आसपास के विभिन्न शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों से आने वाले छात्र और शोध विद्वानों को शैक्षिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट सुविधा मुफ्त में प्रदान की जाती है।

## 11. आभार

हम इस अवसर पर अपने सभी फेलो और सदस्यों का उनके सहयोग और उपयोगी सुझावों के लिए धन्यवाद करते हैं। हम विशेष रूप से प्रोफेसर बलराम भार्गव, अध्यक्ष, नासी और परिषद के सभी सदस्यों के प्रति उनके मार्गदर्शन और अमूल्य योगदान के लिए आभारी हैं।

हम मुख्य संपादकों (प्रो. जे.पी. मित्तल, प्रो. अमित घोष और डॉ. स्मिता महाले), प्रबंध संपादकों (प्रो. एस.एल. श्रीवास्तव, प्रो. यू.सी. श्रीवास्तव और प्रो. एस.एस. खरे) और 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया' (सेक्शन 'ए' और 'बी') तथा 'साइंस लेटर्स' की संपादकीय बोर्ड के सदस्यों एवं समीक्षकों का उनके मूल्यवान सुझावों और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

हम डीएसटी के सचिव, निदेशक (एआई डिवीजन), डीएसटी और एएस एवं एफए, डीएसटी, नई दिल्ली के प्रति भी आभार प्रकट करते हैं।

हम मेसर्स अमित रे एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, प्रयागराज का अकादमी के खातों का ऑडिट करने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। अंत में, हम अकादमी के सचिव व सभी अन्य स्टाफ सदस्यों के प्रति उनके अथक सहयोग और सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं।

## 12. परिशिष्ट

परिशिष्ट-I

### वर्ष 2023 के लिए चुने गए फेलो (FNASC)

1. अचार्य, नरोत्तम (जन्म 1974), पीएचडी, वैज्ञानिक एफ, संक्रामक रोग जीवविज्ञान, जीवन विज्ञान संस्थान, नाल्को स्कवायर, भुवनेश्वर – 751023
2. अग्रवाल, विवेक (जन्म 1964), पीएचडी, एफएससी, एफएनए, एफएनई, प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, पवई, मुंबई – 400076
3. अनिलकुमार, थापासिमुथु विजयमा (जन्म 1961), पीएचडी, एफएनएएस, वैज्ञानिक जी और प्रमुख, प्रायोगिक पैथोलॉजी प्रभाग, श्री चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, पूजपुरा, तिरुवनंतपुरम – 695012
4. अरविंद (जन्म 1968), पीएचडी, प्रोफेसर और कुलपति, पंजाबी विश्वविद्यालय, अर्बन एस्टेट फेज II, पटियाला – 147002
5. असिफ, मेहर हसन (जन्म 1973), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राणा प्रताप मार्ग, पीओ बॉक्स 436, लखनऊ – 226001
6. बजाज, अविनाश (जन्म 1980), पीएचडी, प्रोफेसर, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, इनसीआर बायोटेक साइंस क्लस्टर, तीसरा भील का पथर, फरीदाबाद–गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, फरीदाबाद – 121001
7. बासु, अनुपम (जन्म 1957), पीएचडी, एफएनई, प्रो वाइस चांसलर, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, डीजी ब्लॉक (न्यूटाउन), एक्शन एरिया ८, १४२, न्यूटाउन, पश्चिम बंगाल – 700156
8. बत्रा, पुनीता (जन्म 1970), पीएचडी, प्रोफेसर एच, गणित, हरिश–चंद्र अनुसंधान संस्थान, छतनाग रोड, झूंसी, प्रयागराज – 211019
9. भगवातुला, लक्ष्मी वारा प्रसाद (जन्म 1969), पीएचडी, एफएससी, निदेशक, नैनो और सॉफ्ट मैटर साइंसेज केंद्र (सीईएनएस), अर्कावर्थी, सर्वे नंबर 7, शिवनापुरा, दासनापुरा होबली, बैंगलुरु – 562162
10. भंडारी, रशना (जन्म 1972), पीएचडी, स्टाफ वैज्ञानिक VII, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और निदान केंद्र, इनर रिंग रोड, उप्पल, हैदराबाद – 500039
11. भास्करन, प्रसाद कुमार (जन्म 1970), पीएचडी, प्रोफेसर और प्रमुख, महासागर अभियांत्रिकी और नौसेना वास्तुकला विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर – 721302
12. बिस्वास, देबब्रत (जन्म 1974), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, आणविक अनुवांशिकी प्रभाग, भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, 4 राजा एससी मल्लिक रोड, कोलकाता – 700032
13. बिस्वास, रंजीत (जन्म 1969), पीएचडी, वरिष्ठ प्रोफेसर, एसएन बोस राष्ट्रीय मौलिक विज्ञान केंद्र, जे डी ब्लॉक, सेक्टर प्प, सॉल्ट लेक, कोलकाता – 700106
14. चडा, राजी रेड्डी (जन्म 1973), पीएचडी, प्रमुख वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कार्बनिक संश्लेषण और प्रक्रिया रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, तारनाका, हैदराबाद – 500007

15. चंद्र, पूनम (जन्म 1975), पीएचडी, एफएएससी, सहयोगी प्रोफेसर, राष्ट्रीय रेडियो खगोल भौतिकी केंद्र, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, पुणे विश्वविद्यालय परिसर, पुणे – 411008 (वर्तमान में राष्ट्रीय रेडियो खगोल विज्ञान वेधशाला, 520 एजमोंट रोड, चार्लोट्सविल विए 23903, यूएसए)
16. चट्टोपाध्याय, बुद्धदेव (जन्म 1979), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, बायोमेडिकल अनुसंधान केंद्र, एसजीपीजीआईएमएस परिसर, रायबरेली रोड, लखनऊ – 226014
17. चट्टोपाध्याय, कल्याण कुमार (जन्म 1963), पीएचडी, प्रोफेसर और प्रमुख, भौतिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता – 700032
18. चट्टोपाध्याय, कृष्णनंद (जन्म 1970), पीएचडी, प्रमुख वैज्ञानिक और प्रमुख, संरचनात्मक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान प्रभाग, भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, 4 राजा एससी मल्लिक रोड, कोलकाता – 700032
19. दास, अमितावा (जन्म 1973), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान विभाग, सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, उप्पल रोड, तारनाका, हैदराबाद – 500007
20. दत्ता, सिमंती (जन्म 1974), पीएचडी, प्रोफेसर, लीवर अनुसंधान केंद्र, पाचन और लीवर रोगों का स्कूल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 244 एजेसी बोस रोड, कोलकाता – 700020
21. दत्ता, सौरव (जन्म 1979), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर भोपाल, अकादमिक भवन 3, कमरा 322, भोपाल बाईपास रोड, भोरी, भोपाल – 462066
22. दे, अभिषेक (जन्म 1977), पीएचडी, एफएएससी, वरिष्ठ प्रोफेसर, रसायन विज्ञान स्कूल, भारतीय विज्ञान संवर्धन संघ, 2 ए राजा एससी मल्लिक रोड, कोलकाता – 700032
23. दत्ता, सौरभ (जन्म 1967), एमडी, पीएचडी, एफएएमएस, बाल रोग के प्रोफेसर, नवजात इकाई, बाल रोग विभाग, पीजीआईएमईआर, सेक्टर 12, चंडीगढ़ – 160012
24. गौन्स, मंगेश उत्तम (जन्म 1970), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, जैविक समुद्र विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, डोना पाउला, गोवा – 403004
25. जॉर्ज, सुबी जैकब (जन्म 1977), पीएचडी, एफएएससी, प्रोफेसर और प्रमुख, एनसीयू और एसएएमएटी, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, जक्कूर पीओ, बैंगलुरु – 560064
26. घोष, सुभिमल (जन्म 1979), पीएचडी, संस्थान अध्यक्ष प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई – 400076
27. घोष, सुमित (जन्म 1980), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, पौध जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, सीएसआईआर–केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधे संस्थान, पीओ सीआईएमएपी, लखनऊ – 226015
28. गोगटे, पराग रत्नाकर (जन्म 1975), पीएचडी, एफएनई, प्रोफेसर, रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग, रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, माटुंगा, मुंबई – 400019
29. गोंगोपाध्याय, कृष्णेंदु (जन्म 1978), पीएचडी, प्रोफेसर, गणितीय विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, मोहाली, सेक्टर 81, एसएएस नगर – 140306
30. गोपालन, जगदीश (जन्म 1966), पीएचडी, एफएएससी, एफएनई, प्रोफेसर, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु – 560012
31. गुलाटी, शेफाली (जन्म 1971), एमडी, एफएएमएस, प्रोफेसर, बाल विकासात्मक विकारों के लिए उत्कृष्टता केंद्र और उन्नत अनुसंधान की प्रमुख, बाल रोग विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली – 110029

32. गुप्ते, नीलिमा (माधव) (जन्म 1956), पीएचडी, एमेरिटस प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आईआईटी मद्रास, चेन्नई – 600036
33. जैन, दीपाली (जन्म 1975), एमडी, प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली – 110029
34. झा, गोपालजी (जन्म 1980), पीएचडी, वैज्ञानिक वी, लैब 207, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली – 110067
35. झाला, यदवेंद्रदेव वि. (जन्म 1962), पीएचडी, एफएनए, पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून; निवास: चंद्रभुवन, दरबारगढ़, वडवाण सिटी, गुजरात – 363030
36. कानेकर, निस्सिम (जन्म 1973), पीएचडी, एफएससी, प्रोफेसर एच, राष्ट्रीय रेडियो खगोल भौतिकी केंद्र, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, एसपी पुणे विश्वविद्यालय परिसर, पुणे – 411007
37. कनुंगो, सुमन (जन्म 1967), पीएचडी, वैज्ञानिक ई, महामारी विज्ञान प्रभाग, राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान, पी-33, सीआईटी रोड स्कीम एक्सएम, बेलीघाटा, कोलकाता – 700010
38. कपुरांती, जगदीस गुप्ता (जन्म 1980), पीएचडी, एफएनएएस, वैज्ञानिक वी, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली – 110067
39. कपूर, मनमोहन (जन्म 1975), पीएचडी, प्रोफेसर, 330 अकादमिक भवन 2, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर भोपाल, भोपाल बाईपास रोड, भौरी, भोपाल – 462066
40. कर्तिकेयन, गणेशन (जन्म 1970), एमडी, कार्डियोलॉजी प्रोफेसर, कार्डियोथोरेसिक साइंसेज सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली – 110029
41. केम्पैया, केम्पाराजु (जन्म 1964), पीएचडी, प्रोफेसर, जैव रसायन अध्ययन विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मनसागंगोत्री, मैसूर – 570006
42. खारवार, रविंद्र नाथ (जन्म 1967), पीएचडी, प्रोफेसर, सीएएस इन बॉटनी, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005
43. कुर्पद, अनुरा विश्वनाथ (जन्म 1959), एमडी, पीएचडी, एफएससी, एफएमएस, एफआरसीपी, प्रोफेसर, शरीर विज्ञान विभाग, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, सरजापुर रोड, बैंगलुरु – 560034
44. लैशराम, राकेश सिंह (जन्म 1979), पीएचडी, वैज्ञानिक एफ, राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, थायकाड पीओ, पूजपुरा, जगती ब्रिज के पास, त्रिवेंद्रम – 695014
45. लूथरा, कल्पना (जन्म 1965), पीएचडी, एफएमएस, प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली – 110029
46. मल, राजेश कुमार (जन्म 1965), पीएचडी, प्रोफेसर, डीन और प्रमुख, आईईएसडी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005
47. मंडल, भाबनी प्रसाद (जन्म 1968), पीएचडी, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005
48. मेहरा, मनी (जन्म 1979), पीएचडी, प्रोफेसर, गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, हौज खास, दिल्ली – 110016

49. मित्रा, राहुल (जन्म 1966), पीएचडी, एफएनई, प्रोफेसर (एचएजी), धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर – 721302
50. मुखर्जी, श्रीबानी (जन्म 1964), पीएचडी, वैज्ञानिक जी, आणविक अंतःस्नावी विभाग, राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, जहांगीर मर्वानजी स्ट्रीट, परेल, मुंबई – 400012
51. मुखोपाध्याय, सुपर्णा (जन्म 1966), पीएचडी, एफएनई, प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई, मुंबई – 400076
52. मुखोपाध्याय, अचिंत्य (जन्म 1968), पीएचडी, प्रोफेसर, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता – 700032
53. मायलावरापु, सिवराम वेंकट सत्य (जन्म 1974), पीएचडी, प्रोफेसर, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, एनसीआर बायोटेक साइंस कलस्टर, तीसरा मील का पत्थर, फरीदाबाद—गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, फरीदाबाद – 121001
54. नंदी, अशिष कुमार (जन्म 1967), पीएचडी, प्रोफेसर, कमरा नं. 415, जीवन विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – 110067
55. नित्तला, चलापति राव वेंकट (जन्म 1969), पीएचडी (हैदराबाद), पीएचडी (यूके), एफएएससी, एफएनए, प्रोफेसर, भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005
56. पांडेय, जितेंद्र (जन्म 1962), पीएचडी, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005
57. पात्रा, अभिजीत (जन्म 1979), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल, भौरी, भोपाल – 462066
58. पेनमत्सा, अरविंद (जन्म 1982), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, कमरा 111, आणविक जैव भौतिकी इकाई, भारतीय विज्ञान संस्थान, सीवी रमन रोड, बैंगलुरु – 560012
59. राजादुरर्झ, चंद्रशेखर (जन्म 1973), पीएचडी, एफएएससी, एफआरएससी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रोफेसर सीआर राव रोड, गाचीबौली, हैदराबाद – 500046
60. रक्षित, सुजय (जन्म 1970), पीएचडी, एफएनएएस, निदेशक, आईसीएआर—भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, गारखातंगा, रांची – 834003
61. राममूर्ति, पी. चंद्रशेखरपुरा (जन्म 1973), पीएचडी, प्रोफेसर, ई311, सामग्री अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु – 560012
62. रे चौधुरी, शौन (जन्म 1973), पीएचडी, प्रोफेसर, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, डेकेयर बिल्डिंग, सुर्यमणिनगर, त्रिपुरा पश्चिम – 799022
63. रे, मनस चंद्र (जन्म 1963), पीएचडी, एफएनई, प्रोफेसर (एचएजी), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर – 721302
64. रॉय, दिपंजन (जन्म 1977), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एआईडीई, आईआईटी जोधपुर, एनएच 62, सुरपुरा बाईपास रोड, करवार, राजस्थान – 342030

65. साहू, बिजय कुमार (जन्म 1977), पीएचडी, प्रोफेसर, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380009
66. समंता, लूना (जन्म 1970), पीएचडी, प्रोफेसर, रेडॉक्स जीवविज्ञान और प्रोटीओमिक्स प्रयोगशाला, प्राणी विज्ञान विभाग, जीवन विज्ञान स्कूल, रेवेंशॉ विश्वविद्यालय, कटक – 753003
67. सरकार, जयदेब (जन्म 1976), पीएचडी, प्रोफेसर और प्रमुख, सांख्यिकी–गणित इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, 8वां मील, मैसूर रोड, आरवीसीई पोस्ट, बैंगलुरु – 560059
68. सेंगुप्ता, देवर्का (जन्म 1983), पीएचडी, सहयोगी प्रोफेसर, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ओआईए, फेज 3, नई दिल्ली – 110020
69. शर्मा, अर्चना (जन्म 1964), पीएचडी, एफएनई, निदेशक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, बीम प्रौद्योगिकी विकास समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई – 400085
70. सिंह, दिव्या (जन्म 1975), पीएचडी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, अंतःस्रावी विज्ञान प्रभाग, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 10, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ – 226031
71. सिंह, रविंद्र प्रताप (जन्म 1964), पीएचडी, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रमुख, परमाणु, आणविक और प्रकाशीय भौतिकी विभाग, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380009
72. सिंघल, रेखा सतीशचंद्र (जन्म 1962), पीएचडी, एफएनए, प्रोफेसर, खाद्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विभाग, केमिकल टेक्नोलॉजी संस्थान, नथालाल पारेख मार्ग, माटुंगा, मुंबई – 400019
73. सुंदर, दुरई (जन्म 1973), पीएचडी, संस्थान अध्यक्ष प्रोफेसर, जैव रासायनिक अभियांत्रिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, हौज खास, नई दिल्ली – 110016
74. सुरेश, केजी (जन्म 1968), पीएचडी, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई – 400076
75. टंडन, विभा (जन्म 1968), पीएचडी, प्रोफेसर, विशेष केंद्र, आणविक चिकित्सा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – 110067
76. उपाध्याय, रणजीत कुमार (जन्म 1967), पीएचडी, प्रोफेसर (एचएजी) एवं प्रमुख, गणित एवं कंप्यूटिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद – 826004
77. वर्मा, प्रवीण कुमार (जन्म 1966), पीएचडी, प्रोफेसर, जीवन विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – 110067
78. यादव, बाल चंद्र (जन्म 1970), पीएचडी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, भौतिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, रायबरेली रोड, विद्याविहार, लखनऊ – 226025
79. यादव, ओम प्रकाश (जन्म 1963), पीएचडी, एफएनए, एफएनएएस, निदेशक, केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर – 342003
80. यादव, देवेंद्र कुमार (जन्म 1966), पीएचडी, एफएनएएस, सहायक महानिदेशक (बीज), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कक्ष नं. 101, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110001

## विज्ञान और समाज

1. गुप्ता, निवेदिता (जन्म 1974), पीएचडी, वैज्ञानिक एफ एवं प्रभारी, वायरोलॉजी यूनिट, ई एंड सीडी प्रभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वी. रामालिंगास्वामी भवन, अंसारी नगर, नई दिल्ली – 110029
2. केलासवडिवू, सिवन (जन्म 1957), पीएचडी, एफएनएई, पूर्व सचिव, भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग और पूर्व अध्यक्ष, इसरो, इसरो मुख्यालय, अंतरिक्ष भवन, न्यू बीईएल रोड, बैंगलुरु – 560231
3. सोमनाथ, श्रीधर पनिकर (जन्म 1963), एमई, एफएनएई, सचिव, भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग एवं अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो मुख्यालय, अंतरिक्ष भवन, न्यू बीईएल रोड, बैंगलुरु – 560231

## विदेशी फेलो

1. एटफील्ड, जॉन पॉल (जन्म 1962), डीफिल, एफएनए, एफआरएस, एफआरएसई, एफआरएससी, अध्यक्ष, उच्चत परिस्थितियों में सामग्री विज्ञान केंद्र, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, किंग्स बिल्डिंग, मेफील्ड रोड, एडिनबर्ग, ईएच9 3जेजेड, यूके
2. चौरघड़े, मुकुंद शंकर (जन्म 1953), पीएचडी, डीएससी, एफआरएससी, अध्यक्ष एवं मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, टीएचआईएनक्यू फार्मा / सहायक अनुसंधान प्रोफेसर, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 7 जोन्स कोर्ट, हिल्सबोरो, न्यू जर्सी, एनजे08844, यूएसए
3. चौधरी, बी.वी.आर (जन्म 1943), पीएचडी, डीएलिट (सन्मानित), डीएससी (सन्मानित), वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक, नान्यांग तकनीकी विश्वविद्यालय, राष्ट्रपति कार्यालय, 50 नान्यांग एवेन्यू, प्रशासनिक भवन स्तर 3, सिंगापुर 639798
4. एकरट, जुरगेन (जन्म 1962), पीएचडी, एफएनएई, निदेशक, एरिच शिमड सामग्री विज्ञान संस्थान, जानस्ट्रासे 12, 8700 लोएबेन, ऑस्ट्रिया
5. घोष, शंकर (जन्म 1959), पीएचडी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं इम्यूनोलॉजी विभाग, कोलंबिया विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ फिजीशियन और सर्जन, न्यूयॉर्क, एनवाई 10032, यूएसए

## 2023 के लिए चुने गए मेम्बर्स (MNASc)

### भौतिक विज्ञान

#### रासायनिक विज्ञान

1. डॉ. एच. एस. एस. रामकृष्णा मद्दे, नैनो और सॉफ्ट मैटर साइंसेज केंद्र, कर्नाटक
2. डॉ. कौस्तव भट्टाचार्य, बीएआरसी, मुंबई
3. डॉ. नीतू गोयल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. डॉ. प्रभ्रीत सिंह, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
5. डॉ. रुबेल चक्रवर्ती, बीएआरसी, मुंबई
6. डॉ. सुमन सिंह, सीएसआईआर—सीएसआईओ, चंडीगढ़
7. डॉ. देबदास रे, शिव नादर विश्वविद्यालय, दादरी, उत्तर प्रदेश
8. डॉ. सेराज अहमद अंसारी, बीएआरसी, मुंबई

#### पृथ्वी विज्ञान

1. डॉ. सुभाष चंद्र, एनजीआरआई, हैदराबाद
2. डॉ. शैलेंद्र राय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

#### इंजीनियरिंग विज्ञान

1. डॉ. सुष्मी बधुलिका, आईआईटी हैदराबाद
2. प्रो. मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर
3. डॉ. अनुज धवन, आईआईटी दिल्ली
4. प्रो. सुभो दास गुप्ता, आईआईएससी, बैंगलुरु
5. प्रो. देबब्रत दास, आईआईआईटी, बैंगलुरु
6. डॉ. उपेंद्र पांडे, एस.एन. विश्वविद्यालय, नोएडा
7. डॉ. एम.एस. संतोष, सीएसआईआर, सीआईएमएफआर, धनबाद

#### गणितीय विज्ञान

1. डॉ. अनुज जाखड़, आईआईटी मद्रास
2. प्रो. अन्धु स्वामीनाथन, आईआईटी रुड़की
3. डॉ. सुशील कुमार, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा
4. डॉ. परितोष भट्टाचार्य, एनआईटी अगरतला, त्रिपुरा

## **भौतिकी**

1. डॉ. सी.एम. चंद्रशेखर, इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिकल साइंसेज, चेन्नई
2. डॉ. भास्कर कंसेरी, आईआईटी दिल्ली
3. डॉ. मोहित त्यागी, बीएआरसी, मुंबई
4. डॉ. रावी साई संतोष कुमार, आईआईटी हैदराबाद
5. डॉ. संतोष कुमार दास, आईआईटी गोवा
6. डॉ. रमन शर्मा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
7. डॉ. सयंतन चौधरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय (एसजीटी)
8. डॉ. प्रदीप्त पंचाध्यायी, प्रभात कुमार कॉलेज, कॉटाई

## **जीवविज्ञान विज्ञान**

## **पशु विज्ञान**

1. डॉ. संतोष कुमार सिंह, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीएचयू, वाराणसी
2. प्रो. श्वेता यादव, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
3. डॉ. अर्चि परगनिहा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
4. डॉ. निशांत कुमार, आईसीएआर—नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल, हरियाणा
5. डॉ. अर्नब बनर्जी, बिट्स पिलानी, गोवा
6. डॉ. सौमेन चौधरी, पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, मथुरा
7. डॉ. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती, राजा नरेंद्र लाल खान महिला कॉलेज, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल

## **बायोफिजिक्स, बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी**

1. डॉ. संदीप कालेधोंकर, आईआईटी बॉम्बे
2. डॉ. तनवीर अली डार, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
3. डॉ. वेद प्रकाश द्विवेदी, आईसीजीईबी, नई दिल्ली
4. डॉ. मिथु बैद्य, आईआईटी जम्मू और कश्मीर
5. डॉ. संगीता सिंह, आईआईआईटीए, प्रयागराज
6. डॉ. निधि गौर, इंद्रशील विश्वविद्यालय, राजपुर, गुजरात

## **मेडिकल और फॉरेंसिक विज्ञान**

1. डॉ. अर्पिता कोनार, इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता
2. डॉ. राजीव कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीएचयू, वाराणसी
3. डॉ. राकेश कुमार पिलानिया, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

4. डॉ. अडेला रामु, एनआईपीईआर, गुवाहाटी
5. डॉ. उत्पल नंदी, सीएसआईआर—आईआईआईएम, जम्मू
6. डॉ. विजय जैन, एबीवीआईएमएस डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली
7. डॉ. कुप्पन गोकुलकृष्णन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, बैंगलुरु

### **पौध एवं कृषि विज्ञान**

1. डॉ. आदित्य प्रताप, आईसीएआर—आईआईपीआर, कानपुर
2. डॉ. राकेश कुमार, आईएचबीटी, पालमपुर
3. डॉ. सुमित्र पॉल, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय
4. डॉ. संदीप कुमार, आईसीएआर—एनबीपीजीआर, नई दिल्ली
5. डॉ. कौशिक चक्रवर्ती, आईसीएआर—नेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, कटक
6. डॉ. रेहना ओंगस्टीन, केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल
7. डॉ. विपिन कुमार, आईआईटी धनबाद
8. डॉ. दिव्येंदु चटर्जी, आईसीएआर—नेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, कटक
9. डॉ. दीपक गायेन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर
10. डॉ. विनीता गौड़ा, आईआईएसईआर, भोपाल

### **विज्ञान और समाज**

1. डॉ. विशाल मिश्रा, आईआईटी—बीएचयू, वाराणसी

## मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखा परीक्षित लेखा विवरण

अमित रे एण्ड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
5-बी, सरदार पटेल मार्ग  
प्रयागराज – 211001  
फोन नं. 2402763, 2407258  
फैक्स नं. (0532) 2402763

### स्वतंत्र अंकेक्षक प्रतिवेदन

प्रति  
सदस्यगण  
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत  
5 लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज– 211002

हमने राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, के वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण किया है, जिससे मार्च 31, 2023 का आर्थिक चिट्ठा, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति और भुगतान खाता, और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश शामिल है।

हमारी राय में, संलग्न वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2024 को संस्थान की वित्तीय स्थिति तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप संस्थान के वित्तीय प्रदर्शन का सही एवं उचित विवरण प्रस्तुत करते हैं।

### राय के लिए आधार

हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अंकेक्षण मानकों (SAs) के अनुसार अपना अंकेक्षण किया। हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार वित्तीय विवरणों के हमारे अंकेक्षण के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्थान से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त किये हैं, वे हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

### वित्तीय विवरण के प्रबंधन एवं उनके नियमन की जिम्मेदारी

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्क्र प्रस्तुति के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है, और इस तरह के आंतरिक नियंत्रण लागू करना जो यह सुनिश्चित करे कि ये वित्तीय विवरण किसी महत्वपूर्ण गलत विवरण से मुक्त है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, इसकी जिम्मेदारी प्रबन्धन की है।

वित्तीय विवरण तैयार करने में जो लागू हो, चालू संस्था से संबंधित मामले तथा चालू संस्था के लिए लागू लेखांकन पद्धति का उपयोग करते हुए प्रबंधन संस्था की एक चालू संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि प्रबंधन इकाई को समाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

जो संस्थान के प्रबंधन/नियमन के लिए जिम्मेदार है वे संस्थान की वित्तीय लेनदेन प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार होते हैं।

## वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण के लिए अंकेक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उददेश्य इस बारे में उचित विश्वास प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप में वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण में मुक्त है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और अपनी राय शामिल करते हुए एक अंकेक्षक रिपोर्ट जारी करना है। उचित विश्वास एक उच्च स्तर का विश्वास है लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि अंकेक्षण मानकों के अनुसार किया गया अंकेक्षण हमेशा किसी मौजूद महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगायेगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और इसे एकल या समग्र रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, यदि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गये निर्णय उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हों।

अंकेक्षण मानकों के अनुसार अंकेक्षक के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे अंकेक्षण के दौरान पेशेवर संदेह बनायें रखते हैं साथ ही हम

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानने और उनका आकलन करने में, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए अंकेक्षण प्रक्रियाओं को तैयारी और उनका निश्पादित करने और अंकेक्षण और अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारी राय के
- लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी से होने वाला जोखिम गलत विवरण का पता न लगने वाले जोखिम से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकता है।
- अंकेक्षण के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं ताकि उन परिस्थितियों के लिए उपर्युक्त अंकेक्षण प्रक्रियाओं की तैयारी की जा सके, लेकिन यह संस्थान के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर कोई राय व्यक्त करने के उददेश्य से नहीं होता है।
- उपयोग की गयी लेखांकन नीतियों की उपयुक्ता और प्रबंधन द्वारा किये गये लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रबंधन द्वारा के उपयोग की गई चालू प्रतिष्ठान पर आधारित लेखांकन विधि और अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो संस्थान को एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने अंकेक्षण प्रतिवेदन में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करना होगा या यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे अंकेक्षण प्रतिवेदन की तारीख तक प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य पर

आधारित है। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या भ्रांतियों के कारण संस्था को एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखना बंद हो सकता है।

हम अन्य मामलों के अलावा, अंकेक्षण के नियोजित दायरे और समय तथा महत्वपूर्ण अंकेक्षण निष्कर्षों के बारे में प्रबंधन/नियमन के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जो हमें अंकेक्षण के दौरान पता चलती हैं।

कृते अमित रे एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स

एफआरएन 000483सी

अभिषेक शर्मा

साझेदार

सदस्यता संख्या 403861

स्थान: प्रयागराज

तिथि: 30 / 08 / 2024

UDIN:—22403861BKFSLK5105

# राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत

५, लाजपत राय मार्ग प्रयागराज 211 002

31 मार्च 2024 को आर्थिक चिट्ठा

(धनराशि रूपये में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2023–2024	गत वर्ष 2022–2023
समग्र पूँजी/निधि और देनदारियां	1	5,72,18,401.00	5,72,18,401.00
समग्र/पूँजी निधि	2	2,52,04,663.40	2,52,04,663.40
आक्षित निधि और आधिक्य	3	25,68,32,321.85	24,60,11,420.22
निर्दिष्ट विन्यास निधि	4	—	—
प्रतिभूति सहित ऋण एवं उधार	5	—	—
प्रतिभूति रहित ऋण एवं उधार	6	—	—
आस्थगित उधार दायित्व	7	(57,12,987.64)	58,16,203.42
चालू दायित्व एवं प्रावधान		<b>33,35,42,398.61</b>	<b>33,42,50,688.04</b>
योग			
सम्पत्तियां	8	6,03,81,819.00	6,34,73,010.00
स्थायी सम्पत्तियां	9	25,72,56,162.85	24,64,35,261.22
निर्दिष्ट/विन्यास निधि में विनियोग	10	....	....
अन्य विनियोग	11	1,59,04,416.76	2,43,42,416.82
चालू सम्पत्तियां, ऋण एवं अग्रिम विविध व्यय		<b>33,35,42,398.61</b>	<b>33,42,50,688.04</b>
योग			
महत्वपूर्ण लेखाकान नीतियां	24		
सभाव्य दायित्व एवं लेखाकान पर टिप्पणी	25		

(ए०के० त्रिवेदी)  
प्रभारी लेखाधिकारी

(सन्तोष शुक्ला)  
प्रभारी अधिशासी सचिव

(डी.एस.पाण्डेय)  
महासचिव

(आर.एस.वर्मा)  
कोषाध्यक्ष

स्थान: प्रयागराज  
तिथि: 30 / 08 / 2024

यूडिन :—24403861BKFSLK5105

इसी तिथि के हमारे संलग्न प्रतिवेदन के अनुसार  
अमित रे एण्ड कम्पनी  
सनदी लेखाकार  
एफआरएन 000483सी

# राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत

5, लाजपत राय मार्ग प्रयागराज 211 002

31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष का आय—व्यय खाता

(धनराशि रूपये में)

		अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2023–2024	गत वर्ष 2022–2023
<b>(अ) आय</b>				
विक्रय / सेवा से आय		12	96,927.00	80,300.00
अनुदान / आर्थिक सहायता		13	4,70,42,356.42	6,67,24,728.28
शुल्क / सदस्यता		14	.....	50,000.00
विनियोग से आय		15	.....	.....
रायलटी / प्रकाशनों से आय		16	35,83,641.00	29,22,507.00
उपार्जित व्याज		17	2,03,592.00	28,19,426.00
अन्य आय		18	2,77,637.00	8,63,647.00
तैयार माल एवं चालू हालत के कार्य के रहतिया आधिक्य या कमी		19	.....	.....
	<b>योग (ए)</b>		<b>5,12,04,153.42</b>	<b>7,34,60,608.28</b>
<b>(ब) व्यय</b>				
स्थापना प्रभार— वेतन सामान्य		20	2,18,16,409.00	1,92,26,667.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		21	3,22,92,794.00	4,38,43,771.00
अनुदान / आर्थिक सहायता आदि पर व्यय		22	.....	.....
बैंक शुल्क और व्याज		23	9,176.06	18,668.86
उपार्जित व्याज डी.एस.टी. नई दिल्ली को वापस हास (वर्षान्त पर शुद्ध योग — अनुसूची 8 के अनुसार)			—	12,67,343.00
	<b>योग(बी)</b>		<b>30,91,191.00</b>	<b>36,01,145.00</b>
आय का व्यय पर आधिक्य ( अ—ब)			<b>5,72,09,570.06</b>	<b>6,79,57,594.86</b>
विशिष्ट निधि में/से हस्तान्तरण			(60,05,416.64)	55,03,013.42
सामान्य निधि में हस्तान्तरण			—	—
—			—	—
आधिक्य / कमी			(60,05,416.64)	55,03,013.42
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ				
संभाव्य दायित्व एवं लेखा पर टिप्पणी				
		24		
		25		

31 / 03 / 2024 अव्ययित शेष राशि का विवरण:—

वेतन	(1,06,40,188.00)
पूँजीगत संपत्ति का निर्माण	50,00,000.00
अनुसूचित जनजाति उपयोजना	23,05,276.00
सामान्य	(28,19,036.14)
संगोष्ठी इत्यादि	1,48,531.50
	<b>(60,05,416.64)</b>

**(एको त्रिवेदी)**  
प्रभारी लेखाधिकारी

**(सन्तोष शुक्ला)**  
प्रभारी अधिशासी सचिव

**(डी.एस.पाण्डे)**  
महासचिव

**(आर.एस.वर्मा)**  
कोषाध्यक्ष

स्थान: प्रयागराज  
तिथि: 30 / 08 / 2024  
यूडिन :—24403861BKFSLK5105

इसी तिथि के हमारे संलग्न प्रतिवेदन के अनुसार  
अमित रे एण्ड कम्पनी  
सनदी लेखाकार  
एफआरएन 000483सी

**राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत**  
 5, लाजपत राय मार्ग प्रयागराज 211 002  
**31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता**

(धनराशि रूपये में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2023–2024	गत वर्ष 2022–23	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2023–2024	गत वर्ष 2022–23
<b>1— प्रारम्भिक शेष</b>			<b>1— अनुमति व्यय</b>		
अ— नकद	—	—	अ—स्थाना व्यय (अनुसूचित जाति वेतन सहित)	2,18,16,409.00	1,92,26,667.00
ब— बैंक शेष	—	—	(अनुसूची 21 के अनुसार)	—	—
1. चालू खातों में	—	—	प्रशासनिक व्यय	3,24,22,794.00	4,43,53,771.00
2. सावधि जमा खातों में	23,51,01,905.00	26,24,29,019.00	(अनुसूची 20 के अनुसार)	—	—
3. बचत बैंक खातों में	2,58,43,142.04	4,60,04,655.00	ब— अनुसूचित जनजाति उपपरियोजना (अनुसूची 21 के अनुसार)	—	—
<b>2— प्राप्त अनुदान</b>			<b>2—विभिन्न परियोजनाओं के लिये निवारित निधियों से भुगतान</b>		
अ— भारत सरकार	4,13,35,395.00	—	<b>3—विनियोग / जमा</b>		—
डी.एस.टी. दिल्ली	—	—	अ— निर्दिष्ट / विशिष्ट निधि में से		—
ब— राज्य सरकार से	—	—	ब— अन्य विनियोग		—
<b>3— निवेश से आय</b>			<b>4—अचल सम्पत्तियों एवं चालू छालत में पूँजीगत पर व्यय</b>		—
अ—निवारित / बदोबस्ती निधि	1,09,68,579.00	1,17,51,614.00	<b>5—आविष्यक / ऋण की वापसी</b>		—
ब— स्वयं का धन अन्य निवेश	—	—	अ— भारत सरकार को (डी.एस.टी. नई दिल्ली)	—	—
<b>4—प्राप्त व्याज</b>			1—अनुसूचित जाति के वेतन के लिए सहायता अनुदान का अव्ययित शेष	—	2,90,532.00
अ— बैंक जमाओं पर	2,03,592.00	28,19,426.00	अनुसूचित जनजाति उपयोजना	—	23,25,902.00
अनुदान सहायता बचत खाता	68,887.00	—	आर.जी.वी.एस.एफ. अनुदान	—	—
पीएफ जमा बचत खाता	23,577.00	—	<b>2— पिछले वर्ष के दौरान अर्जित व्याज</b>	12,258.00	12,67,343.00
जेम फण्ड खाते में	1,757.00	—	ब—राज्य सरकार को	—	—
आय कर में जमा	1,09,372.00	—	स— निधिदाता अन्य प्रदाताओं के लिए	—	—
कुल शेष	<u>2,03,592.00</u>	—	<b>6—वित शुल्क (बैंक शुल्क और व्याज)</b>	9,303.43	18,721.96
<b>ब— ऋण अग्रिमों पर</b>	—	—	7— अन्य भुगतान विवरण दे	—	—
<b>5—अन्य आय (विवरण दे)</b>			व्यय के लिये अग्रिम	—	1,17,472.00
व्यय हेतु अग्रिम	16,74,352.00	47,250.00	8— टीडी.एस एवं अग्रिम कर	—	—
त्योहार अंग्रेम व्यय	—	—	टीडी.एस भुगतान	—	—
<b>6—लिए गये ऋण</b>			विविध खर्च	—	7,31,682.00
<b>7—अन्य प्राप्तियां</b>			<b>8—अंतिम शेष</b>	24090	—
गंगा गैलरी से प्राप्तियां	6,540.00	1,670.00	अ—हाथ में नकद	—	—
रोयल्टी/प्रकाशन से आय	26,31,328.00	31,19,726.00	ब— बैंक शेष	—	—
वार्षिक सत्र शुल्क	—	50,000.00	1— चालू खातों में	—	—
स्क्रैप की विक्री	96,927.00	80,300.00	2— सावधि जमा खातों में	—	—
एलआर्सी से ग्रचूटी प्राप्ति	—	8,61,333.00	3— बचत बैंक खातों में	—	—
चैप्टर बचत खाता का व्याज	2,845.00	2,314.00	24,29,38,154.00	23,51,01,905.00	—
सेवानिवृत्त व्यक्तियों द्वारा जमा राशि	2,74,792.00	—	2,23,34,850.61	2,58,43,142.04	—
टीडी.एस एवं अग्रिम कर	12,02,256.00	—			
टी.डी.एस वसूली	2,16,206.00	20,89,070.00			
एसटी परियोजनाओं का अव्ययित शेष	—	—			
<b>योग</b>	<b>31,95,57,859.04</b>	<b>32,92,77,138.00</b>	<b>योग</b>	<b>31,95,57,859.04</b>	<b>32,92,77,138.00</b>

(ए०क० त्रिवेदी)  
 प्रभारी लेखाधिकारी

(सन्तोष शुक्ला)  
 प्रभारी अधिशासी सचिव

(डी.एस.पाण्डेय)  
 महासचिव

(आर.एस.वर्मा)  
 कोषाध्यक्ष

स्थान: प्रयागराज  
 तिथि: 30 / 08 / 2024

गूडिन:—24403861BKFSLK5105

इसी तिथि के हमारे संलग्न प्रतिवेदन के अनुसार  
**आमित रे एण्ड कम्पनी**  
 सनदी लेखाकार  
 एफआरएन 000483सी



## राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी)

5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

वेबसाइट: <http://nasi.org.in/>

ई-मेल: nasi.allahabad1@gmail.com